शर्मा शार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 243 | गुवाहाटी | गुरुवार, 30 मार्च, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अपात्रों के खिलाफ सख्ती बरतने का निर्णय पेज 3 | हमारी सेना हर चुनौती का जवाब दने में सक्षम : शिवराज चौहान पेज 4 | गिरमिटिया मजदूर नहीं, उद्योगपति बनेंगे दक्षिणांचल के लोग : योगी पेज 5 | राजस्थान : 19 देशों के प्रतिनिधियों ने हाउसिंग बोर्ड की परियोजनाओं ... पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मुख्यमंत्री के बोलते ही विस में जोरदार हंगामा

सदन 15 मिनट के लिए स्थगित

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री ने जैसे ही बोलना शुरू किया, विपक्षी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस विधायकों ने खड़े होकर सदन में हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस के विधायक काले कपड़े पहनकर सदन में पहुंचे थे। कांग्रेस ने राहुल गांधी के मुद्दे पर बैठक स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया था। विपक्ष के नेता देबब्रत सैकिया ने बैठक स्थगित करने का प्रस्ताव पेश किया। कांग्रेस ने कहा कि संविधान बचाने की शपथ लेने के बाद भी संविधान को नहीं बचाया गया है। विपक्ष इस बात पर चर्चा चाहता था कि राहुल गांधी के सांसद पद को तुरंत खारिज क्यों किया गया। नेता प्रतिपक्ष सैकिया ने कहा कि अगर न्यायपालिका गलत काम करती है तो सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप करता है। देश के प्रधानमंत्री के विरुद्ध बीबीसी की डाक्यूमेंट्री को लेकर असम विधानसभा में सरकारी पक्ष ने विपक्ष के विरोध के बावजूद संकल्प प्रस्ताव लाया था। अब देश के -शेष पृष्ठ दो पर

अगर कोर्ट मुझे दोषी ठहरा दे तो भाजपा विधायक काले कपड़े नहीं पहनेंगे : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को विधानसभा में कांग्रेस के पूर्व सांसद राहुल गांधी की अयोग्यता के बाद कांग्रेस के प्रदर्शनों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कल अगर अदालत मुझे किसी चीज में दोषी ठहराती है, तो क्या भाजपा विधायक काले कपड़े पहनेंगे और प्रदर्शन करेंगे? नहीं। हम उच्च न्यायालय, सर्वोच्च न्यायालय, सत्र न्यायालय जाएंगे, लेकिन हम न्यायपालिका की अवहेलना नहीं करेंगे। यह प्रवृत्ति भारतीय लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। इससे पहले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बीते शुक्रवार यानी 24 मार्च को रद्द कर दी गई। लोकसभा सचिवालय की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई। राहुल को गुरुवार को सूरत की अदालत ने मोदी उपनाम से जुड़े मानहानि मामले में दो साल की सजा सुनाई थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने ट्विटर पर लिखा था कि मैं भारत की आवाज के लिए लड़ रहा हूं। मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं। राहुल गांधी की ओर से 2019 में मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के मामले में गुरुवार यानी 23 मार्च को सूरत की अदालत ने फैसला -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हंसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे, और आप जीत जाएंगे।
- अज्ञात

तीस हजार से अधिक वेब लिंक ब्लॉक : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली। सरकार ने 2018 के बाद से 30,310 वेब लिंक को ब्लॉक करने के निर्देश जारी किया है, जिसमें सोशल मीडिया लिंक,पेज, खाते, चैनल, ऐप, वेब पेज, वेबसाइट आदि शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को संसद को इस बात की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा को बताया कि आईटी नियमों के तहत गठित समिति ने कुल 41,172 यूआरएल (यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर) की जांच की गई, जो आईटी की अधिनियम 2000 की धारा 69ए के तहत ब्लॉक करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों, विभागों और राज्यों में नोडल अधिकारियों से प्राप्त हुए थे। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने एक लिखित बयान में कहा कि सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

धर्म को राजनीति से दूर रखें राजनेता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। नफरती बयानों यानी हेट स्पीच देने वालों के खिलाफ देश की सर्वोच्च अदालत ने जबरदस्त फटकार लगाई है। हेट स्पीच देने वाले लोगों पर तल्ख टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे लोग खुद को संयमित क्यों नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने आगे पूछा कि आखिर ये लोग क्यों किसी नागरिक या समुदाय को अपमानित करते हैं और ऐसा करना कब बंद करेंगे। राजनीतिक भाषणों में धर्म का प्रयोग करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जिस क्षण से देश के राजनेता धर्म को अलग रखकर राजनीति करना शुरू करेंगे, उसी क्षण से हेट स्पीच के मामले भी समाप्त हो जाएंगे। बता दें कि कुछ महीनों पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच के मामले पर तीखी टिप्पणी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

वंदे भारत पर पत्थर फेंकने वालों को पांच साल की सजा

नई दिल्ली। वंदे भारत ट्रेनों पर पत्थर फेंकने वालों की अब खैर नहीं। रेलवे ने इस तरह की घटना को अंजाम देने वालों के खिलाफ सजा का एलान किया है। साउथ सेंट्रल रेलवे (एससीआर) ने मंगलवार को चेतावनी देते हुए कहा कि वंदे भारत ट्रेनों पर पत्थर फेंकने वालों को अब पांच साल तक जेल की हवा खानी पड़ेगी। एससीआर ने हाल के दिनों में इस तरह की घटनाओं में इजाफा के बाद यह घोषणा की है। एससीआर ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

के अरुल जोथी पूसीरे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त

गुवाहाटी (हि.स.)। के अरुल जोथी ने पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के महानिरीक्षक सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आईजी-सह-पीसीएससी) का पदभार संभाल लिया है। वह सिविल सेवा परीक्षा के 1995 बैच के अधिकारी हैं। आईजी-सह-पीसीएससी के रूप में वह सभी रेल संपत्तियों, ट्रैक और फिक्सचर्स, रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग -शेष पृष्ठ दो पर

डोभाल की पाक को खरी-खरी, चीन को सीमाओं का सम्मान करने की सलाह

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद को दुनिया की शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने आतंकवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी रूप में आतंकवाद और उसे मिलने वाली फंडिंग, दुनिया की शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। शंघाई सहयोग संगठन के सचिवों की 18वीं बैठक में उन्होंने कहा कि आतंकवाद के लिए उठाया गया कोई भी कदम, चाहे उसके पीछे कुछ भी मकसद हो, वह अनुचित है। डोभाल ने सदस्य देशों से मेंबर स्टेस्ट्स की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए परस्पर सम्मान रखने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एससीओ में शामिल सदस्य देश, एक दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए परस्पर सम्मान रखने की जरूरत है। उन्होंने आगे आह्वान किया कि कोई भी सदस्य देश किसी दूसरे सदस्य देशों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई न करें। दरअसल, इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि अजीत डोभाल ने आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान और सीमा सुरक्षा और सैन्य कार्रवाई को लेकर चीन पर निशाना साधते हुए यह बात कही है। डोभाल ने शंघाई समूह की बैठक में अपनी प्रारंभिक टिप्पणी के दौरान कहा कि आतंकवाद अपने सभी रूपों और -शेष पृष्ठ दो पर

फेक न्यूज बड़ी चुनौती : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया के दौर में सूचनाओं के व्यापक और त्वरित प्रसार के साथ तेजी से फैलने वाली फेक न्यूज की चुनौती भी सामने आई है। आईआईएस अधिकारियों को फेक न्यूज से निपटने की जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने अधिकारियों से तकनीक का उपयोग करने और फेक नैरेटिव बनाने के लिए मीडिया, विशेष रूप से सोशल मीडिया के दुरुपयोग की प्रवृत्ति को रोकने के लिए समर्पण के साथ काम करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा, संयुक्त सचिव संजीव शंकर, भारतीय जन संचार संस्थान के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी, अपर महानिदेशक आशीष गोयल एवं भारतीय सूचना सेवा की पाठ्यक्रम निदेशक नवनीत कौर सहित वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021 और 2022 बैच के अधिकारी और प्रशिक्षु अधिकारी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और इसके कामकाज के बारे में नागरिकों को जागरूक बनाने में कम्युनिकेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रभावी संचार के माध्यम से और सही जानकारी के साथ, आईआईएस अधिकारी नागरिकों को देश की प्रगति में भागीदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मुर्मू ने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत की छवि को निखारने में आईआईएस अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय : सोहियंग विस सीट के लिए उपचुनाव 10 मई को

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मेघालय की सोहियंग विधानसभा सीट पर 10 मई को उपचुनाव कराने की घोषणा कर दी है। इस सीट पर चुनाव के दौरान यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) उम्मीदवार एचडीआर लिंगदोह के निधन होने के बाद चुनाव रद्द कर दिया गया था। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली में दो चुनाव आयुक्त अनूपचंद्र पांडेय और अरुण गोयल के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में उपचुनाव की घोषणा की। उन्होंने मेघालय की इस -शेष पृष्ठ दो पर

असम : 22 महीने में बनकर तैयार हुए 5 लाख घर

गुवाहाटी। असम की भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) स्कीम के तहत मात्र 22 महीने में 5 लाख घर बनाकर तैयार कर दिए हैं। राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रंजीत कुमार दास ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। रंजीत कुमार दास ने ट्वीट करते हुए कहा कि राज्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपने को हासिल करने के लिए राज्य के सीएम हिमंत विश्व शर्मा के मजबूत नेतृत्व में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 22 महीने में 5 लाख घरों का निर्माण का काम पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से 4 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद का काम पूरा हो गया है। वहीं, एक अन्य ट्वीट में दास ने सपोर्ट के लिए पीएम और काम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए उससे जड़े सभी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। 22 महीने में 5 लाख मकानों का निर्माण काम पूरा होने के बाद रंजीत कुमार दास आज असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से भी मिलने पहुंचे थे। उन्होंने ट्विटर पर सीएम शर्मा के साथ अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की है। रंजीत कुमार दास ने पिछले साल मई एक कार्यक्रम को -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्र के खिलाफ धरने पर ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 100 दिनों के काम सहित कई योजनाओं के लिए फंड नहीं देने पर केंद्र सरकार के खिलाफ आज से कोलकाता में दो दिवसीय धरने पर बैठी हैं। मुख्यमंत्री, मध्य कोलकाता में स्थित रेड रोड पर डॉ बी आर आंबेडकर की एक प्रतिमा के सामने धरना दे रही हैं। ममता ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार ने मनरेगा और इंदिरा आवास योजना (ग्रामीण) के लिए धन जारी करना बंद कर दिया है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा -शेष पृष्ठ दो पर

भारत आज सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : पीएम मोदी

नई दिल्ली। भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि कई वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है और इससे साबित होता है कि लोकतंत्र अच्छा कर सकता है। समिट फॉर डेमोक्रेसी, 2023 को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि उनकी सरकार की हर पहल भारत के नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से संचालित होती है। उन्होंने कहा कि कई वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत आज सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। यह अपने आप में लोकतंत्र और दुनिया के लिए सबसे अच्छा विज्ञापन है। यह अपने आप में कहता है कि लोकतंत्र अच्छा कर सकता है। मोदी लोकतंत्र शिखर सम्मेलन के दूसरे संस्करण को संबोधित कर रहे थे। इसकी सह-मेजबानी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस रॉबल्स, जाबिया के राष्ट्रपति हाकाइंडे हिचिलेमा, नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल ने की। सम्मेलन का आयोजन दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून-सुक-योल ने किया है। सम्मेलन का उद्देश्य लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह और लचीला बनाना तथा वैश्विक लोकतांत्रिक प्रणाली को नया रूप देने के लिए साझेदारी का वातावरण तैयार करना है। सम्मेलन में मुख्य तीन बिंदुओं पर विचार-विमर्श होगा। ये हैं- लोकतंत्र को मजबूत करना और अधिनायकवाद से बचाना, भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई तथा मानवाधिकारों के प्रति सम्मान। मोदी ने सम्मेलन के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचित नेताओं का विचार दुनिया के बाकी हिस्सों से बहुत पहले प्राचीन भारत में एक आम बात था। उन्होंने कहा कि हमारा महाकाव्य महाभारत नागरिकों के पहले कर्तव्य का वर्णन करता है कि वे अपना नेता चुनते हैं। हमारे पवित्र वेदों में व्यापक आधार वाले सलाहकार निकायों द्वारा राजनीतिक शक्ति का प्रयोग किए जाने की बात कही गई है। प्राचीन भारत में गणतांत्रिक राज्यों -शेष पृष्ठ दो पर

सरकार की आलोचना राष्ट्र विरोधी नहीं : रिजिजू पर वकीलों का मत

नई दिल्ली (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट में वकालत करने वाले तीन सौ से ज्यादा वकीलों ने एक बयान जारी कर केंद्रीय विधि मंत्री किरन रिजिजू के उस बयान की आलोचना की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कुछ रिटायर्ड जज भारत विरोधी गैंग में शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय विधि मंत्री को ये समझना चाहिए कि सरकार की आलोचना करना किसी भी तरह से राष्ट्र विरोधी और भारत विरोधी नहीं है। बयान में कहा गया है कि केंद्रीय विधि मंत्री का ये बयान रिटायर्ड जजों को धमकाने वाला बयान है और ये आम लोगों के लिए एक संदेश है कि असहमति की आवाज को छोड़ा नहीं जाएगा। बयान -शेष पृष्ठ दो पर

जयपुर बम ब्लास्ट का एचसी ने पलटा फैसला

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने वर्ष 2008 में जयपुर के विभिन्न इलाकों में हुए सिलसिलेवार धमाकों के मामले में निचली अदालत का फैसला पलटते हुए चार आरोपियों को बुधवार को बरी कर दिया। शहर की एक अदालत ने इस मामले में चार आरोपियों को 2019 में फांसी की सजा सुनाई थी। इसके साथ ही अदालत ने साक्ष्यों की कड़ियां जोड़ने में *घटिया और कमजोर* जांच के लिए भी जांच एजेंसी को फटकार लगाई। उल्लेखनीय है कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में 13 मई 2008 को शाम 15 मिनट में सिलसिलेवार आठ बम धमाके -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

PUBLIC NOTICE

I, No. 15254977W, Rank-GNR, Name- DIJU LADU, R/O- Vill.- Karaiguri Gaon, P.O- Azarbari, P.S.- Dharamtul, Dist.- Morigaon, Assam That, my brother's correct name is BIKRAM LADU while, in my service record brother's name has been recorded as BIKRAM SENAPATI. Vide affidavit before the Notary Public on Morigaon Assam, 28 March 2023 hereby declared that, BIKRAM LADU and BIKRAM SENAPATI is one and same.

NAME CHANGE

I, MUGUTRAO MANDAKINI SUBHASH, spouse of No. 15433577A Rank- Hav/ORA Name Mugutrao Subhash Manohar, R/o- Vill- Bagpim-palgaon, P.O. & P.S.- Georai, Dist.- Beed, Maharastra-431127, That I have changed my name from MANDAKINI to MUGUTRAO MANDAKINI SUBHASH & my DOB is 05 June 1992 Vide affidavit before the Notary Tezpur, Sonitpur on 23 March 2023.

NAME CHANGE

I, MUGUTRAO KAUSTUBH SUBHASH son of No. 15433577A Rank- Hav/ORA Name Mugutrao Subhash Manohar, R/O- Vill- Bagpimpalgaon, P.O. & P.S.- Georai, Dist.- Beed, Maharastra- 431127, I have changed my name from KAUSTUBH SUBHASH MUGUTRAO to MUGUTRAO KAUSTUBH SUBHASH & my date of birth is 28 March 2017. Vide affidavit before the Notary Tezpur, Sonitpur, on 23/03/2023

NAME & DOB CHANGE

I, MUGUTRAO SOHAM SUBHASH, son of No. 15433577A Rank- Hav/ORA Name Mugutrao Subhash Manohar, R/o- Vill- Bagpim-palgaon, P.O. & P.S.- Georai, Dist.- Beed, Maharastra-431127, That I have changed my name from PRAMOD SUBHASH MUGUTRAO to MUGUTRAO SOHAM SUBHASH & DOB from 07/04/2015 to 07/12/ 2014, Vide affidavit before the Notary Tezpur, Sonitpur, on 23 March 2023

मारवाड़ी सम्मेलन, लंका शाखा के अध्यक्ष को मातृ शोक

होजाई (होसं)। मारवाड़ी सम्मेलन लंका शाखा के अध्यक्ष केदार बजाज की माताश्री सुशीला देवी बजाज (77) के निधन के समाचार से उनके शुभचिंतकों, परिवार के सदस्यों में शोक की लहर छा गई। धर्म परायण, मृदुभाषी, मिलनसर, सबो के दुख-सुख में साथ देने वाली सुशीला देवी का आज अंतिम संस्कार लंका स्थित श्मशान घाट में उनके जेष्ट पुत्र ने अश्रुपूर्ण नेत्रों से उन्हें विदाई दी। वे अपने पीछे दो पुत्र, चार पुत्रियां सहीत भरा पूरा परिवार छोड़ गई है। उनके निधन पर मारवाड़ी पंचायती के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद चौधरी, सचिव सुखराज शर्मा, हरिशंकर टीबरेवाल, बाबूलाल प्रजापत, कुलदीप बोथरा, ताराचंद पटवारी, किशन लाल शर्मा, नेमीचंद कामदर, हुलास शर्मा, मारवाड़ी महिला समिति की अध्यक्ष शशि टीबरेवाल, सचिव रुचि अग्रवाल, निर्मला चौधरी। वही मारवाड़ी सम्मेलन होजाई शाखा के अध्यक्ष प्रदीप कुमार सुरेका, उपाध्यक्ष निरंजन सरावगी, महेश चनानी सहित समाज के विभिन्न लोगों ने दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

राहुल की संसद सदस्यता रद्द होने के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं : भाजपा

गुवाहाटी (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के खिलाफ पार्टी के नेता और कार्यकर्ताओं का देश भर में विरोध प्रदर्शन जारी है। कई विपक्षी राजनीतिक दल भी एकजुट हो गए हैं। विपक्षी नेताओं के साथ कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों ने आज असम विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। काले कपड़े पहने कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों ने बुधवार को रैली निकाली और विधानसभा के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने विधानसभा में चर्चा की मांग की। कांग्रेस के इस विरोध पर सत्तारूढ़ पक्ष के मंत्री जयंत मल्ला बरुवा ने कहा कि गांधी

परिवार का मतलब सर्वोच्च नहीं है। पूर्वी गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक एवं पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने कांग्रेस के कार्यक्रम को दोहरी स्थित करार दिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस लोकतंत्र की रक्षा की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ न्यायपालिका पर भरोसा नहीं है। सिद्धार्थ भट्टाचार्य ने सदन के पटल पर हुई चर्चा का जिक्र करते हुए कहा कि सदन कांग्रेस के हिसाब से नहीं चलेगा। कांग्रेस के विरोध का जवाब देते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है और वह बिना किसी मुद्दे के इस तरह का मुद्दा उठाना चाहती है लेकिन यह एक गैर-जरूरी मुद्दा है। इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस के विधायकों में आरोप-प्रत्यारोप का भी आलम जोरों पर दिखा।

उदालगुड़ी में दो अप्रैल को होगी असम कैबिनेट की बैठक

उदालगुड़ी (हि.स.)। असम के राज्य कैबिनेट की बैठक इस बार दो अप्रैल को उदालगुड़ी जिले में आयोजित की जाएगी। राज्य के विभिन्न हिस्सों में कैबिनेट की बैठक करने के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के फैसले के तहत यह आयोजन हो रहा है। कैबिनेट की बैठक को लेकर जिला प्रशासन ने पहले ही सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। कैबिनेट की बैठक जिले के पानेरी चाय बागान में एक दिवसीय कार्यक्रम के तहत आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री दिन में पानेरी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 700 करोड़ रुपये की कई योजनाओं का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री शाम को कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करेंगे और बैठक के बाद रात में ही गुवाहाटी के लिए प्रस्थान करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष और पानेरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक बिश्वजीत दैमारी ने पानेरी चाय बागान में प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक कर कैबिनेट की तैयारियों की प्रगति का जायजा लिया।

नगरबेड़ा में वन विभाग का जोरदार धड़-पकड़ अभियान

नगरबेड़ा (निसं)। पश्चिम कामरूप के विभिन्न हिस्सों में अवैध लकड़ी, रेत आदि की तस्करी के आकर्षक कारोबार के बीच वन विभाग ने आज बेजी सुती से एक मिट्टी काटने वाले मसीन जब्त किया। बताया जा रहा है कि नगरबेड़ा नदी आरक्षित वन कार्यालय के वन अधिकारी सिद्धार्थ सिंहाकी एक टीम ने नियमित गश्त के दौरान मसीन पकड़ने में कामयाब रहे। जब्दकृत मसीन वाद में नगरबेड़ा नदी संरक्षण वन कार्यालय लाया गया ।यह सफलता से चारों ओर से वन विभाग को धन्यवाद दिया ।लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या विभाग आने वाले दिनों में इस तरह की गतिविधियों में शामिल सभी लोगों को पकड़ पाएगा कि नहीं यह होगा लक्षनीय ।

नदी में डूबने से युवक की मौत

बंगाईगांव (हि.स.)। बंगाईगांव जिला के अभयापुरी के निकट डिमरगुरी आई नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अशोकाष्टमी के उपलक्ष बुधवार की सुबह नदी में स्नान करने के दौरान पांच दोस्तों में से तीन दोस्त नदी के तेज बहाव में बह गए। दो युवक किसी तरह अपनी जान बचाकर नदी से बाहर निकलने में सफल रहे। जबकि, संजीत सरकार नामक युवक नदी में डूब गया।

पूसीरे के खटखटी स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग चालू

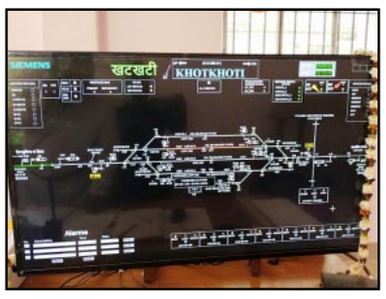

गुवाहाटी (हि.स.)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने लमडिंग मंडल के खटखटी स्टेशन पर 28 मार्च को सीमेंस निर्मित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) कार्य शुरू किया गया। आरडीएसओ से अनुमोदित ईआई ट्रेन संचालन में बेहतर फ्लेक्सिबिलिटी प्रदान करेगा। अनुभाग में संपर्क काटकर और ट्रैफिक ब्लॉक लेकर यह संपूर्ण कार्य चालू किया गया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया है कि सिगनल एवं दूरसंचार, इंजीनियरिंग और बिजली विभागों ने पहले एकजुट होकर यह ईआई किया जाता है। इस कार्य में नए आरबीजी भवन का निर्माण और नए ऑप्टिकल फाइबर संचार उपकरणों को स्थापित करना शामिल था। सिगनलिंग उपकरणों के लिए एकीकृत बिजली आपूर्ति प्रणाली को एक नये विश्वसनीय बिजली आपूर्ति के साथ बदला गया। पीटीजे निर्मित टोकन रहित ब्लॉक इंस्ट्रूमेंट्स को खटखटी- बोकाजान और खटखटी- डिमापुर खंडों के बीच यूनिवर्सल फेल सेफ ब्लॉक इंटरफेस द्वारा प्रतिस्थापित किया गया था। 01 स्वतंत्र और 04 निर्भर नए शंट सिगनल प्रदान किए गए। ईडी के स्थान पर 02 नयी प्वाइंट मशीनें उपलब्ध कराई गई। इस ईआई में 44 रूट कनेक्शन हैं। खटखटी स्टेशन पर ईआई प्रणाली शुरू होने से इस मार्ग पर ट्रेनों की आवाजाही में काफी आसानी होगी और इसके परिणामस्वरूप मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार होगा और मालगाड़ियों की औसत गति में वृद्धि होगी। यह नया इंटरलॉकिंग इस खंड में सुरक्षित और निर्बाध ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

लताशिल मैदान में आज से 2 अप्रैल तक बुनाई प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा गुवाहाटी के लताशिल मैदान में 30 मार्च से 2 अप्रैल तक बुनाई प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी बुधवार को प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष अंगूरलता डेका ने लताशिल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि महिला मोर्चा ने युवा पीढ़ी को बुनाई उद्योग के साथ एकीकृत करने के उद्देश्य से यह पहल की है। उन्होंने बताया कि पहली बार यह बुनाई प्रशिक्षण कार्यशाला लताशिल में आयोजित की जाएगी, जिसमें 20 करघे और 25 बुनकर होंगे। इस प्रशिक्षण से इस बात की झलक मिलेगी कि गामोछा बुनकर करघे में कैसे काम करते हैं। इस प्रशिक्षण अवधि के दौरान 4 दिनों में 200 गामोछा बनाने का विचार है। कार्यशाला का उद्घाटन 30 मार्च को सुबह 8.30 बजे पद्मश्री से सम्मानित हेमप्रभा सुतिया के साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भवेश कलिता करेंगे। उन्होंने

कहा कि असम सरकार हमारे राज्य के बुनकरों के लिए बहुत चिंतित है। डेका ने कहा कि आत्मनिर्भर महिला योजना के माध्यम से बुनकरों को राहत मिल रही है। गुवाहाटी के आसपास के स्कूलों और कॉलेजों के छात्र इस कार्यशाला में भाग लेंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हम सभी को गामोछा के बारे में एकजुट होकर चिंता करनी चाहिए। बाजार में पावरलूम गामोछा के बारे में बात करते हुए डेका ने कहा कि इस तरह के काम को एक दिन में नहीं रोका जा सकता है, प्रयास किए जा रहे हैं, हम सभी को उस प्रयास में हिस्सा लेना चाहिए।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

त्याग सकल जग यों करें, सब प्रभु का मम नाहिं।
मैं भी प्रभु का जनन में, सो प्रभु वस मम माहिं॥ 03॥

शब्दार्थ : (मम) मेरा (बस) निवास।

भाष्य : मेरा सब कुछ प्रभु का है, मेरा नहीं और वह प्रभु मेरे हृदय में बस रहे हैं। में ऊस प्रभु का जन हूं। इस प्रकार समस्त संसार का त्याग गृहस्थ संत करते हैं।

बाहर भीतर त्याग है, सो विरक्त मम सन्त।
गृहस्थ त्याग अन्तर करें, बाहर संग्रह पन्त॥ 04॥

शब्दार्थ : (संग्रह) संचय, बटोरना (पन्त) स्वामी।

भाष्य : जिनका बाहर और भीतर से त्याग है, वे मेरे विरक्त संत हैं। गृहस्थाश्रमी संत अंतर से त्याग करते हैं और बाहर संग्रह रख उसके स्वामी होते हैं।

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री के बोलते ...

संविधान की रक्षा के लिए सदन में चर्चा होनी चाहिए। इसके बाद जैसे ही मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा बोलने के लिए उठे, कांग्रेस विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष के हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पता है कि कल की सीएलपी में यह प्रस्ताव लिया गया था कि सदन में हंगामा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जब बोल रहे थे तो मैं चुप था। अगर आप तय करके आए हैं कि आप हंगामा करेंगे तो करें, या बैठ जाएं। इसके बाद कांग्रेस विधायकों ने *राहुल गांधी जिंदाबाद* के नारे वाली तख्तियां दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, सत्तारूढ़ दल के मंत्रियों और विधायकों ने *भारत माता की जय* के नारे लगाए। विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने सदन में हंगामा होने से रोका और कहा कि सदन में कोई आंदोलन नहीं होगा। सदन में कोई पोस्टर नहीं दिखा जाएगा। लेकिन अध्यक्ष की बातों को नजरअंदाज करते हुए हंगामा जारी रहा। नतीजतन, विस अध्यक्ष को सदन को 15 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा।

अगर कोर्ट मुझे ...

सुनाया था। कोर्ट ने उन्हें धारा 504 के तहत दो साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, कोर्ट ने फैसले पर अमल के लिए 30 दिन की मोहलत दे दी। इसके साथ ही उन्हें तुरंत जमानत भी दे दी थी। दरअसल, 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान कर्नाटक के कोलार की एक रैली में राहुल गांधी ने कहा था कि कैसे सभी चोरों का उपनाम मोदी है? इसी को लेकर भाजपा विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था। उनका आरोप था कि राहुल ने अपनी इस टिप्पणी से समूचे मोदी समुदाय की मानहानि की है। राहुल के खिलाफ आईपीसी की धारा 499 और 500 (मानहानि) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

तीस हजार से अधिक ...

सूचना प्रौद्योगिकी (जनता के लिए सूचना की पहुंच को अवरुद्ध करने के लिए प्रक्रिया और सुरक्षा उपाय) नियम, 2009 में परिकल्पित उचित प्रक्रिया का पालन करती है। 2018 से 15 मार्च 2023 तक 30,310 यूआरएल को ब्लॉक करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें सोशल मीडिया यूआरएल, खाते, चैनल, पेज, ऐप, वेब पेज, वेबसाइट आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम, 2000 की धारा 69ए, संप्रभुता और अखंडता, भारत की रक्षा, राज्य की सुरक्षा, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों या सार्वजनिक व्यवस्था या उकसाने के हित में ऐसा करने के लिए आवश्यक या समीचीन होने पर सरकार को सूचना तक पहुंच को अवरुद्ध करने के लिए निर्देश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है।

धर्म को राजनीति...

की थी। जस्टिस केएम जोसफ ने कहा था कि यह 21वीं सदी है। हम धर्म के नाम पर कहां आ पहुंचे हैं? हमें एक धर्मनिरपेक्ष और सहिष्णु समाज होना चाहिए, लेकिन आज घृणा का माहौल है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा था कि सामाजिक तानाबाना बिखरा जा रहा है। हमने ईश्वर को कितना छोटा कर दिया है। उसके नाम पर विवाद हो रहे हैं।

डोभाल की पाक...

अभिव्यक्तियों में और इसका वित्तपोषण अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है। आतंकवाद का कोई भी कार्य, चाहे उसकी प्रेरणा कुछ भी हो, अनुचित है। अजीत डोभाल ने बैठक में उनके निमंत्रण को स्वीकार करने के लिए शीर्ष प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया और कहा कि अधिकारियों की भागीदारी न केवल चर्चाओं को समृद्ध करेगी, बल्कि कुछ महीनों में एक सफल शिखर सम्मेलन के लिए जमीन भी तैयार करेगी। सदस्य देशों के बीच कनेक्टिविटी के बारे में उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक प्रमुख प्राथमिकता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि हम क्षेत्र में निवेश और कनेक्टिविटी के निर्माण में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इस तरह की पहल सुनिश्चित करने के लिए कनेक्टिविटी का विस्तार करना भी महत्वपूर्ण है। डोभाल ने यह भी रेखांकित किया कि भारत की विदेश नीति इन्हीं सिद्धांतों पर आधारित है और *हर संभव तरीके से हमारी प्रतिबद्धता* को दर्शाती है। उन्होंने बैठक के दौरान चाबहार बंदरगाह के मुद्दे को भी उठाया। डोभाल ने यह भी कहा कि भारत अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने और आईएनएसटीसी के ढांचे के भीतर बंदरगाह को शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भारत जून 17 में एससीओ का सदस्य बना था, लेकिन एससीओ देशों के साथ हमारे संबंध कई सदियों पुराने हैं। बता दें कि शंघाई सहयोग संगठन 2001 में स्थापित एक अंतर-सरकारी संगठन है और इसमें आठ सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के नाम हैं- भारत, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान। पिछले साल भारत ने 2023 के लिए शंघाई सहयोग संगठन की अध्यक्षता ग्रहण की।

फेक न्यूज बड़ी ...

की अहम भूमिका है। भारत ने हमेशा दुनिया को शांति और भाईचारे का संदेश दिया है। संपूर्ण मानवता के लिए सांस्कृतिक संदेशों के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर को फैलाना एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां हम बड़ा बदलाव ला सकते हैं। राष्ट्रपति के अनुसार स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सही जानकारी ऑक्सीजन का काम करती है। तकनीक का सही प्रयोग कर हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक सही जानकारी पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सामने एक और चुनौती ये है कि नई तकनीकों का उपयोग वे लोग भी करेंगे, जो फेक न्यूज का व्यापार करते हैं। अधिकारियों को इस तरह के दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए अच्छी तरह से तैयार होना चाहिए और गलत सूचनाओं के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी नवीनतम तकनीकों का भी लाभ उठाया जाना चाहिए। मुर्मू ने कहा कि सूचनाओं का प्रसार करते समय समग्र दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास करना चाहिए। आप महसूस करेंगे कि प्रत्येक सिस्टम अपनी तकनीकी शब्दावली विकसित करता है, जिसे आम लोगों द्वारा आसानी से नहीं समझा जा सकता। यहीं पर आईआईएस अधिकारियों का काम महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को लोगों द्वारा समझी जाने वाली भाषा और उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले माध्यम से संवाद करने और सूचित करने में सक्षम होना चाहिए।

मेघालय : सोहियंग विस...

सीट के साथ ही अलावा पंजाब, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में रिक्त संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों के भी उपचुनाव कराने घोषणा की। चुनाव आयोग ने इन उपचुनाव के साथ ही कर्नाटक विधानसभा के आम चुनाव भी 10 मई को कराने की घोषणा कर दी है। दरअसल, मेघालय के पूर्व गृह मंत्री और सोहियंग विधानसभा क्षेत्र के यूडीपी उम्मीदवार एचडीआर लिंगदोह का 20 फरवरी को चुनाव के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। जिसके बाद सोहियोंग सीट पर चुनाव रद्द कर दिया गया था। माहे नाम से परिचित डॉ. एचडीआर लिंगदोह था। वह मुकुल सांग्मा के नेतृत्व वाली कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में गृह मंत्री थे। वह पहली बार वर्ष 1988 में हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में सोहियंग विधानसभा क्षेत्र से चुने गए थे। वर्ष 1998 तक वे लगातार उस विधानसभा सीट से जीते। वह वर्ष 1998 के विधानसभा चुनाव में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) के आरए लिंगदोह से हार गए थे। हालांकि, वर्ष 1999 में उन्हें कांग्रेस के टिकट पर सोहियंग-नोंगस्पंग निर्वाचन क्षेत्र से एमडीसी के रूप में चुना गया था। बाद में वर्ष 2003 के विधानसभा चुनाव में सहियंग से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर यूडीपी के आरए लिंगदोह से सोहियंग सीट वापस जीत ली।

असम : 22 महीने ...

संबोधित करते हुए कहा था कि राज्य के पांच लाख लोगों को जल्द ही प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत आवास का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार की ओर से 2021-22 के लिए सात लाख आवास एलॉट हुए हैं। बता दें कि असम में पिछले 7 सालों से भाजपा की अगुवाई वाली सरकार है और हिमंत विश्व शर्मा 2021 से राज्य के मुख्यमंत्री हैं। 16 मार्च को उन्होंने अपनी सरकार का 2023-24 के लिए 3.22 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बजट में सरकार ने यह भी बताया था कि वो राज्य में युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने के लिए 5000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

केंद्र के खिलाफ ...

था कि केंद्र ने ओबीसी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति भी बंद कर दी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा था कि हमारा मानना है कि इसका कारण ईर्ष्या या राजनीति हो सकती है। वहीं, ममता के इस घरणा पर भाजपा ने पलटवार किया है। पश्चिम बंगाल के भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि ममता बनर्जी झूठी हैं। उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार ने केंद्र सरकार का पैसा लूटा है। इन्होंने जनता का पैसा लूटा है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि गरीबों के लिए भेजा गया पैसा लूट लिया गया। उसका हिसाब दो। आप उसके लिए हिसाब नहीं देते, बल्कि पैसे मांगते हैं। ऐसा नहीं किया जा सकता। किसी अन्य गैर-भाजपा शासित राज्य को कोई समस्या नहीं है। पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि सीएम ममता झूठ बोल रही हैं और लोगों को गुमराह कर रही हैं। भाजपा नेता ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा भेदभाव का आरोप लगाते हुए दावा कर रही है कि केंद्र द्वारा एकत्र किया गया कर राज्य में वापस नहीं आता है और उसने जीएसटी का समर्थन करके गलती की है। सच तो यह है कि सेंट्रल फंडिंग हमेशा पश्चिम बंगाल के अपने रेवेन्यू से ज्यादा रही है। इसके साथ ही उन्होंने एक कागज भी साझा किया है। आपको बता दें कि 2024 चुनाव तो लेकर राजनीति जबरदस्त तरीके से जारी है। इसके अलावा राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य करार दिए जाने को लेकर भी विपक्ष मोदी सरकार पर हमलावर है।

भारत आज सबसे ...

के कई ऐतिहासिक प्रमाण भी हैं जहां शासक वंशानुगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि भारत वास्तव में लोकतंत्र की जननी है। लोकतंत्र सिर्फ एक संरचना नहीं है, यह एक भावना भी है। यह इस विश्वास पर आधारित है कि हर इंसान की जरूरतें और आकांक्षाएं समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। यही कारण है कि भारत में हमारा मार्गदर्शक दर्शन *सबका साथ, सबका विकास* है, जिसका अर्थ है समावेशी विकास के लिए मिलकर प्रयास करना। उन्होंने कहा कि चाहे जीवनशैली में बदलाव के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से लड़ने का भारत का प्रयास हो, वितरित भंडारण के माध्यम से जल संरक्षण हो या सभी को स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन प्रदान करना हो, हर पहल यहां के नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से संचालित होती है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान, भारत की प्रतिक्रिया लोगों द्वारा संचालित थी। मोदी ने कहा कि देश की *टीका मैत्री* पहल *वसुधैव कुटुंबकम* के मंत्र से भी निर्देशित है, जिसका अर्थ है एक धरती, एक परिवार और एक भविष्य।

जयपुर बम ब्लास्ट ...

हुए थे। इन धमाकों में कम से कम 71 लोगों की मौत हुई थी और 180 से अधिक घायल हुए थे। राजस्थान की एक विशेष अदालत ने 18 दिसंबर 2019 को इस मामले में आरोपी मोहम्मद सरवर आजमी, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सलमान और सैफुर्रहमान को दोषी माना जबकि शाहबाज हुसैन को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त करार दिया। राज्य सरकार ने शाहबाज हुसैन को बरी किए जाने के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। वहीं, चारों ने सजा के खिलाफ अपील दायर की थी। न्यायमूर्ति पंकज भंडारी और न्यायमूर्ति समीर जैन की खंडपीठ ने बुधवार को चारों को बरी करने का फैसला सुनाया। अदालत ने अपने आदेश में निचली अदालत द्वारा पांचवें व्यक्ति- शाहबाज हुसैन को बरी करने की भी पुष्टि की। राजस्थान की राजधानी जयपुर में 13 मई 2008 को शाम लगभग सवा सात बजे 15 मिनट में सिलसिलेवार आठ बम धमाके हुए थे। लगभग 11 साल पहले हुए इन आठ सिलसिलेवार बम धमाकों ने जयपुर के परकोटे शहर को हिला दिया था। इन धमाकों में कम से कम 71 लोगों की मौत हुई थी और 180 से अधिक लोग घायल हुए थे। पहला धमाका चांदपोल हनुमान मंदिर और उसके बाद दूसरा सांगानेरी गेट हनुमान मंदिर पर हुआ था। इसके बाद बड़ी चौपड़, जोहरी बाजार, छोटी चौपड़ और तीन अन्य स्थानों पर धमाके हुए थे। बम धमाके के बाद राज्य सरकार की सिफारिश पर उच्च न्यायायल ने मामले की सुनवाई के लिए विशेष अदालत गठित की थी।

सरकार की आलोचना ...

में इन वकीलों ने कहा है कि सरकार की आलोचना करने वाले उतने ही देशभक्त हैं जितना सरकार में बैठे लोग। सरकार की कमियों को गिनाने वाले अपने मौलिक अधिकार का उपयोग कर रहे हैं। वकीलों के बयान में कहा गया है कि केंद्रीय विधि मंत्री का ये बयान उनके पद के मुताबिक शोभा नहीं देता है। बयान में लोकसभा में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान की याद दिलाई गई है, जिसमें कहा गया है कि सरकारों पर कठिन सवाल उठाने चाहिए। इन्हीं सवालों से सरकार सावधान और जवाबदेह बनी है।

वंदे भारत पर पत्थर ...

बीते कुछ समय से वंदे भारट ट्रेनों पर लगातार पत्थर फेंके जाने की घटना सामने आई है, इसलिए इस पर नकेल कसने के लिए इस सजा का एलान किया गया है। इस दौरान एससीआर ने कई जगहों की घटनाओं का जिक्र किया। साउथ सेंट्रल रेलवे ने कहा कि इस साल जनवरी से अभी तक इस तरह की नौ घटनाएं हुई हैं। बता दें कि वंदे भारत ट्रेनों का चलना 2019 से शुरू हुआ था। इसके बाद से तेलंगाना, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में वंदे भारत ट्रेनों पर पत्थर फेंकने की घटना सामने आई है। एससीआर ने बताया कि वंदे भारत ट्रेनों पर पत्थर फेंकना एक किस्म का अपराध है। अंजाम देने वालों के खिलाफ रेलवे एक्ट के सेक्शन 153 के तहत कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत अपराधियों को 5 साल जेल की सजा हो सकती है। साउथ सेंट्रल रेलवे ने आगे कहा कि आरपीएफ ने अब तक 39 लोगों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने वंदे भारत ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटना को अंजाम दिया है। इस महीने में 11 मार्च को हावड़ा से जलपाईगुड़ी जाने वाली वंदे भारत ट्रेन पर पत्थर फेंका गया था। इस दौरान ट्रेन का शीशा टूट गया था।

के अरुल जोथी ...

उपकरण और रेलवे इमारत एवं स्टेशन परिसर, बुकिंग कार्यालय, प्रशासनिक मुख्यालय आदि जैसे पूसीरे के क्षेत्राधिकार अर्थात सिक्किम सहित सभी पूर्वोत्तर राज्य और पश्चिम बंगाल एवं बिहार के कुछ हिस्सों के अधीन संरचनाओं के सुरक्षा संरक्षक होंगे। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया कि के अरुल जोथी ने गत 24 मार्च को अपना पदभार संभाला था। जोथी को कई जोनल रेलवे में फील्ड कार्य करने का व्यापक अनुभव है। उन्होंने मुगलसराय, दानापुर, मालदा, सियालदह और सिकंदराबाद जैसे कई संवेदनशील इलाकों में अपनी सेवा दी है। इससे पहले वर्ष 2017-2019 में वे पूसीरे के उप महानिरीक्षक सह मुख्य सुरक्षा आयुक्त पद पर अपनी सेवा दे चुके हैं। पूसीरे के आईजी-सह-पीसीएससी के रूप में पदस्थापित होने से पहले, वे येलहंका, बेंगलुरु स्थित रेल व्हील फैक्ट्री के आईजी-सह-पीसीएससी के रूप में नियुक्त हुए थे।

जिलावार जांच एवं निगरानी समिति की बैठक संपन्न

अपात्रों के खिलाफ सख्ती बरतने का निर्णय

गुवाहाटी (हि.स.)। कामरूप (मेट्रो) जिले के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग की जिलावार जांच और निगरानी समिति की बैठक बुधवार को जिला उपायुक्त कार्यालय में आयोजित की गई। अतिरिक्त उपायुक्त विक्रम छेत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले में विभाग के कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में कामरूप (मेट्र) जिले के विधानसभा क्षेत्रों के विधायकों के प्रतिनिधियों, जिला परिषद सदस्यों और आंचलिक पंचायत अध्यक्षों ने भाग लिया। बैठक में खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग, कामरूप (मेट्रो) जिला के उप निदेशक बिपुल चंद्र तालुकदार ने विभाग को काम की पावर प्रजेंटेशन के जरिए जानकारी दी। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने नए हितग्राहियों के चयन, चावल वितरण आदि में आ रही दिक्कतों और कैरोन हटाने पर सुझाव दिए। अतिरिक्त उपायुक्त छेत्री ने अप्रैल तक ग्राम पंचायत सहकारी समिति स्तर पर जांच एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित कर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ उठा रहे अपात्र लाभार्थियों के मुद्दे पर चर्चा करने की सलाह दी। अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी खाद्य निरीक्षकों को जनता के प्रति जिम्मेदारी से कार्य करने और उचित मूल्य के सामान के दुकानदारों पर लगाए गए आरोपों की गंभीरता से जांच करने के लिए भी कहा। बैठक में भारतीय खाद्य निगम सहित विभिन्न विभागों और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मारवाड़ी अस्पताल में पहली पल्मोनरी एंजियो का प्रदर्शन

गुवाहाटी (नसं)। मारवाड़ी अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग ने अपनी सीटी स्कैन मशीन में अपना पहला पल्मोनरी एंजियो किया। मरीज को जीएमसीएच से रेफर किया गया था और शुरू में एक कॉर्पोरेट अस्पताल में ले जाया गया। जहां जांच का शुल्क 100 रुपये था। उसके बाद दोपहर 12 बजे के करीब इमरजेंसी में मरीज मारवाड़ी अस्पताल आया। मरीज खांसी में खून आने की शिकायत लेकर आया था।बाद में मरीज की जांच की गई और बेहद मामूली दर पर जांच की गई। मारवाड़ी अस्पतालों में पल्मोनरी एंजियो जांच चौबीस घंटे की जाती है।रोगी अस्पताल में किसी भी समय इस लाभ का लाभ उठाने के लिए आ सकते हैं। एंजियोग्राम रक्त वाहिकाओं की एक्स-रे छवि है। इसे धमनीग्राम भी कहा जाता है। यह उन रक्त वाहिकाओं को देखने के लिए किया जाता है जिनमें समस्या है। फुफ्फुसीय एंजियोग्राम फेफड़ों की रक्त वाहिकाओं का एंजियोग्राम है। यह प्रक्रिया शरीर की रक्त वाहिकाओं में इंजेक्ट किए गए एक विशेष कंट्रास्ट डाई के साथ की जाती है। यह कमर या बांह में किया जाता है। डाई एक्स-रे पर दिखाई देती है। इस परीक्षण के दौरान अक्सर फ्लोरोस्कोपी का उपयोग किया जाता है। यह एक एक्स-रे मूवी की तरह है। यह आपके स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को उन वाहिकाओं को स्पष्ट रूप से देखने देता है जो फेफड़ों से रक्त भेजती हैं।

कोचुमारा में भूमि विवाद को लेकर मारपीट में दो की मौत, 10 घायल

नागरबेड़ा। बारपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के कोचुमारा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव में आज जमीन से संबंधित संघर्ष में दो लोगों की मौत हो गई। जमीन विवाद को लेकर इलाके में काफी तनाव है। खबरों के मुताबिक, जमीन विवाद को लेकर उसी गांव के दो फैद बिलाल हुसैन और आजीजुल हक के बीच जमकर मारपीट हुई। भूमि केंद्रित संघर्ष के मद्देनजर दोनों पक्षों की तीखी पिटाई में आजीजुल हक, जाकिर हुसैन मारे गए और 10 अन्य घायलों की खबर है। पता चला है कि आजीजुल हक नाम के शख्स को धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई है। आजीजुल हक कथित तौर पर लखीपुर लाट के ग्राम प्रधान थे। उधर, गंभीर रूप से घायल जाकिर हुसैन को उन्नत इलाज के लिए जीएमसी ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हत्या करने का आरोप बिलाल हुसैन के फैद पर लगा है। दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। खबरों अनुसार बताया कि घायलों का इलाज शोनतली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। गंभीर रूप से घायलों को डॉ. ने उन्नत चिकित्सा के लिए जीएमसीएच में भेजा गया। दोनों पक्षों के घायलों में से जाकिर हुसैन, जमाल बादशाह, रहीज उद्दीन, तारेक अली, समाद अली, अजहर अली, समेज अली, नछेर अली, बुदुस अली, रुपभान है। जमीन विवाद संघर्ष को लेकर चारों ओर सनसनी फैला है।

रनदिया शतदल साहित्य सभा की साधारण बैठक आयोजित

रंगिया (निसं)। रनदिया शतदल साहित्य सभा के प्रथम कार्यकाल की अंतिम साधारण बैठक एवं आगामी वर्ष 2023-25 के लिए पदाधिकारी चुनाव बैठक का आयोजन सोमवार को किया गया। रंगिया के हरिजन बारोवारी प्राथमिक विद्यालय में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष प्रतुल भुइयां ने की वहीं सचिव हेमंत कलिता ने पिछले सत्र का प्रतिवेदन पढ़ा और हिसाब परीक्षक उज्ज्वल डेका ने विगत सत्र के आय- व्यय का ब्योरा पेश किया। कामरूप जिला साहित्य सभा के मुख्य सांगठनिक सचिव चक्रधर चौधरी की देखरेख में आगामी 2023-25 के कार्यकाल के लिए जयंतजीत कलिता को अध्यक्ष और दूसरे कार्यकाल के लिए हेमंत कलिता को सचिव का दायित्व देते हुए एक शक्तिशाली कार्यकारिणी समिति का गठन किया। बैठक के दौरान निपन भुइयां, पंकज पल्लव शर्मा, विपुल काकोती, पंकज कुमार शर्मा, द्विजेन दास, जतिन चंद्र डेका, फारूक हुसैन, नवकुमार डेका, नवीन चंद्र दास, प्रांजल कलिता, द्विपेश दास, रूनुमी दत्ता डेका और शाखा के कई अन्य आजीवन सदस्य भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा में भाग लिया। कामरूप जिला साहित्य सभा के कार्यकारी सदस्य करुणा कांत डेका सहयोगी पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित मुकुल भुइयां, प्रदीप शर्मा, नासिउर रहमान, सैय्यद मुस्तफा अहमद, विपुल तालुकदार, सैय्यद मजहरुल इस्लाम, पार्थ प्रतिम शर्मा, भास्कर कलिता, मामनी लहकर, मनालिसा गोस्वामी, सविता बर्मन मजूमदार, खाईरुल इस्लाम, ध्रुवज्योति कलिता, मिंटू कलिता, संजय कुमार डेका सहित बहुत से गणमान्य लोगों ने बैठक में भाग लिया।

नकली सोना के साथ एक गिरफ्तार

चिरांग (हि.स.)। चिरांग जिला के बिजनी इलाके से पुलिस ने बैंक में नकली सोना जमा करवाने की कोशिश करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को बिजनी स्थित एक्सिस बैंक में नकली सोना लेकर मनोजीत कर्मकार (26) नामक युवक दोपहर को पहुंचा था। धेमाजी के मनोजित कर्मकार 9 लाख 60 हजार रुपए गोल्ड लोन लेने के लिए पहुंचा था। कर्मकार द्वारा बैंक में जमा कराए गये सोना की जब जांच की गई तो पता चला की सोना नकली है। बैंक प्रबंधक की शिकायत के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित के पास से पुलिस ने नकली सोना के 5 जेन, 5 होल मार्क की कानफुली, एक जापी माला, एक अंगूठी, दो लॉकेट आदि जब्त किया गया है। बैंक प्रबंधक द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नैसकॉम फाउंडेशन और डी.एक्स.सी टेक्नॉलॉजी की साझेदारी, बेहतर आजीविका के लिए असम में 800 युवाओं को सशक्त बनाएंगे

गुवाहाटी। नैसकॉम फाउंडेशन द्वारा डी.एक्स.सी टेक्नॉलॉजी ने भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कौशल अंतर को दूर करने और डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया है। इस साझेदारी का उद्देश्य युवाओं को प्रौद्योगिकी के दोहन और विस्तार के अवसर प्रदान करना है, जिससे उनके रोजगार की संभावनाएं बढ़ें। इस पहल के हिस्से के रूप में, असम में 800 से अधिक छात्र तकनीकी और गैर-तकनीकी कौशल दोनों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, जिससे वे आधुनिक नौकरी बाजार की मांगों को पूरा करने में सक्षम होंगे। नैसकॉम फाउंडेशन की सीईओ निधि भसीन ने बताया, हम यह यकीन करते हैं की एक डिजिटली सक्षम समाज और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था हासिल करने के दो मुख्य रास्ते हैं - डिजिटल साक्षरता को बढावा देना और शहरी और ग्रामीण युवाओं को मिलने वाले अवसरों की असामनता को दूर करना जिसकी वजह से देश का अधिकांश युवा पिछड़े रहा है। नैसकॉम फाउंडेशन, डी.एक्स.सी टेक्नॉलॉजी के साथ मिलकर इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है, जिससे देश के सुदूर गांव में बसे पिछड़े समाज को हम टेक्नोलॉजी प्रदान कर सकें। अपने प्रयासों को एकत्रित करके हम अपने डिजिटल इकोसिस्टम की पहुंच को बढ़ाना चाहते हैं ताकि कोई भी पीछे न रहे। लोकेन्द्र सेठी, वाईस प्रेसिडेंट और इंडिया एचआर लीड, डी.एक्स.सी टेक्नॉलॉजी ने कहा कि, डी.एक्स.सी टेक्नॉलॉजी में हम अपनी सामाजिक जवाबदारी को समझते हैं और अपने समाज की रीढ़ को मजबूत बनाने के लिए युवाओं को सही प्रशिक्षण और उनके कौशल विकास करने के लक्ष्य के प्रति सजग हैं। आज के डिजिटल युग में, तकनिकी ज्ञान प्रदान करने और समाज को जरूरी कौशल देने से, खासतौर पर उन्हें जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, हम भारत के भविष्य को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नैसकॉम फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाकर हम धीरे-धीरे अपने लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ रहे हैं, और इस यात्रा का हिस्सा बनने पर हमें गर्व है। युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों के तहत उन्हें जावा/पाइथन जैसी लैंग्वेज भी सिखाई जाएंगी जिससे वो अपने भविष्य में इसका उपयोग कर सकें। इस कार्यक्रम के तहत युवाओं को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग भी दी जाएगी जिससे कि वो आगे चलकर आसानी से नौकरी प्राप्त कर सकते हैं और बदलती जरूरतों के अनुसार खुद को तैयार कर सकते हैं। साथ ही इस पहल में सफल प्रतिभागियों को नौकरी के भी अवसर प्रदान किए जाएंगे, और यह सुनिश्चित किया जाएगा की कोर्स खत्म होने के बाद वे खुद अपने लिए उचित नौकरी तलाश कर सकें। यह योजना नैसकॉम फाउंडेशन और डी.एक्स.सी टेक्नॉलॉजी के वंचित समुदायों और समाज के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की विचारधारा के अनुरूप है। डिजिटल इंडिया विजन के अनुरूप, लक्ष्य समुदायों में आर्थिक वृद्धि और विकास को बढ़ावा देना है। यह पहल भारत के आकांक्षी जिला कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए पिछले साल घोषित दोनों संगठनों के बीच एक बड़े सहयोग का हिस्सा है, जो तकनीकी रूप से सशक्त समाज को आकार देने में योगदान देता है।

बाफना कृत्रिम अंग-कैलीपर केंद्र के स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

गुवाहाटी (निसं)। पुण्य कभी छोटा या बड़ा नहीं होता। सेवा का छोटा काम अगर मन से किया जाता है तो उसका भी बड़ा फल मिलता है। समग्र उत्तर-पूर्वी भारत को विकलांगता के अभिशाप से मुक्त करने के महान उद्देश्य से विशिष्ट समाजसेवी शुभकरण बाफना द्वारा गुवाहाटी के अमीनगांव इलाके में स्थापित तोलाराम बाफना कृत्रिम पैर व केलिपर केंद्र के 32वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए असम के राज्यपाल गुलाबसिंह कटारिया ने उक्त उद्गार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अगर आप अपने मकान की छत पर पानी का बर्तन रखते हैं तो उसमें से एक चोंच पानी पीकर तृप्त हुई चिड़िया भी जी भरकर आशीर्वाद देती है। उन्होंने कहा कि सांप जहरीला होता है, लेकिन अगर उसकी भी सेवा की जाए तो वह काफी मददगार साबित हो सकता है। इसलिए हर मनुष्य को जीवन में कुछ न कुछ सेवा का काम जरूर करना चाहिए। शुभकरण बाफना द्वारा कृत्रिम जयपुरी पैर प्रत्यारोपण केंद्र की स्थापना की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आपके पिता स्व. तोलाराम बाफना भी इस बात के लिए श्रद्धा के पात्र हैं, जो उन्होंने आपको सेवा के संस्कार दिये। अगर हर मां-बाप अपने बच्चों को तोलाराम सरीखे संस्कार दें तो हमारा समाज काफी विकसित हो सकता है। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि जिसके शरीर में पीड़ा होती है, उसकी आत्मा ही जानती है कि वह कितने कष्ट में जीवन व्यतीत कर रहा है। दिव्यांग व्यक्तियों को जितनी शारीरिक पीड़ा होती है, उससे ज्यादा उन्हें विकलांग कहकर तिरस्कृत करने से कई गुणा मानसिक पीड़ा होती थी। प्रधानमंत्री ने शारीरिक रुप से अक्षम लोगों को विकलांग के बजाय दिव्यांग कहकर संबोधित करने का आह्वान कर उन्हें मानसिक विकलांगता से छुटकारा दिला दिया। शुभकरण बाफना ने दुर्भाग्य से अपने पांव गंवाने वाले लोगों को शारीरिक विकलांगता के अभिशाप से मुक्त करने के लिए अत्याधुनिक जयपुरी पैर प्रत्यारोपण का स्थाई वर्कशॉप ही लगा दिया। यह मेरा भी सौभाग्य है कि असम के राज्यपाल का पद संभालने के बाद मुझे बाफना केंद्र सरोखे सेवाभावी अनुष्ठान के कार्यक्रम में

प्रथम शामिल होने का मौका मिला। राज्यपाल ने आगे कहा कि धन-दौलत से आदमी बड़ा नहीं होता, सेवा के कार्य करने वाला ही बड़ा होता है। इसलिए हमें जीवन में कुछ न कुछ सेवा के कार्य जरूर करने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन बाफना केंद्र के प्रचार सचिव राजकुमार झांझरी ने किया। कार्यक्रम के पूर्व राज्यपाल ने केंद्र में उपस्थित दिव्यांगों से विचार-विमर्श कर उनकी दु:ख तकलीफों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में उपस्थित कामरुप जिला उपायुक्त कीर्ति जोल्ली ने कहा कि शुभकरण बाफना ने अमीनगांव को चिकित्सा का हब बनाने में जो योगदान दिया है, उसकी जितनी तारीफ की जाये, कम है। उन्होंने कहा कि बाफना की सेवा भावना से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। बाफना केंद्र के संचालक शुभकरण बाफना ने केंद्र की स्थापना के प्रारंभिक दौर के संघर्षों का जिक्र करते हुए अपने संबोधन में कहा कि एक संगठन द्वारा गुवाहाटी में आयोजित कृत्रिम पैर व कैलिपर शिविर का मुआयना करने के बाद मुझे यह सोचकर चिंता हुई कि कृत्रिम पैर प्रत्यारोपण करवाने वाले लोगों के लिए हर दो-चार साल में जयपुर जाकर कृत्रिम पैर प्रत्यारोपित करवाना अथवा उसकी मरम्मत करवाना कतई संभव नहीं। इसलिए एक स्थाई केंद्र की गुवाहाटी में ही स्थापना करना अत्यंत जरूरी है। चूंकि हमारे पास तकनीकि व अन्य किसी प्रकार की जानकारी नहीं थी, इसलिए हमने जयपुर से अत्यधिक वेतन देकर तकनीशियनों को बुलवाकर केंद्र की स्थापना की और बाद में स्थानीय युवकों को कृत्रिम पैर निर्माण की तकनीक का प्रशिक्षण दिया। तभी से यह केंद्र पूर्वांचल के लोगों की सेवा कर रहा है। बाफना ने कहा कि केंद्र द्वारा अब तक 10224 दिव्यांगों को अत्याधुनिक कृत्रिम जयपुरी पैर नि:शुल्क प्रत्यारोपित किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में कृत्रिम पैर प्रत्यारोपण करवाने वाले नलवाड़ी निवासी वशिष्ठ डेका तथा कुकुरमारा के प्रमोद दास ने शुभकरण बाफना की सेवा भावना की भूरी-भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें यहां आकर सेवा के साथ ही जो प्रेम मिलता है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। केंद्र में कृत्रिम पैर प्रत्यारोपण करवाने वाली कनकलता बेजबरुवा ने बिहू नृत्य कर सभी का मन मोह लिया। राजकुमार झांझरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

घोड़ामाड़ी में 29 अप्रैल से पहला गौकुंभ

गुवाहाटी (नसं)। शोणितपुर जिले के घोड़मारी में आगामी 29-30 अप्रैल को आयोजित होने वाले भारत के पहले गौकुंभ को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। समिति के सभी सदस्य आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरे मनोयोग से लगे हुए हैं। आयोजन समिति के चैयरमैन जुगल डागा और मंत्री निलेश अग्रवाल ने बताया कि आयोजन स्थल महर्षि सदाफलदेव आश्रम परिसर की भूमि के समतलीकरण का काम पूरे जोरो पर है। समिति के जीतू बोरा की देखरेख में काम चल रहा है। वहीं गुवाहाटी में महाकुंभ समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र गोयल ने बताया कि समिति के सभी सदस्य जनसंपर्क के काम में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि समाजसेवी विजय गुप्ता एवं जुगल किशोर पांडे मुख्यमंत्री सहित अन्य नेता-मंत्रियों के साथ संपर्क बनाए हुए हैं। गोयल ने बताया कि कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय पशुपालन मंत्री परषोत्तम रुपाला सहित कई गणमान्य लोगों के भाग लेने की बात है। समिति की ओर से प्रेम झंवर ने बताया कि गौशाला के मुख्य दानदाता समाजसेवी द्वय कैलाश लोहिया एवं रतन शर्मा कार्यक्रम के मुख्य यजमान होंगे। उन्होंने कहा कि जानकी नवमी के पावन दिन आयोजित होने वाले इस गौकुंभ में विहंगम योग के आचार्य सदगुरु स्वतंत्रदेवजी महाराज सहित कई संत-मनीषीगण भाग लेंगे। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष नारायण खाखोलिया ने बताया कि समाजसेवी आनंद पोद्दार सहित विभिन्न लोगों ने गौशाला के लिए आगे बढ़कर गौदान किया है। उन्होंने गौ संरक्षण, संवर्द्धन एवं गौ आधारित अर्थ व्यवस्था के जरिए गौ एवं पर्यावरण को बचाते हुए देश को मजबूत करने वाले इस गौ महाकुंभ के साथ जुड़ने के लिए सभी का आह्वान किया। यह जानकारी प्रचारमंत्री संपत मिश्र ने दी।

एनईडीएफआई हाउस में सिल्क फैब का उद्घाटन

गुवाहाटी। ब्रिगेडियर आर के सिंह (सेवानिवृत्त) प्रबंध निदेशक, एनईएचएचडीसी और एस बंद्योपाध्याय निदेशक, बुनकर सेवा केंद्र, गुवाहाटी ने 25 मार्च 2023 को एनईडीएफआई हाउस, जीएस रोड, दिसपुर, गुवाहाटी, असम में सिल्क फैब प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। 2 दशकों से अधिक की अवधि में, यह प्रदर्शनी हथकरघा बुनकरों को बाजार तक सीधी पहुंच प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचडीसी) लिमिटेड के माध्यम से भारत सरकार के हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय की एक पहल है। भारत के विभिन्न शहरों में उपभोक्ताओं के लिए उनके उत्पाद। प्रतिभागी विभिन्न राज्य सरकार निकायों/शीर्ष समितियों, प्राथमिक हथकरघा बुनकर सहकारी समितियों/हथकरघा एजेंसियों से हैं। इसमें 08 राज्यों की 60 एजेंसियां भाग ले रही हैं। हथकरघा क्षेत्र हमारे देश की समृद्ध और विविध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। भारत का हथकरघा क्षेत्र प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 35 लाख लोगों को रोजगार देता है जो देश में कृषि क्षेत्र के बाद दूसरे स्थान पर है। हथकरघा बुनाई की कला में पारंपरिक मूल्य जुड़े हुए हैं और प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट किस्में हैं। मेखला, मोइरानफी, तुषार, मधुबनी, बनारसी, जामदानी, बलूचरी, कोसा सिल्क जैसे रेशम उत्पादों की विशिष्टता दुनिया भर के ग्राहकों को विशिष्ट बुनाई, डिजाइन और पारंपरिक रूपांकनों के साथ आकर्षित करती है। भारत सरकार ने हथकरघा उत्पादों के लिए हैंडलूम मार्क योजना, रेशम उत्पादों की वास्तविकता के लिए सिल्क मार्क और शून्य दोष वाले उच्च गुणवत्ता वाले हथकरघा उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए इंडिया हैंडलूम ब्रांड योजना शुरू की है और पर्यावरण पर शून्य प्रभाव को बढ़ावा देने के लिए और उत्पादों की विशिष्टता को उजागर करने के अलावा उत्पादों को एक अलग पहचान देते हैं। यह खरीदार के लिए एक गारंटी भी देता है कि खरीदा जा रहा उत्पाद असली हाथ से बुना हुआ है। सिल्क फैब के सभी प्रदर्शकों को उत्पादों पर हैंडलूम मार्क, सिल्क मार्क और इंडिया हैंडलूम ब्रांड टैग प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है और इस प्रकार हथकरघा बुनकर समुदाय की कमाई में सुधार करना है। प्रदर्शनी 07 अप्रैल 2023 तक चौदह दिनों के लिए सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक जनता के लिए खुली रहेगी। भारत के कुछ आकर्षक स्थानों से तैयार किए गए हथकरघा उत्पाद प्रदर्शनी में प्रदर्शित और बिक्री के लिए हैं।

अपोलो का लीवर ट्रांसप्लांट-अंग दान पर जागरूकता कार्यक्रम

जोरहाट। अपोलो मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, कोलकाता ने 2020 में पूर्वी भारत में एक व्यापक लिवर ट्रांसप्लांट यूनिट की शुरुआत की। ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. रामदीप रे के नेतृत्व में इस टीम में बेहद अनुभवी सर्जन डॉ. सुमित गुलाटी और डॉ. सुप्रियो घटक शामिल हैं। यह अब एक स्थापित कार्यक्रम है जो पूरे क्षेत्र के मरीजों का इलाज कर रहा है। लीवर प्रत्यारोपण आयु समूहों में अंतिम चरण की बीमारी से पीड़ित कई लोगों के लिए उम्मीद की आखिरी किरण है। जबकि अपोलो मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, कोलकाता में, हमने कई वर्षों से सफलतापूर्वक लीवर प्रत्यारोपण किया है, इसके बारे में और जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। यह दुख की बात है कि लिवर सिरोसिस के इतने सारे रोगी पूर्वी भारत में बिना लिवर ट्रांसप्लांट की पेशकश के भी पीड़ित हैं। भारत लीवर प्रत्यारोपण के लिए एक वैश्विक केंद्र है। 30 से अधिक देशों के मरीज नियमित रूप से इलाज के इस विशेष रूप के लिए भारत आते हैं और भारत एशिया में सबसे बड़ी संख्या में प्रत्यारोपण करता है। वहीं, जागरूकता की कमी के कारण देश के पूर्वी हिस्सों में हजारों मरीज लीवर की बीमारी से मर जाते हैं। लोगों को इस तथ्य के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है कि विदेशों से भी हजारों मरीज सस्ती कीमत पर लीवर प्रत्यारोपण के लिए भारत आते हैं और वह भी अंतर्राष्ट्रीय मानकों की तुलना में सफलता दर के साथ। श्री

राणा दासगुप्ता, सीईओ-ईस्टर्न रीजन, अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने कहा कि हम हमेशा अपने रोगियों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हैं और ऐसा करने में सफल होने के लिए डॉक्टरों की उत्कृष्टता महत्वपूर्ण है। हमारे पास अपोलो मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल, कोलकाता में एक समर्पित ट्रांसप्लांट टीम है, जो पूर्वी भारत में प्रथम है। दिल्ली-गुड़गांव में एक दशक तक लीवर ट्रांसप्लांट टीम का नेतृत्व करने के बाद अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, कोलकाता में लीवर ट्रांसप्लांटेशन और हेपाटो-पैनक्रिएटो-बायिलरी (एचपीबी) सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. रामदीप रे 2020 में अस्पताल में शामिल हुए। अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स में पूर्वी भारत में इस व्यापक यकृत प्रत्यारोपण कार्यक्रम को स्थापित करने के लिए डॉ. रे अपने गृहनगर लौट आए। लीवर ट्रांसप्लांट के चमत्कार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, डॉ. रे अब नियमित रूप से डिब्रूगढ़ और जोरहाट का दौरा करेंगे और लीवर की बीमारियों और कैंसर के रोगियों का मूल्यांकन और उपचार शुरू करेंगे। यह पूर्वोत्तर के मरीजों के लिए उम्मीद के नए युग की शुरुआत होगी।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

नगांव (हिस.)। नगांव के काठियातली रेंगबेंग में बुधवार को हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस के मुताबिक नगांव-होजाई की ओर जा रहे तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सरुपथार काली मंदिर के अजीत दास के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अजीत दास स्नान करने के बाद साइकिल से अपने घर की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार वाहन (एनएल-07सीए-2757) ने ठोकर मार दिया। उनकी मौके पर मौत हो गई।

हमारी सेना हर चुनौती का जवाब देने में सक्षमः शिवराज चौहान

- मुख्यमंत्री ने भोपाल में किया फौजी मेले की शुरूआत, तोप-टैंक व सैन्य सामग्री पास से देख सकेंगे आमजन

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत की सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली, सशक्त और सक्षम सेना है जो सीना ताने सीमा पर खड़ी रहती है। आज हम इसलिए सुरक्षित हैं क्योंकि धूप, गर्मी, बरसात और सर्दी में भी हमारे सेना के जवान सीमाओं पर तैनात रहते हैं। चाहे रेगिस्तान की गर्मी हो या लेह-लद्दाख, सियाचिन की कड़क-ड़ाती सर्दी, हमारे जवान हर परिस्थिति में सीमाओं की सुरक्षा का काम करते हैं। हमारी सेना अद्भुत है, हर चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। हमारी सेना धर्म के विजय के लिए कार्य करती है। मुख्यमंत्री चौहान भोपाल में आयोजित फौजी मेले के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यहां पुलिस मुख्यालय के पास एमवीएम महाविद्यालय मैदान में फौजी मेले का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री चौहान ने बुधवार सुबह इसका शुभारम्भ किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में सेना के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस मेले में भारतीय सेना द्वारा युद्ध के दौरान उपयोग किए जाने वाले हथियार और वाहनों को आमजन पास से देख सकेंगे। दरअसल, सेना के तीनों अंगों की जानकारी नागरिकों को देने एवं युवा वर्ग के सेना से जुड़ने की प्रेरणा देने के उद्देश्य से यहां फौजी मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले में युद्ध के समय वायुसेना, थल सेना एवं नौसेना के जांबाज सैनिकों के साहस और कर्तव्यनिष्ठा की जानकारी दी जाएगी। सेना के बेड़े में शामिल वाहन भी लोग देख सकते हैं। बड़ी संख्या में वाहन एवं हथियार एमवीएम

मैदान पर रखे गए हैं। यहां सुबह बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और हथियारों को नजदीक से देखा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सेना की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि फौजी मेला मध्य प्रदेश और भोपाल के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने देश सेवा करते हुए सदैव अभूतपूर्व साहस का प्रदर्शन किया। जब भी जरूरत पड़ी, मातृभूमि की सेवा के लिए सीने पर गोली खाई, शत्रुओं की गोली कभी हमारे जवानों ने पीठ पर नहीं खाई। उन्होंने कहा कि जब पाकिस्तान ने हमारी सीमाओं में घुसने की कोशिश की तो सेना ने उन्हें सबक सिखाया। कारगिल युद्ध में हजारों फीट की ऊंची चोटियों पर चढ़कर दुश्मन का सर्वनाश किया। दुश्मनों ने देश की धरती पर अपने नापाक कदम रखने की कोशिश की तो हमारी सेना ने घर में घुसकर मारा। प्रारम्भ में मुख्यमंत्री ने पहले रिबन काटकर एवं बाद में शांति के प्रतीक गुब्बारे छोड़ कर फौजी मेले का उद्घाटन किया। इस मौके पर आर्मी बैंड द्वारा मधुर धुन पेश किए गए। मुख्यमंत्री ने अभिवादन कर मेले में मौजूद सैनिकों एवं बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला कलक्टर अविनाश लवानिया के अलावा भारतीय सेना एवं प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

तोप-गोले, टैंक भी देख सकेंगे - आमजन इस फौजी मेले में युद्ध के दौरान उपयोग किए गए जाने वाले कुछ हथियारों के बारे में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। करीब 50 किलोमीटर दूर तक मारक क्षमता वाले टैंक व इस तरह के हथियारों के बारे में अभी तक कम ही जानकारी मिलती है। अब शहर के बीच में एमबीएम मैदान पर नए एवं पुराने भोपाल के लोग भी प्रदर्शनी में जानकारी ले सकेंगे। फौजी मेले का समापन दो अप्रैल को होगा।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और गाजियाबाद-अलीगढ़ हाइवे पर 31 मार्च आधी रात से सफर हो जाएगा महंगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दो प्रमुख राजमार्गों पर पहली अप्रैल से सफर महंगा हो जाएगा। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और गाजियाबाद-अलीगढ़ हाइवे पर 31 मार्च रात 12 बजे से टोल दर 10 प्रतिशत बढ़ जाएगी। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने नई दरों की सूची जारी की है। दोनों राजमार्गों पर रोजाना चलने वाले करीब एक लाख 20 हजार वाहन चालकों पर इसका असर पड़ेगा। अकेले दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर टोल वृद्धि से पहले साल 10.95 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई सरकार को होगी। एनएचएआई गाजियाबाद के प्रोजेक्ट डायरेक्टर अरविंद कुमार के मुताबिक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर बढ़ने वाली टोल दर की सूची मिल गई है। इसे परतापुर (मेरठ) के काशी टोल प्लाजा पर चस्पा कराया जा रहा है, ताकि वाहन चालकों को पहले से जानकारी हो सके। निजी वाहनों पर पांच रुपये और कमर्शियल वाहनों पर 15 से 20 रुपये तक टोल बढ़ाया

गया है। दिल्ली के सराय काले खां से मेरठ तक अब कार चालकों को 160 रुपये टोल चुकाना पड़ेगा। पहले यह 155 रुपये था। नई टोल दर के मुताबिक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हल्के चार पहिया वाहन चालक को अब 155 रुपये की जगह 160 रुपये देने होंगे।

कमर्शियल चार पहिया वाहनचालकों को 245 रुपये की जगह 260 रुपये का टोल चुकाना होगा। छह टायरा ट्रक और बस चालकों को 520 रुपये की जगह 545 रुपये देने होंगे। 10 टायरा बड़े ट्रक चालकों को 565 रुपये की जगह अब 595 रुपये देने होंगे। 12 टायरा बड़े कमर्शियल वाहन चालकों को 815 रुपये के स्थान पर अब 855 रुपये देने होंगे। ट्रॉला ट्रक चालकों को 990 रुपये की जगह अब 1040 रुपये का टोल देना होगा। गाजियाबाद-बुलंदशहर-अलीगढ़ हाइवे पर भी 31 मार्च की रात 12 बजे से 10 प्रतिशत टोल टैक्स बढ़ जाएगा। एनएच-91 पर दो टोल प्लाजा पड़ते हैं। पहला बुलंदशहर जिले के लुहारली और दूसरा अलीगढ़ जिले के गभाना में है। इन दोनों टोल प्लाजा से प्रतिदिन करीब 80 हजार वाहन गुजरते हैं। लुहारली टोल प्लाजा पर अभी तक कार का टोल टैक्स 135 रुपये लगता है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव की घोषणा, 10 मई को मतदान और 13 को आयेंगे नतीजे

नई दिल्ली, (हि.स.)। चुनाव आयोग ने बुधवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव से जुड़े कार्यक्रम की घोषणा कर दी। राज्य में एक चरण में 10 मई को मतदान होगा और 13 मई को नतीजे आयेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे और अरुण गोयल के साथ आज यहां विज्ञान भवन में कर्नाटक विधान सभा 2023 के आम चुनाव से जुड़े कार्यक्रम की घोषणा की। उन्होंने बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 13 अप्रैल को जारी की जाएगी। 20 अप्रैल को नामांकन, 21 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच, 24 अप्रैल को नाम वापसी और 10 मई को मतदान होगा। कर्नाटक विधानसभा का कार्यकाल 25 मई को समाप्त होने वाला है। राज्य में 224 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होने हैं। मतदाता सूची के अनुसार 5.21 करोड़ से अधिक मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें से 5.55 लाख विकलांग मतदाता हैं। कर्नाटक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 224 विधानसभा क्षेत्रों में 58,282 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। प्रति मतदान केन्द्र औसतन 883 मतदाता हैं। 50 प्रतिशत मतदान केंद्रों में वेबकास्टिंग की सुविधा है। बेहतर मतदाता अनुभव के लिए 1320 मतदान केंद्रों का प्रबंधन महिला अधिकारियों द्वारा

किया जाएगा। राजीव कुमार ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों और विकलांग मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्र पर सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी। पहली बार कर्नाटक में 12.15 लाख मतदाता (80 वर्ष से अधिक उम्र) और 5.55 लाख बेंचमार्क दिव्यांग मतदाताओं के लिए घरेलू मतदान की सुविधा भी है। कर्नाटक में चुनाव में इस बार 9.17 लाख से अधिक पहली बार मतदान करने वाले मतदाता हैं।

साथ ही अग्रिम आवेदन सुविधा के तहत, 17 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं से 1.25 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से लगभग 41,000 आवेदन 1 अप्रैल, 2023 तक 18 वर्ष के हो चुके युवाओं से प्राप्त हुए। उन्होंने बताया कि समावेशी और सहभागी चुनावों के लिए कर्नाटक में पात्र (18) विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों का शत प्रतिशत नामांकन हुआ है। इनके लिए 40 जातीय पोलिंग केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया में थर्ड जेंडर की भागीदारी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों में सुनिश्चित न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध होंगी। एक समृद्ध और सुखद मतदान अनुभव के लिए आयोग मतदाताओं को सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के प्रति सजग है। शहरी उदासीनता पर चिंता जताते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि भारत के आईटी हब के इन 4 जिलों में 2013 और 2018 कर्नाटक विधानसभा चुनावों में सबसे कम मतदान हुआ था, जो राज्य के औसत से बहुत कम था। इन 4 जिलों में 88 प्रतिशत मतदान केन्द्र शहरी क्षेत्रों में हैं। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों, संगठनों और आरडब्ल्यूए में मतदाता जागरूकता मंचों के माध्यम से जागरूकता पैदा करने की कोशिश की जाएगी।

केंद्र के खिलाफ दो दिनों के लिए धरने पर बैठीं ममता, बंगाल को वंचित रखने का आरोप

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में केंद्र सरकार के खिलाफ दो दिनों का धरना शुरू किया है। धर्मतल्ला स्थित अंबेडकर मूर्ति के पास बुधवार दोपहर 12:00 बजे से उन्होंने धरना शुरू किया है। ममता बनर्जी के साथ मंच पर उनके कैबिनेट में मंत्री और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम, अरूप विश्वास, मंत्री शशि पांजा, चंद्रिमा भट्टाचार्य, डोला सेन, ज्योत्सना मांडी और सायोनी घोष के अलावा पार्टी के अन्य नेता मौजूद हैं। ममता ने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि वह बुधवार से दो दिनों तक केंद्र सरकार के खिलाफ बंगाल को वंचित करने को लेकर धरना देंगी। ममता बनर्जी का आरोप है कि कुल एक लाख 15 हजार करोड़ रुपये राज्य का केंद्र के पास बकाया है जो कई

बार मांगने के बावजूद राज्य को नहीं मिल रहा है।

ममता का दावा है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 8200 करोड़ रुपये बकाया है जबकि मनरेगा का 7200 करोड़ रुपये अभी तक केंद्र से नहीं मिला है। राज्य से वसूली गई जीएसटी का 2409.96 करोड़ रुपये अभी भी राज्य को उसके हिस्से के तौर पर नहीं मिला है। इसके अलावा चक्रवात यस से हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र से 4222 करोड़ रुपये मिलने थे जो नहीं मिले। इसी तरह से बुलबुल चक्रवात के लिए 6332 करोड़ और अम्फन के लिए 32 हजार 310 करोड़ रुपये की राशि केंद्र से मिलनी थी जो नहीं दी गई है। ममता ने कहा है कि कई बार इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की गई लेकिन कोई कदम नहीं उठाया गया है।

आज उत्तराखंड दौरे पर जाएंगे शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज उत्तराखंड दौरे पर जाएंगे। यात्रा के दौरान दौरान शाह हरिद्वार में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। गृह मंत्रालय के अनुसार शाह गुरुवार को सुबह 11:30 बजे हरिद्वार में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगे। उसके बाद दोपहर 02:30 बजे ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज ग्राउंड में राज्य की बहुउद्देशीय सहकारी समितियों का कंप्यूटरीकरण, व संयुक्त सहकारी खेती, जन सुविधा केन्द्रों, जन औषधि

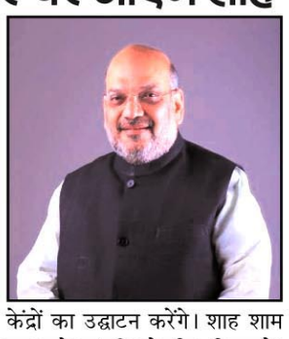

केंद्रों का उद्घाटन करेंगे। शाह शाम चार बजे पतंजलि योगपीठ भी जाएंगे। यहां वो पतंजलि विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेंगे।

अडानी मामले की जांच को लेकर एकजुट है विपक्ष : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पूरा विपक्ष एकजुट होकर एक ही मांग कर रहा है कि अडानी समूह पर लगे आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए। खड़गे ने बुधवार को कहा कि आज जेपीसी की मांग को लेकर उन्होंने विपक्षी सांसदों के साथ बैठक की इस दौरान सभी स-ांसदों ने जेपीसी के गठन को लेकर एकजुटा दिखाई है। खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार जानबूझकर विपक्ष को परेशान कर रही है। कर्नाटक में

आए दिन घोटाले हो रहे हैं। यह बात सभी जानते हैं कि योजनाओं की 40 फीसदी रकम भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ रही है। ये मामले उजागर होने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे पता चलता है कि जांच एजेंसियां कैसे काम कर रही हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बदलेगा मौसम का मिजाज अगले दो दिन हो सकती है हल्की बारिश

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली में गर्मी के तेवर नरम ही रहे। दिन भर धूप भले ही खिली रही लेकिन तापमान सामान्य स्तर पर रहा। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि बृहस्पतिवार से दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज फिर बदलेगा। बृहस्पतिवार और शुक्रवार को तेज हवा के साथ हल्की बरसात होने की संभावना है। शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इसके चलते तापमान में भी थोड़ी गिरावट देखने को मिलेगी। मंगलवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य स्तर पर 31.6 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री कम 15.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया

गया। हवा में नमी का स्तर 35 से 90 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि बुधवार को आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 व 16 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। वहीं दिल्ली की हवा लगातार साफ-सुथरी बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक मंगलवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 147 रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर में भी कमोबेश यही स्थिति रही। अगले तीन-चार दिन वायु गुणवत्ता का स्तर इसी के आसपास रहने की संभावना है।

मनोनीत पार्षद की नियुक्ति के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर एलजी कार्यालय को नोटिस

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली नगर निगम में उप-राज्यपाल की तरफ से मनोनीत पार्षद (एल्डरमैन) की नियुक्ति के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने उप-राज्यपाल कार्यालय से जवाब तलब किया है। अगली सुनवाई 10 अप्रैल होगी। दिल्ली सरकार ने कहा है पार्षद मनोनीत करना राज्य सरकार का अधिकार है। उप-राज्यपाल ने पार्षद मनोनीत कर असंवैधानिक काम किया है। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार

की तरफ से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने उपराज्यपाल द्वारा एल्डरमैन की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा दिल्ली सरकार ही एल्डरमैन की नियुक्ति करती रही है। चीफ जस्टिस ने कहा कि एल्डरमैन की नियुक्ति तो प्रशासन ही करता है। तब सिंघवी ने कहा एडमिनिस्ट्रेटर के अधिकार भी दायरे में होते हैं।

1 अप्रैल को वंदे मातरम ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे प्रधानमंत्री

भोपाल (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 अप्रैल को रानी कमलापति रेलवे स्टेशन पर, वंदे मातरम ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं शुरू हो गई हैं। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई है। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी भी कमलापति रेलवे स्टेशन और वंदे मातरम ट्रेन की साज-सज्जा में व्यस्त हो गए हैं।

कार्यक्रम - प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार की दोपहर 3:30 बजे वंदे मातरम ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर प्रधानमंत्री रवाना करेंगे। कुछ ही मिनटों के बाद वह वहां से लौट जाएंगे। कमलापति रेलवे

स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर सुबह से ही संचालन ट्रेनों का बंद हो जाएगा। सभी ट्रेनें प्लेटफार्म नंबर 2 और 3 से गुजारी जाएंगी। यात्रियों का प्लेटफार्म नंबर 1 पर जाना प्रतिबंधित किया गया है।

तीसरा सफल ट्रायल - भोपाल से आगरा के बीच वंदे मातरम ट्रेन का ट्रायल किया गया। ट्रेन ने 52 सेकंड में 100 किलोमीटर की रफ्तार पकड़ ली। ट्रायल में ट्रेन को 160 किलोमीटर की स्पीड पर सफलतापूर्वक दौड़ाया गया। आगरा स्टेशन पर तकनीकी जांच करने के बाद ट्रेन को वापिस भोपाल लाया गया। ट्रायल रन में लगभग 10 लोगों का स्टाफ इसके साथ था। वंदे मातरम ट्रेन का अभी औपचारिक टाइम टेबल घोषित नहीं किया गया है।

राहुल के लिए न्यायालय भी जाएंगे, भाजपा खुद भ्रष्ट पार्टी : कांग्रेस प्रवक्ता

जोधपुर, (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता आलोक शर्मा ने कहा कि राहुल गांधी की संसद सदस्यता के लिए वे न्यायालय भी जाएंगे। खुद भारतीय जनता पार्टी भ्रष्ट है। न्याय के लिए जनता के बीच जाएंगे और लोगों को भाजपा की करनी बताएंगे। शर्मा बुधवार को जोधपुर प्रवास पर पत्रकारों से बात कर रहे थे। प्रवक्ता आलोक शर्मा ने कहा कि हम न्याय के लिए आम जनता के बीच में जाएंगे और न्यायालय में भी जाएंगे। बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा जितने भी

भ्रष्टाचारी है सब बीजेपी में जाते है। गंगा स्नान कर पवित्र हो जाते है। शर्मा ने अडानी को श्री श्री 1008 संत की उपाधि देते हुए देश में अडानी नीति चलने की बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार की बात कहते है जबकि हकीकत यह है कि सारे भ्रष्टाचारी उनकी नाक के नीचे से निकल गए। उनका संरक्षण प्राप्त हुआ है। नोटबंदी में भी करोड़ों रुपया पक-ड़ा गया सभी लोग भाग गए। कभी मीडिया में भी जवाब देना उचित नहीं समझा। प्रवक्ता शर्मा ने पत्रकारों से बातचीत में केंद्र सरकार पर जमकर आरोप लगाए। इस प्रेस वार्ता में विधायक मनीषा पवार वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र सिंह सोलंकी व जोधपुर उत्तर व दक्षिण जिलाध्यक्ष नरेश जोशी व सलीम खान मौजूद रहे।

सहारा के 1.1 करोड़ निवेशकों को मिलेगा उनका पैसा, सुप्रीम कोर्ट ने दिया सेबी को आदेश

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह के एक करोड़ निवेशकों को बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी को आदेश दिया कि वो सहारा की ओर से जमा किये गये 24 हजार करोड़ रुपये में से 5 हजार करोड़ रुपये वापस करे। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर सेबी के पास जमा 24 हजार करोड़ रुपये में से 5 हजार करोड़ रुपये वापस

करने की मांग की थी। पांच करोड़ की यह धनराशि 1.1 करोड़ निवेशकों को दी जाएगी। निवेशकों से धोखाधड़ी के एक दूसरे मामले में 2012 में बने इस फंड में लगभग 24 हजार करोड़ रुपये जमा हैं। उल्लेखनीय है कि करीब दो साल से ज्यादा समय तिहाड़ जेल में गुजारने के बाद सहारा समूह के मुखिया सुब्रत राय को 6 मई, 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने पेरोल पर रिहा करने का आदेश दिया था। सुब्रत राय की माताजी के देहांत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पेरोल पर रिहा करने का आदेश दिया था।

केंद्र सरकार के "क्रांतितीर्थ" नामक श्रृंखला कार्यक्रम का शुभारम्भ दिल्ली में जेएनयू से

अजय त्यागी

नई दिल्ली। देश की जनता को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े गुमनाम नायकों, संगठनों एवं स्थानों की जानकारी प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार ने क्रांतितीर्थ नामक कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारंभ की है। क्रांतितीर्थ श्रृंखला के प्रथम कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को राजधानी दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया। केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं जवाहरलाल नेहरू विश्व विद्यालय (जेएनयू) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रथम क्रांतितीर्थ कार्यक्रम सेंटर ऑफ एडवांस रिसर्च ऑन डेवलपमेंट एंड चेंज (सी.ए.आर.डी.सी.) के माध्यम से संपन्न हुआ। क्रांतितीर्थ श्रृंखला का आयोजन देश के विभिन्न हिस्सों में आजादी के अमृत महोत्सव मनाए जाने के परिप्रेक्ष्य में किया जा रहा है। क्रांतितीर्थ श्रृंखला के विषय में जानकारी देते हुए जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के निदेशक आशुतोष भटनागर ने बताया कि क्रांतितीर्थ श्रृंखला के तहत आगामी 15 अगस्त तक देश भर में दस हजार से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। यह श्रृंखला अल्पज्ञात या गुमनाम क्रांतिवीरों, स्थानों एवं संगठनों की जानकारी देश के सामने लाएगी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित क्रांतितीर्थ कार्यक्रम में पधारे विशेष अतिथि डॉ. राजेश टोपे ने स्वाधीनता की लड़ाई से संबंधित कई पहलुओं को सामने रखा। महान स्वतंत्रता सेनानी तात्या टोपे के वंशज डॉ. टोपे ने कमल-रोटी की गोपनीय उस योजना का खुलासा किया, जो अंग्रेजों के विरूद्ध लड़ाई का आधार बनी थी। उन्होंने खुलासा किया कि 1857 से कई माह पहले लाल कमल को जहां भारतीय सैनिकों को एकजुट करने का आधार बनाया गया, वहीं रोटी के माध्यम से विद्रोह करने वाले सैनिकों के लिए जनाधार तैयार किया गया। तात्या टोपे, रानी लक्ष्मीबाई सीताराम बाबा, बैजाबाई शिंदे, जयाजी राणा जैसे अनेक नामों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि क्रांतितीर्थ श्रृंखला के माध्यम से ऐसे सैकड़ों गुमनाम नायकों के स्वाधीनता के लिए किए गए कार्यों को सामने

लाने की आवश्यकता है और इसे अवश्य से किया जाये।

कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले अन्य विशेष अतिथि धर्मसिंह चावला के पिता स्वर्गीय त्रिलोचन सिंह चावला आजाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस से मिलने वाले अंतिम नायक थे। अंतिम मुलाकात के दौरान सुभाष चन्द्र बोस ने उन्हें अपनी दो पिस्टल देकर राजधानी दिल्ली में मिलने के लिए कहा था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अपने पिता से जुड़े अनुभवों को साझा करते हुए धर्मसिंह चावला ने नेताजी सुभाशचंद्र बोस की 1943 में थाईलैंड और बैंकाक यात्रा से जुड़े अनुभवों एवं तत्कालीन समय के छायाचित्रों को सामने रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और आई.सी.एच.आर. के अध्यक्ष प्रो. आर. तंवर ने कहा कि स्वाधीनता के वास्तविक इतिहास को छिपाया गया। वास्तविकता तो यह है कि 1760 से लेकर 1947 के मध्य 150 से अधिक आंदोलन हुए जिसे दबाने के लिए 12 हजार से अधिक लोगों को फांसी दे दी गई। अंग्रेजों के काल में सुविधाजनक जेल एवं यंत्रणा देने वाली जेलों की चर्चा करते हुए उन्होंने प्रश्न किया कि आखिर क्यों वीर सावरकर को सेल्यूलर जेल भेजा गया? जबकि कई अन्य नेता सुविधाजनक जेल में आराम करते रहे? उन्होंने कहा कि भारत की स्वाधीनता की लड़ाई मात्र राजनीतिक लड़ाई नहीं थी, बल्कि यह भारत की संस्कृति परंपरा एवं प्राचीन विरासत को बचाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि क्रांतितीर्थ श्रृंखला के माध्यम से वह सत्य सामने आएगा जिसे जानबूझकर दबाया गया। कार्यक्रम में आर्गनाइजर समाचार पत्र के संपादक प्रफुल्ल केतकर ने भी प्रश्न उठाया कि स्वतंत्रता की लड़ाई को सिर्फ राजनीतिक दृष्टि से ही क्यों देखा जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं है। भारत का असली इतिहास कहां है? यह सभी से छिपाया गया क स्वतंत्रता की लड़ाई तो सैकड़ों वर्षों से जारी थी, जो प्राचीन भारत की संस्कृति, परंपरा, स्वधर्म और स्वदेषी को बचाने की लड़ाई थी। इतिहास में अनेकों तथ्यों को सामने नहीं रखा गया। ऐसे में क्रांतितीर्थ श्रृंखला देश के वास्तविक इतिहास को सामने लाएगी। कार्यक्रम के अंत में प्रो. एस.सी. गरकोटी ने सी.ए.आर.डी.सी. को कार्यक्रम आयोजन के लिए बधाई दी। जबकि शिवपूजन पाठक ने कार्यक्रम में अतिथियों और सभागार में मौजूद सभी लोगों का आभार जताया।

अयोध्या में हेलीकॉप्टर से घूमने की सुविधा शुरू, तीन हजार रुपये है किराया

अयोध्या, (हि. स.)। अयोध्या आने वाले पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए हेलीकॉप्टर से अयोध्या का दर्शन कराने की सुविधा बुधवार को शुरू हुई है। कोई भी व्यक्ति तीन हजार रुपये देकर हेलीकॉप्टर पर बैठकर पूरे अयोध्या को आसमान से देख सकते हैं। अयोध्या में उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड एवं हेरिटेज एविएशन द्वारा हेलीकॉप्टर सेवा शुरू किया गया है,जो अगले15 दिनों तक संचालित होगा। राम नवमी मेले में श्रद्धालुओं को हेलिकॉप्टर से अयोध्या देखने का मौका बुधवार से मिलने लगा है। प्रदेश की योगी सरकार ने रामनवमी पर अयोध्या को एक बड़ी सौगात दी है। सेवन सीटर हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को सात मिनट अयोध्या का आसमान से दर्शन कराएगा। दो साल से अधिक उम्र के बच्चों का भी टिकट लगेगा। सरयू अतिथि गृह के निकट स्थित हेलीपैड स्थल निर्धारित किया गया है। श्रद्धालु पर्यटक हवाई दर्शन के लिए सरयू अतिथि गृह काउंटर से टिकट प्राप्त कर सकते हैं। यह सेवा सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगी।

हवाई दर्शन से संबंधित जानकारी निम्न नंबर- 9412526465 व 7011410216 पर भी प्राप्त कर सकते हैं। योजना के इंचार्ज रवि कुमार ने बताया कि बुधवार को हेलीकॉप्टर ने यात्रियों के साथ उड़ान भरी है। हेलीकॉप्टर से अयोध्या को देखने वाले करतलिया बाबा मंदिर के महंत राम दास ने कहा कि आसमान से अयोध्या को देखना बहुत ही सुंदर और मनोहारी दृश्य है। आसमान से अयोध्या देखने का मौका मिलना सौभाग्य का विषय है।

गिरमिटिया मजदूर नहीं, उद्योगपति बनेंगे दक्षिणांचल के लोग : योगी

- गोला के भरौली में बाबू आरएन सिंह डायलिसिस सेंटर का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण
- डबल इंजन सरकार में बुलेट ट्रेन की रफ्तार से हो रहा है दक्षिणांचल का विकास : सीएम

गोरखपुर, (हि.स.)। दशकों तक पिछड़ेपन का दंश झेलने वाले गोरखपुर के दक्षिणांचल में शानदार रोड कनेक्टिविटी, एक्सप्रेसवे, बायो फ्यूल प्लांट, इंडस्ट्रियल टाउनशिप जैसी परियोजनाएं विकास की नई चमक बिखेर रही हैं। सकारात्मक बदलाव में कदमताल कर रहे यहां के लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को मुखातिब हुए। उन्हें विकास प्रक्रिया में उनकी जिम्मेदारी समझाई, इससे जुड़ने को प्रेरित करते हुए कहा कि लिंक एक्सप्रेसवे के इंडस्ट्रियल कॉरिडोर और धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप से जुड़कर दक्षिणांचल के लोग अब गिरमिटिया मजदूर नहीं बल्कि उद्योगपति बनेंगे। वे गोला तहसील के भरौली में बाबू आरएन सिंह डायलिसिस सेंटर के लोकार्पण व स्मृतिशेष आरएन सिंह की प्रतिमा के अनावरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने भरौली के रामसखी रामनिवास शिक्षण संकुल परिसर में आयोजित समारोह में कहा कि गोरखपुर का दक्षिणांचल डबल इंजन सरकार में विकास के पथ पर बुलेट ट्रेन जैसी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। यहां राम जानकी मार्ग का कायाकल्प हो रहा है। धुरियापार में बायोफ्यूल प्लांट की स्थापना की जा रही है। इससे यहां के लोगों को खरपतवार व गोबर का भी पैसा मिलेगा। दक्षिणांचल, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के लिंक एक्सप्रेस वे से जुड़ रहा है। लिंक एक्सप्रेसवे के किनारे बड़े-बड़े उद्योग लगेंगे। धुरियापार इंडस्ट्रियल टाउनशिप में बंजर जमीन खरीद कर उद्योग लगाए जाएंगे। उद्योगों के अनुरूप युवाओं को नौकरी उपलब्ध कराई जाएगी। अब यहां के नौजवानों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। बेटियों को भी यहीं शिक्षा की व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 35 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इनके जमीन पर उतरने से एक करोड़ युवाओं को नौकरी व रोजगार मिलेगी। गोरखपुर के लिए भी कई प्रस्ताव हैं। बिना बाधा डाले निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने में सबकी सहभागिता होनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि 500 वर्ष के संघर्ष के बाद अयोध्या में बन रहा प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर राष्ट्र मंदिर जैसा है। फिर कोई हमारी आन- बान-सम्मान के खिलाफ कोई साहस न करने पाए, इसके लिए हमें एकजुट रहना होगा। श्रीराम जानकी मार्ग को लेकर दक्षिणांचल के लोगों में गर्व की भावना होनी चाहिए। इसी मार्ग से प्रभु श्रीराम माता जानकी को लेकर पहली बार जनकपुर से अयोध्या पहुंचे थे। सरकार इस मार्ग पर कार्य करते हुए अयोध्या को सीतामढ़ी तथा जनकपुर तक कनेक्ट कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में समारोह में अपने संबोधन से पहले महाराष्ट्र विधान परिषद के पूर्व सदस्य एवं उत्तर भारतीय संघ मुंबई के पूर्व अध्यक्ष बाबू आरएन सिंह की प्रतिमा का अनावरण तथा उनकी स्मृति में बने अत्याधुनिक डायलिसिस सेंटर का लोकार्पण किया। वह स्व. सिंह की समाधि स्थल पर भी गए और पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आज नवरात्र की महा-ाअष्टमी की पावन तिथि है। कल मां सिद्धिदात्री की नवमी तिथि के साथ प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव का पर्व श्रीरामनवमी भी है। सफलता प्राप्त होना ही सिद्धि है। संकल्प को सिद्धि में बदलने के लिए क्या पुरुषार्थ होना चाहिए, प्रभु श्रीराम इसके आदर्श हैं। भगवान श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप जन्मभूमि के प्रति अपने दायित्वों को जिस तरह बाबू आरएन सिंह ने निभाया, वह अप्रतिम उदाहरण और दूसरों के लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरएन सिंह के सुपुत्र संतोष सिंह ने एक शानदार टीम के साथ अत्याधुनिक सुविधा युक्त डायलिसिस सेंटर की सौगात दी है। यहां एक दिन में 30 लोगों को डायलिसिस की सुविधा मिल सकती है। सीएम ने आरएन सिंह के पुत्र व परिवार की प्रशंसा करते हुए कहा कि पिता के संकल्प को पूरा कर संतोष सिंह ने उन्हें बेहतरीन तरीके से श्रद्धांजलि दी है। इसके लिए संतोष सिंह व उनका पूरा परिवार साधुवाद का पात्र है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने में सहयोग करेगा रेशम बोर्ड

-समझौता ज्ञापन पर हुआ हस्ताक्षर, रांची के अनुसंधान संस्थान के साथ भी समझौता

लखनऊ, (हि.स.)। केंद्रीय रेशम बोर्ड बेंगलुरू और केंद्रीय तसर अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान रांची के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। अब लखनऊ विश्वविद्यालय में अनुसंधान को बढ़ावा देने में यह दोनों संस्थान सहयोग प्रदान करेंगे। इसके साथ ही व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने में काफी सहयोग मिलेगा। बुधवार को हुए समझौता में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, सेराजुद्दीन, प्रो. अमिता कन्नौजिया, डॉ. जेपी पांडेय उपस्थित थे। समझौता ज्ञापन नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार अनुसंधान के संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए योजना बनाने और कार्यक्रमों को निष्पादित करने में पारस्परिक सहायता की सुविधा प्रदान करेगा। समझौता ज्ञापन व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देगा और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक अनुसंधान को उत्प्रेरित करेगा। यह वैज्ञानिकों, संकायों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा। परियोजनाओं की सुविधा प्रदान करेगा। समझौता ज्ञापन में प्रावधान है कि दोनों पक्ष दोनों संस्थानों में प्रासंगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को साझा करेंगे।

राज्यपाल ने रामनवमी पर प्रदेशवासियों को बधाई दी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शक्ति की प्रतीक मां भगवती के अनुष्ठान पर्व नवरात्र और भगवान राम के जन्मदिन रामनवमी पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने बुधवार को अपने बधाई सन्देश में कहा कि शक्ति अधिष्ठात्री देवी के अनुष्ठान की नवमी को मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मदिन हम सबको एक नई प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि मां भगवती इस चराचर जगत की आदि शक्ति हैं। वहीं, भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन सबको उच्च आदर्शों और मयार्दाओं का पालन करने के लिए एक नई प्रेरणा देता है। राम नवमी के दिन नौ कन्याओं का पूजन मातृ शक्ति के प्रति भारत की सनातन आस्था और सम्मान के भाव को प्रदर्शित करता है। मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम प्रेम सद्भाव एवं लोक कल्याण के प्रतीक थे। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारते हुए लोक कल्याण की भावना से कार्य करने चाहिए।

कोई भी कैदी अधिवक्ता के बिना न्याय पाने से वंचित नहीं रहेगा: डालसा सचिव

मेदिनीनगर, (हि.स.)। जरूरतमंदों को लीगल एंड डिफेंस काउंसिल द्वारा मुफ्त केस लड़ा जा रहा है। विगत दो माह के अंदर 40 से अधिक केस में बचाव अधिवक्ता द्वारा बिना खर्च विभिन्न कोर्ट से कराए हैं। यह बातें बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिला, दिव्यांग, प्राकृतिक आपदा से ग्रसित, जेल में बंद लोगो के अलावा जिनकी आमदनी वार्षिक तीन लाख रुपये से कम है वैसे लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के माध्यम से लोगों को मुफ्त केस लड़ने के लिए बचाव अधिवक्ता उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि डालसा का प्रयास है कि जेल में बंद कैदियों में से कोई भी कैदी अधिवक्ता के बिना न्याय पाने से वंचित न रहे। जेल में बंद कैदियों को एलएडीसी के काउंसिल बचाव के लिए हमेशा तैयार है। यही वजह है कि जेल में जाकर लोगो को इसके बारे में बताया जा रहा है।

डीसी और एसएसपी ने तपोवन मंदिर में चल रही तैयारियों का लिया जायजा

रांची, (हि.स.)। रामनवमी को लेकर डीसी राहुल कुमार सिन्हा और एसएसपी किशोर कौशल ने बुधवार को निवारणपुर स्थित तपोवन मंदिर में चल रही तैयारियों का जायजा लिया। यहां मंदिर समिति के सदस्यों से मिलकर आला अधिकारियों ने तैयारियों की जानकारी ली। साथ ही बेहतर व्यवस्था के लिए पुलिस- प्रशासनिक पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था), जिला नजारत उप समाहर्ता सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। मंदिर परिसर क्षेत्र में चल रही तैयारियों का जायजा लेने के बाद जुलूस के रूट में चल रहे निर्माण कार्य का भी डीसी और एसएसपी किशोर कौशल ने जायजा लिया । अधिकारियों को जुलूस के आगमन और प्रस्थान के लिए सुगम व्यवस्था करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। कंपनी के अधिकारियों को जुलूस के आगमन और प्रस्थान के लिए सुगम व्यवस्था करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कोर्ट के फैसले पर मैं कभी नहीं बोलता : मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को सम्राट अशोक की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म होने के सवाल पर सीएम ने कहा कि कोर्ट के फैसले पर हम कभी नहीं बोलते हैं। जब किसी पर मुकदमा भी होता है तो हम कमेंट नहीं करते हैं। सीएम ने कहा कि हमारे ऊपर भी लोग कमेंट करते हैं तो भी हम कुछ नहीं बोलते हैं। कोर्ट के फैसले पर ऊपर के भी कोर्ट में जाने का अधिकार है। हम पिछले 17 वर्षों से यहां सरकार में हैं, कोई भी जांच चलता है तो उसमें हम हस्तक्षेप नहीं करते हैं लेकिन इन सब चीजों पर मेरी कोई प्रतिक्रिया नहीं होती है। विपक्ष के अधिक से अधिक लोगों की एकता मेरी इच्छा है। इसका हम इंतजार कर रहे हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग एक साथ आएं और वर्ष 2024 का लोकसभा चुनाव पूरी मजबूती से लड़ें। इस सिलसिले में हम दिल्ली जाकर लोगों से मुलाकात कर चुके हैं। कई क्षेत्रीय पार्टियां भी एकजुट होना चाहती हैं। सभी लोगों की सहमति की हम प्रतीक्षा कर रहे हैं। केंद्र सरकार से संबंधित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की केंद्र सरकार की हम तारीफ करते हैं और वे हैं कि सिर्फ अपने काम की तारीफ करते हैं। अटल जी के कार्यों की हम काफी तारीफ करते हैं। उन्होंने कभी किसी से झगड़ा नहीं किया। हिंदू मुस्लिम सबके वे पक्ष में रहते हैं। ये लोग क्या कर रहे है अब ये लोग जानें। कोई काम नहीं कर रहे हैं सिर्फ अपना प्रचार करने में लगे हुए हैं। बिहार भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के बयान से संबंधित प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर हम कोई ध्यान नहीं देते हैं। उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के पिता बनने पर बधाई देने को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पिता बनने के बाद तुरंत हमने उनको बधाई दिया । बिहार में भाजपा छोटे दलों को अपने साथ लाने में लगी है, इससे संबंधित प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उपेंद्र कुशवाहा को हमने राज्यसभा भेजा था। इस बार फिर आए तो बोले की साथ रहेंगे लेकिन फिर कहीं चले गए। उनकी मर्जी। भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष पहले राजद में थे। इसके बाद जदयू में थे और अब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हो गए हैं। उन लोगों के बारे में जाकर लोगों से पूछिए। बिहार में विकास काम आगे भी होता रहेगा आप लोग निश्चित रहें, आगे जनता मालिक है।

महिला सशक्तिकरण को लेकर महिला अधिकारियों व आरक्षियों ने निकाली स्कूटी रैली

कानपुर देहात, (हि.स.)। जनपद में बुधवार को पुलिस विभाग द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत नवरात्रि की अष्टमी पर महिला सशक्तिकरण पर बल देने को लेकर महिला पुलिस अधिकारियों और आरक्षियों की स्कूटी रैली निकाली। स्कूटी रैली को यूपी की राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चैत्र नवरात्रि के अष्टमी तिथि के अवसर पर जिला मुख्यालय माती के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से सीओ भोगनीपुर व सीओ लाइन के नेतृत्व में महिला पुलिस अधिकारियों व आरक्षियों की स्कूटी रैली निकली। रैली को यूपी की राज्यमंत्री और अकबरपुर रनियां विधायक प्रतिभा शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंत्री ने कहा कि इस स्कूटी रैली के माध्यम से जहां महिला सशक्तिकरण पर बल दिया जाएगा। साथ मुख्यमंत्री योगी के सपने मिशन शक्ति के प्रति लोगों को जागरूक और प्रेरित करने का कार्य किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति ने कहा कि स्कूटी रैली के माध्यम से लोगों को बड़ा सन्देश देने का कार्य किया जाएगा। साथ ही महिलाओं और बच्चियों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न करने का कार्य किया जाएगा। इस रैली में स्वयं राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, जिलाधिकारी नेहा जैन और सीडीओ सौम्या पाण्डे ने स्कूटी चलाकर भागीदारी निभाई।

हाई कोर्ट ने संवैधानिक संस्थाओं में रिक्त महत्वपूर्ण पदों पर राज्य सरकार से मांगा जवाब

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बुधवार को झारखंड में बाल आयोग, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग, पुलिस कंप्लेंट अथॉरिटी, लोकायुक्त सहित करीब 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों का पद खाली रहने को लेकर दाखिल एडवोकेट एसोसिएशन, झारखंड हाई कोर्ट की जनहित याचिका पर सुनवाई की। खंडपीठ ने मामले में राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। खंडपीठ ने मौखिक कहा कि अगर राज्य सरकार इस पर कोई एक्शन नहीं लेती है तो कोर्ट इस संदर्भ में दिशा निर्देश देगा। इससे पहले एसोसिएशन की ओर से अधिवक्ता नवीन कुमार ने कोर्ट को बताया कि करीब चार वर्षों से राज्य बाल आयोग, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त आदि संवैधानिक संस्थाओं में पदों के रिक्त रहने से किसी तरह का कोई काम नहीं हो रहा है। अधिवक्ता इन जगहों पर पैरवी करते हैं लेकिन इन आयोग में काम नहीं होने से अधिवक्ताओं के समक्ष भी समस्या हो रही है। जल्द से जल्द इन संवैधानिक संस्थाओं में रिक्त पदों को भरा जाए। वरीय अधिवक्ता राजीव शर्मा ने कोर्ट को बताया कि राज्य सूचना आयोग में न अध्यक्ष है और न सदस्य हैं। इससे सूचना आयोग का कार्य प्रभावित हो रहा है। वर्ष 2020 में सूचना आयोग में रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञापन निकाला गया था लेकिन कुछ अब तक सूचना आयोग में कोई नियुक्ति नहीं हो पाई है। मामले की सुनवाई 19 अप्रैल निर्धारित की गई है।

ट्रेन में मजदूरो के भीड़ के मद्देनजर आरपीएफ ने चलाया जागरूकता अभियान

सहरसा, (हि.स.)। केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा मजदूर कल्याण के लिए चलायी जा रही विभिन्न योजनाओ के बाबजूद कोशी इलाके से मजदूरों का पलायन रुकने का नाम नही ले रहा है। गेहूं कटनी का समय आते ही पिछले चार दिनों से बड़ी संख्या मे मजदूर यात्रियों का पलायन शुरू हो गया है।ऐसे मे पुरबिया एक्सप्रेस, जनसेवा, जनसाधारण और गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन मजदूरों से बोगी खचाखच भरा रहता है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे आरपीएफ भी अलर्ट है। बुधवार को सहरसा आरपीएफ इंस्पेक्टर वंदना कुमारी के नेतृत्व में वैशाली एक्सप्रेस और जनसाधारण एक्सप्रेस में जागरूकता अभियान चलाया गया। आरपीएफ ने यात्रियों को घूम घूम कर नशा खुरानी गिरोह से बचाव के लिए जागरूक कर यात्रियों को लाउडस्पीकर से उदघोषणा कर अपील की जा रही है। ट्रेन में अगर कोई सहयात्री भगवान के नाम पर प्रसाद दे तो उसे ग्रहण न करें।क्योकि उसमें जहर हो सकता है।इसके अलावा ट्रेनों में अधिक भीड़ को देखते हुए पायदान पर यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई। जागरूकता अभियान में एएसआई महेश कुमार सिंह, आरपी यादव, हेड कांस्टेबल जितेंद्र प्रसाद और रणवीर कुमार आदि मौजूद थे।

यूपी की स्वार और छानबे विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

लखनऊ, (हि.स.)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के साथ ही उत्तर प्रदेश की दो सीटों पर उपचुनाव की भी घोषणा हुई है। भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को उत्तर प्रदेश की स्वार और छानबे विधानसभा सीट पर उपचुनाव का ऐलान किया। इन दोनों सीटों पर मतदान 10 मई को होगा और 13 मई को मतगणना होगी। इन दोनों सीटों के लिए 13 अप्रैल से नामांकन शुरू होगा। चुनाव लड़ने के इच्छुक व्यक्ति 20 अप्रैल तक नामांकन भर सकेंगे और 21 को नामांकन पत्रों की जांच होगी। नाम वापसी की अंतिम तारीख 24 अप्रैल है। 10 मई को मतदान होगा और 13 को परिणाम आएंगे। रामपुर जिले की स्वार विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम विधायक चुने गए थे। उनके अयोग्य घोषित होने के बाद यह सीट रिक्त हुई थी। अब्दुल्ला आजम को हेट स्पीच मामले में कोर्ट से सजा हुई थी। सजा होने के बाद विधानसभा सचिवालय ने स्वार सीट को रिक्त घोषित किया था। अब निर्वाचन आयोग ने इस सीट पर उपचुनाव का ऐलान किया है। मीरजापुर जिले की छानबे विधानसभा सीट अपना दल (एस) के विधायक राहुल कौल के निधन के कारण रिक्त हुई थी। गंभीर बीमारी से पीड़ित राहुल कौल का निधन हो गया था। अब इस सीट पर उपचुनाव का ऐलान हुआ है। अपना दल(एस), भाजपा-नीत राजग का घटक दल है।

सारस को बचाने वाले को करें सम्मानित: अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एक बार फिर सारस को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने सारस को बचाने वाले उसके दोस्त को सारस-मित्र से सम्मानित करने की बात कही है। अखिलेश ने अपने आधिकारिक ट्वीटर अकाउंट से ट्वीट किया है। उन्होंने कहा कि उप्र की भावना प्रधान जनता की भाजपा सरकार से अपेक्षा है कि राज्य पक्षी सारस को राजनीतिक विद्वेष की प्रताड़ना के बंधन से मुक्त करके प्राकृतिक वातावरण में भेजा जाए। सारस को बचाने वाले को सारस-मित्र के रूप में सम्मानित किया जाए। सरकार चाहे तो इसके लिए जनमत करवाकर देख ले।

सदन में बातों को म्यूट कर देंगे लेकिन बाहर उनकी आवाज को नहीं रोक पाएंगे : अखिलेश प्रताप सिंह

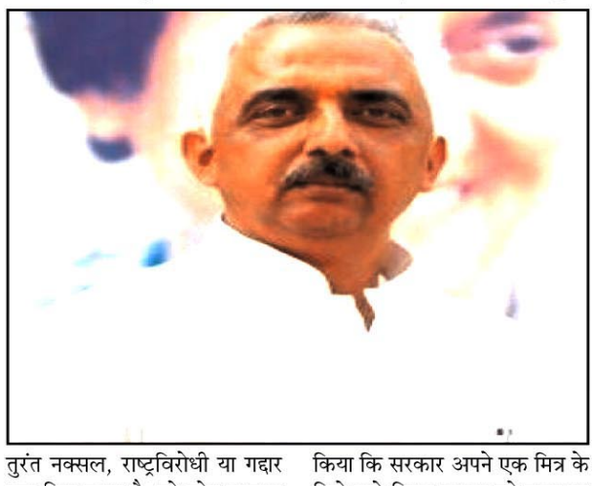

रांची, (हि.स.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अखिलेश प्रताप सिंह ने कहा कि राहुल गांधी जब तथ्यों के साथ सदन में मोदी सरकार से सवाल पूछते हैं तो उन सवालों के जवाब देने के बजाए उनकी आवाज को म्यूट कर दिया जाता है। सिंह बुधवार को कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आप सदन में बातों को म्यूट कर देंगे लेकिन बाहर उनकी आवाज को नहीं रोक पायेंगे। सिंह ने कहा कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार हो रहा है। लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है। ये बात हम नहीं पूरा देश और पूरा विपक्ष कह रहा है। ये दिखायी भी दे रहा है। प्रधानमंत्री हर दिन किसी न किसी तरीके से लोकतंत्र को क्षति पहुंचाने का काम कर रहे हैं। लोकतंत्र संवाद से मजबूत होता है, विचारों के अदान-प्रदान से मजबूत होता है। यही लोकतंत्र है। यदि आप प्रश्न कर रहे हैं तो सत्ता को वो नागवार गुजर रहा है, चाहे वो कोई नेता हो, सामाजिक संगठन हो उन्हें नीति के विरुद्ध माना जा रहा है। उन्हें तुरंत नक्सल, राष्ट्रविरोधी या गद्दार कह दिया जाता है, जो लोग सरकार की बातों से असहमत हैं उनपर आरोप लगाकर लोकतंत्र की मूल जड़ों को कमजोर किया जा रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि इस देश की संपदा को लूटा जा रहा है और सरकार उनपर कार्रवाई करने की जगह उन्हें संरक्षण दे रही है। राहुल गांधी सदन के बाहर और अंदर भारी अनियमितता को लेकर सवाल खड़ा किया कि सरकार अपने एक मित्र के लिये सारे नियम कानून को ताख पर रख दिया। देश की संपत्ति को उसके हवाले कर रही है। सरकार की नैतिक जिम्मेवारी होती है कि जांच कराये। उन्होंने कहा कि इनका मित्र देश से बड़ा हो गया है। स्थिति यह है कि देश को लूटने वाले के साथ पूरी सरकार खड़ी है। सिंह ने कहा कि सदन में राहुल गांधी ने अडानी पर सवाल पूछा तो उनकी सदस्यता खत्म कर दी गयी।

मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव-गांव पहुंचे एसपी, ग्रामीणों से ली जानकारी

बेगूसराय, (हि.स.)। चैती दुर्गा पूजा, रामनवमी और रमजान शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न कराने के लिए पूरा जिला प्रशासन सड़क पर उतर आया है। जिलेभर के चिन्हित 172 जगहों पर जहां विशेष नजर रखी जा रही है। वहीं, 228 जगहों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारी के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के सभी अधिकारी और कर्मचारी अलर्ट पर हैं। सोशल मीडिया सहित तमाम पहलुओं पर गंभीरता से नजर रखी जा रही है। इधर, बेगूसराय पुलिस द्वारा विभिन्न जगहों पर मोटरसाइकिल रैली के माध्यम से शांतिपूर्वक पर्व संपन्न करने की अपील की जा रही है। एसपी योगेन्द्र कुमार ने खुद भी अन्य कर्मियों के साथ मोटरसाइकिल चलाते हुए रैली के माध्यम से प्रशासनिक सजगता का संदेश दिया। एसपी के नेतृत्व में मोटरसाइकिल रैली विभिन्न थाना क्षेत्र में निकाला गया। इस दौरान एसपी योगेन्द्र कुमार एवं सदर डीएसपी अमित कुमार ने रास्ते में विभिन्न जगहों पर रुक-रुक कर लोगों से गांव, समाज और इलाके की स्थिति की जानकारी ली। एसपी ने बताया कि बेगूसराय जिला वासियों को शांति एवं सौहार्द के साथ रामनवमी पर्व, चैती दुर्गा पूजा एवं रमजान पर्व मनाने का संदेश दिया गया है। सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी पर्व संपन्न कराने के लिए प्रशासन तैयार है। बेगूसराय पुलिस का कंट्रोल रूम नंबर 06243-230200 तथा साइबर सेल व्हाट्सएप नंबर 8540036840 एक्टिव है। इस पर किसी भी आमजन द्वारा सूचना देते ही त्वरित कार्यवाही की जाएगी।

संपादकीय

राहुल के जरिए विपक्षी एकता

राहुल गांधी की सांसदी रद्द किए जाने के तुरंत बाद ही विपक्षी एकता के शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। हालांकि यह अंतिम स्थिति नहीं है और औपचारिक गठबंधन फिलहाल बहुत दूर है, लेकिन जो बदलाव सामने दिखे हैं, वे भी महत्त्वपूर्ण हैं। करीब एक साल के अंतराल के बाद तृणमूल कांग्रेस ने अपने दो सांसदों को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े की बैठक में भेजा। हालांकि तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने संसदीय दल के नेताओं को बैठक से दूर ही रखा है, लेकिन घुटनों ने पेट की ओर मुडऩा शुरू कर दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री एवं 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) के अध्यक्ष चंद्रशेखर राव की, कांग्रेस के प्रति, तल्खी और विमुखता कुछ कम हुई है। उन्हें एहसास हो गया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दिल्ली सरकार के 'शराब घोटाले' में उनकी बेटी कविता को फंसा सकता है, लिहाजा वह जांच एजेंसियों के पूर्वाग्रह और दुरुपयोग से अकेले नहीं लड़ पाएंगे। लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की सांसदी खत्म करने का आदेश जारी किया, तो 'आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की प्रतिक्रिया सबसे आक्रामक थी। हालांकि माना जाता है कि कांग्रेस राजनीति में जो 'शून्य' पैदा कर रही है, 'आप' वहीं विकल्प देने की कोशिश कर रही है। कुछ महत्त्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं। राहुल के मुद्दे पर केजरीवाल का मूड कुछ बदला है, लिहाजा 'आप' के नेता भी विपक्षी खेमे में दिखने लगे हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी राहुल गांधी के पक्ष में बयान देते हुए लगभग वही जुबां बोली है, जो कांग्रेस और उसके सनातन विपक्षी साथी दल बोलते रहे हैं। सोमवार को नेता विपक्ष खडग़े के नेतृत्व में, काले कपड़े पहन कर, विपक्ष ने 'ब्लैक प्रोटेस्ट' किया और विजय चौक तक मार्च किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद सोनिया गांधी भी काली साड़ी पहन कर सडक़ पर उतरीं। खडग़े द्वारा आयोजित रात्रि-भोज में 17 विपक्षी दलों के नेताओं ने शिरकत की। साझा एहसास होने लगा है कि यदि 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को तगड़ी टक्कर देनी है, तो विपक्ष को अपने बौने मतभेद भुलाने होंगे और भविष्य की व्यापक राजनीति पर सोचना, चिंतित होना पड़ेगा। विपक्षी एकता का पहला संकेत कर्नाटक से मिल रहा है कि कांग्रेस और जद-एस के बीच अनौपचारिक गठबंधन लगभग तय है। औपचारिक मुहर बाद में लगेगी, लेकिन वे साझा तौर पर चुनाव में उतरेंगे और उम्मीदवार भी साझा होंगे। उनका आकलन है कि भाजपा को पराजित भी किया जा सकता है। बहरहाल राहुल गांधी के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण फैसला लोकसभा की आवास समिति ने लिया है कि पूर्व सांसद को सरकारी बंगला 22 अप्रैल तक खाली करना होगा। राहुल गांधी 2005 से 12, तुग़लक लेन वाले बंगले में रहते हैं। चूंकि उन्हें 'ज़ेड प्लस' सुरक्षा प्राप्त है, लिहाजा नया आवास सुरक्षा की दृष्टि से भी देखना होगा और सुरक्षा बल की सलाह भी महत्त्वपूर्ण होगी। दूसरे संकेत चुनाव आयोग से आ रहे हैं कि वह राहुल गांधी की खाली लोकसभा सीट-वॉयनाड-में उपचुनाव की शीघ्र ही घोषणा कर सकती है। राजनीति कांग्रेस और भाजपा दोनों के ही स्तर पर 'राष्ट्रीय' होने जा रही है, क्योंकि दोनों के आंदोलन देश भर में किए जाने हैं। आश्चर्य यह है कि राहुल गांधी ने निचली अदालत के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती क्यों नहीं दी? प्रियंका गांधी के कुछ बयान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आए हैं और प्रियंका ने चुनौती दी है कि उनके खिलाफ केस दर्ज कराया जाए। विपक्ष के 14 दलों ने ईडी और सीबीआई के खिलाफ एक याचिका सर्वोच्च अदालत में दी है। कांग्रेस नए सवाल उठा रही है कि अब ईपीएफओ का पैसा भी अडानी समूह की कंपनियों में क्यों निवेश किया जा रहा है?

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी राहुल गांधी के पक्ष में बयान देते हुए लगभग वही जुबां बोली है, जो कांग्रेस और उसके सनातन विपक्षी साथी दल बोलते रहे हैं। सोमवार को नेता विपक्ष खडग़े के नेतृत्व में, काले कपड़े पहन कर, विपक्ष ने 'ब्लैक प्रोटेस्ट' किया और विजय चौक तक मार्च किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद सोनिया गांधी भी काली साड़ी पहन कर सडक़ पर उतरीं। खडग़े द्वारा आयोजित रात्रि-भोज में 17 विपक्षी दलों के नेताओं ने शिरकत की। साझा एहसास होने लगा है कि यदि 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को तगड़ी टक्कर देनी है, तो विपक्ष को अपने बौने मतभेद भुलाने होंगे और भविष्य की व्यापक राजनीति पर सोचना, चिंतित होना पड़ेगा। विपक्षी एकता का पहला संकेत कर्नाटक से मिल रहा है कि कांग्रेस और जद-एस के बीच अनौपचारिक गठबंधन लगभग तय है। औपचारिक मुहर बाद में लगेगी, लेकिन वे साझा तौर पर चुनाव में उतरेंगे और उम्मीदवार भी साझा होंगे। उनका आकलन है कि भाजपा को पराजित भी किया जा सकता है। बहरहाल राहुल गांधी के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण फैसला लोकसभा की आवास समिति ने लिया है कि पूर्व सांसद को सरकारी बंगला 22 अप्रैल तक खाली करना होगा। राहुल गांधी 2005 से 12, तुग़लक लेन वाले बंगले में रहते हैं। चूंकि उन्हें 'ज़ेड प्लस' सुरक्षा प्राप्त है, लिहाजा नया आवास सुरक्षा की दृष्टि से भी देखना होगा और सुरक्षा बल की सलाह भी महत्त्वपूर्ण होगी।

कुछ अलग

हिमाचल में कितने 'जदरांगल'

एफसीए में अगर 588 केस लंबित हैं या विधायक प्राथमिकताओं की 230 सडक़ें केवल फाइल में बंद कवायद बनकर झूल रही हों, तो हिमाचल में सबसे बड़ी लुका-छिपी वन संरक्षण अधिनियम कर रहा है। इसी बीच खबर यह भी कि उपमंडल स्तर पर खुलने वाले डे-बोर्डिंग स्कूलों को भी वन भूमि की परिक्रमा में उजाले का इंतजार है। विस्तार से देखें तो हिमाचल की हर योजना-परियोजना के गले में वन संरक्षण अधिनियम का सांप लटक जाता है। जाहिर है इससे एक विकृत राजनीति पैदा होती है और जिसकी जद में कुछ परियोजनाएं हलाल की जाती हैं। पर्यावरण संरक्षण के नाम पर हिमाचल को मिली शोहरत का हिसाब यह कि इसके हर पहलू में कानून की घुसपैठ है। इससे न केवल परियोजना की लागत पर असर पड़ता है, बल्कि कई बार उद्देश्य भी हार जाता है। हिमाचल में अब मसला विकास का नहीं, बल्कि विकास के लिए उचित स्थल पर जमीन की खोज है। इसके लिए हार्ड व सॉफ्ट कार्यों की गुंजाइश में वन भूमि को देखना व परखना होगा। हिमाचल में वनों का साम्राज्य पर्यावरण की रक्षा नहीं कर रहा, बल्कि मानवीय उत्कंठा को रोक रहा है। क्या यह अध्ययन जरूरी नहीं कि जंगलात महकमे की नीतियों के कारण कितने पशु आवारा हुए या वन्य प्राणियों ने क्यों वन छोड़े। वन क्षेत्र के अधीन आई तमाम चरागाहों ने मानवीय जीवन चक्र को किस हद तक कुप्रभावित किया है। दूसरी ओर सभी जंगल आवश्यक नहीं या ऐसी जमीन पर वन पैदा करने के बजाय रोजगार पैदा करने के अवसर ढूंढना कहीं अधिक आवश्यक था। हमीरपुर, ऊना, कांगड़ा, बिलासपुर, सिरमौर, मंडी व चंबा जिलों के कई ऐसे क्षेत्रों को जंगल के अधीन किया जा चुका है, जो अन्यथा हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने की संभावनाओं को पुष्ट कर देते। दरअसल हिमाचल के 70 प्रतिशत हिस्से को वनों के अधीन लाकर राज्य ने अपनी आत्मनिर्भरता को बंदी बना दिया है। विचार करें कि अगर वन संरक्षण अधिनियम की शर्तें ब्रिटिश पीरियड से लागू होतीं, तो क्या हिमाचल आज इस जगह पहुंचता। क्या शिमला जैसे शहर का उदय हो पाता। हमें बेशक जंगल के जरिए जीने के कई आश्वासन मिलते हैं, लेकिन जहां वन खुराफाती हैं, वहां रियायत की जरूरत है। अगर हम विधानसभा क्षेत्रों में डे-बोर्डिंग स्कूल, अस्पताल, बस स्टैंड, खेल मैदान, सडक़ या श्मशानघाट तक के लिए वनापत्तियों में उलझे रहेंगे, तो इससे केवल गंदी सियासत ही पैदा होगी। धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय पर हो रही सियासत के 14 साल इस बात के सबूत हैं कि चंद नेताओं ने वन की ढाल में अपनी संकीर्णता को छुपाने का प्रयास किया है।

उच्च शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों को शिक्षकों की नियुक्ति पर खास ध्यान देना होगा

उच्च शिक्षा में सुधार कैसे हो?

डा. वरिंदर भाटिया

दुनिया में 900 से अधिक विश्वविद्यालयों का सबसे बड़ा आधार होने के बावजूद, भारत से केवल 15 उच्च शिक्षा संस्थान शीर्ष 1000 में हैं। यह भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक खतरनाक संकेत है। भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद, छात्रों के मामले में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी है। यद्यपि उच्च शिक्षा का 75 प्रतिशत निजी क्षेत्र में है, सर्वोत्तम संस्थान, जैसे आईआईटी, आईआईएम, एआईआईएमएस व एनएलएस, सभी सरकार द्वारा स्थापित किए गए हैं। आज भी देश के कई कॉलेज और विश्वविद्यालयों में योग्य शिक्षक नाम मात्र के हैं। उनके स्थान पर आज भी अप्रशिक्षित या अस्थाई शिक्षकों की सिर्फ और सिर्फ पैसे बचाने के फेर में अल्प वेतन में सेवाएं ली जा रही हैं। यह उच्च शिक्षा के लिए मीठा जहर है। इसके लिए राज्य सरकारों को सक्षम स्तर पर निरीक्षण करवाकर खामियां दूर की जानी चाहिए।

उच्च शिक्षा की बदहाल सूरत को लेकर देश का बिहार राज्य ख़बरों में है। ताजातरीन तथ्य बताते हैं कि बिहार में चल रही 14 में से 8 यूनिवर्सिटीज और 591 में से 427 कॉलेजों को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) की मान्यता तक नहीं है। अनेक विश्वविद्यालय मनमानी पर उतारू हैं। बीआर, बिहार यूनिवर्सिटी मुजफ्फरपुर और जेपी यूनिवर्सिटी छपरा ने नियम विरुद्ध कई कॉलेजों को संबद्धता दे दी, जबकि उनके पास पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर तक नहीं थे। तिलका मांझी यूनिवर्सिटी में प्री पीएचडी में 354 फेल छात्रों को गलत ढंग से ग्रेस मार्क्स देकर पास कर दिया गया। पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी में दो एजेंसियों को नियम तोड़ टेंडर दे दिए। जांच करने पर ऐसे ही हालात देश की अनेक यूनिवर्सिटीज में पाए जा सकते हैं। इसके लिए उच्च शिक्षा सुधारों को पहल पर लिया जाना होगा। दुनिया में 900 से अधिक विश्वविद्यालयों का सबसे बड़ा आधार होने के बावजूद, भारत से केवल 15 उच्च शिक्षा संस्थान शीर्ष 1000 में हैं। यह भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए एक खतरनाक संकेत है। भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद, छात्रों के मामले में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी है। यद्यपि उच्च शिक्षा का 75 प्रतिशत निजी क्षेत्र में है, सर्वोत्तम संस्थान, जैसे आईआईटी, आईआईएम, एआईआईएमएस व एनएलएस, सभी सरकार द्वारा स्थापित किए गए हैं। आज भी देश के कई कॉलेज और विश्वविद्यालयों में योग्य शिक्षक नाम मात्र के हैं। उनके स्थान पर आज भी अप्रशिक्षित या अस्थाई शिक्षकों की सिर्फ और सिर्फ पैसे बचाने के फेर में अल्प वेतन में सेवाएं ली जा रही हैं। यह उच्च शिक्षा के लिए मीठा जहर है। इसके लिए राज्य सरकारों को सक्षम स्तर पर निरीक्षण करवाकर खामियां दूर की जानी चाहिए। उच्च शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए राज्य सरकारों को शिक्षकों की नियुक्ति पर खास ध्यान देना होगा। शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण है। ज्ञानवान योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और सेवा बनाए रखना महत्वपूर्ण है। ऐसे शिक्षकों को छात्रों के लिए रोल मॉडल बनाने के रूप में पेश करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही उच्च शिक्षण संस्थाओं में मूल्यांकन सुधार की भी आवश्यकता है। निश्चित रूप से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता वर्तमान की प्रमुख समस्या है। यह गुणवत्ता मुख्यतः तीन स्तंभों पर आधारित है। बुनियादी ढांचा, कुशल फैकल्टी और नवाचार प्रक्रिया। इसको बनाये रखने के लिए सरकारी स्तर पर भी उच्च शिक्षण संस्थाओं को समय-समय पर दिशा निर्देश देकर उनकी

प्रभावी मॉनिटरिंग करनी चाहिए, ताकि युवा वर्ग को समय पर रोजगार और नौकरी के अवसर मिल सकें। वर्तमान दौर में शिक्षा को संकुचित अर्थ में सरकारी सेवाओं में जाने का साधन माना जा रहा है, जबकि शिक्षा का व्यापक अर्थ मानव का सर्वांगीण विकास है। कभी नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों के लिए चर्चित रहे भारत में आज उच्च शिक्षा की गुणवत्ता क्यों सवालों के घेरे में है। राज्य सरकारों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर काम करने की आवश्यकता है। भारत गांवों का देश है। इसलिए सरकार को शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार के लिए उनको गांवों से शुरुआत करनी चाहिए। अकादमिक नेतृत्व में व्यक्तिवादी लक्षण भी होते हैं जबकि अकादमिक नेतृत्व सहयोगी और परिवर्तनकारी कौशल की मांग करता है। शैक्षणिक उत्कृष्टता शिक्षण, अनुसंधान और अकादमिक प्रशासन में एकीकृत कौशल की मांग करती है। लेकिन विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति/संस्थापक और उनका समर्थन करने वाले मानव संसाधन नेताओं में इस क्षमता का अभाव है। उच्च शिक्षा में चयन के लिए साक्षात्कार अक्सर औपचारिक होते हैं। वरिष्ठ पदों के लिए केवल 30 मिनट का समय केवल उम्मीदवार के पिछले अनुभव पर ध्यान केंद्रित करता है जिसमें उनके अकादमिक नेतृत्व गुणों का आकलन करने के लिए कोई प्रमुख प्रश्न नहीं होता है। इसे सुधार लिया जाना चाहिए। अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों में उच्च शिक्षा प्रशासन का काम हौसला तोडऩे वाला भी होता है, क्योंकि वे भागीदारी, जवाबदेही, पारदर्शिता, आम सहमति और समावेश जैसी विशेषताओं की उपेक्षा करते हैं। भारतीय शिक्षा का प्रबंधन अति-केंद्रीकरण, नौकरशाही संरचनाओं और जवाबदेही की कमी, पारदर्शिता और व्यावसायिकता की चुनौतियों का सामना करता है। उच्च शिक्षा प्रशासन अपने मामलों में कोई राजनीतिक प्रभाव या हस्तक्षेप नहीं चाहते हैं। प्रमुख राजनीतिक नेता अब विश्वविद्यालयों के शासी निकायों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। क्या इसे ठीक किया जा सकता है? दुर्भाग्य से निजी तौर पर संचालित अधिकांश उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रवर्तक लोगों के बजाय भवनों, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में निवेश करते हैं। उन्हें इस बात का ज़रा भी एहसास नहीं है कि विद्यार्थी प्रेरणा देने वाले शिक्षकों से सीखते हैं न कि इमारतों से। उच्च शिक्षा संस्थानों को अकादमिक और प्रशसनिक मामलों में कंप्यूटर और हाई-स्पीड इंटरनेट तकनीक को अपनाना होगा। हमारे शैक्षिक वितरण तंत्र को मानव पूंजी की संपत्ति को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। राज्य सरकारों को तकनीकी अवसंरचना में अधिक निवेश करना चाहिए जिससे ज्ञान की पहुंच आसान हो सके। राज्य सरकारों को मानदंड पूरा न करने वाले कॉलेज व विश्वविद्यालयों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उच्च शिक्षा में शिक्षक का अहम रोल है। हमारे समाज में एक शिक्षक एक उद्यमी और निर्माता होता है। लेकिन किसी भी शिक्षक का प्रदर्शन कक्षा तक सीमित नहीं होना चाहिए। शिक्षण कार्य को व्यापक रूप से सुरक्षित, अच्छी तनख्वाह वाली और जोखिम मुक्त नौकरी माना जाता है। कुछ शिक्षक बदलना नहीं चाहते हैं। जैसे-जैसे वे अनुभवी होते जाते हैं, वे असंवेदनशील हो जाते हैं और छात्रों की प्रकृति और जरूरतों के बारे में भी नहीं सोचते हैं। इसके लिए सभी शिक्षकों को आत्म दर्शन की जरूरत रहेगी। उच्च शिक्षा सुधारों के वृहद एजेंडे के तहत राज्य सरकारों को भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों और शीर्ष अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना चाहिए। सरकार को बेहतर गुणवत्ता और सहयोगी अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं और शीर्ष संस्थानों के अनुसंधान केंद्रों के बीच संबंध बनाने चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों को छात्रों को सक्षम नागरिक बनाने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षा प्रणाली के शीर्ष पर होने के नाते विश्वविद्यालयों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य रखने का प्रयास करना चाहिए। उच्च शिक्षा किसी भी राष्ट्र के समग्र विकास का मूलभूत आधार है। नई शिक्षा नीति और नई तकनीक से शिक्षा से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ सकती है। आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक इस क्षेत्र में प्रयोग और उपयोग काफी कारगर साबित होगा। उच्च शिक्षा में सुधारों में तेजी लाने के लिए दो चीजें आवश्यक हैं। पहली कॉलेज पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अपडेट किया जाए और दूसरा कौशल आधारित शिक्षा पर ध्यान दिया जाए। पाठ्यक्रम को नियमित रूप से अपडेट करने से विद्यार्थियों को समय के साथ बदलते हुए परिवर्तन का ध्यान रहेगा।

सीय-राम-मय सब जग जानी

सांसारिक जीवन में मद, काम, क्रोध और मोह आदि से अनेक तरह के कष्ट होते हैं और उदात्त वृत्तियों के विकास में व्यवधान पड़ता है। रामचरितमानस में इन स्थितियों का वर्णन करते हुए गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि जब-जब धर्म का ह्रास होता है, नीच और अभिमानी राक्षस बढ़ जाते हैं और अन्याय करने लगते हैं, पृथ्वी और वहाँ के निवासी कष्ट पाते हैं तब-तब कृपानिधान प्रभु भाँति-भाँति के दिव्य शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं। एक भक्त के रूप में तुलसीदास जी का विश्वास है कि सारा जगत राममय है और उनके मन में बसा भक्त कह उठता है सीय राममय सब जग जानी करहुं प्रणाम जोरि जुग पानी। सारे जगत में चारों ओर राम को देखना भक्ति की पराकाष्ठा भी है और समदर्शी हो कर ऊपर से दिखने वाले विरोधों और उनसे उपजने वाली विपदाओं से उबरने का उपाय भी। आज के दौर में समानता से ज्यादा अनोखे, अद्वितीय, सबसे अलग, औरों से कुछ हट कर खुद को दिखने-दिखाने का रिवाज जोरों पर चल पड़ा है। वेश-भूषा, आचार-विचार, बात-व्यवहार सबमें अपने लिए आत्यंतिक फर्क साबित करना आज श्रेष्ठता का मानदंड होता जा रहा है। हम विविधता का उत्सव मनाने को सदैव व्याकुल रहने लगे हैं।

श्रीराम विष्णु के अवतार हैं। सृष्टि के कथानक में भगवान विष्णु के अवतार लेने के कारणों में भक्तों के मन में आए विकारों को दूर करना, लोक में भक्ति का संचार करना, जन-जन के कष्टों का निवारण और भक्तों के लिए भगवान की प्रीति पा सकने की इच्छा पूरा करना प्रमुख हैं। सांसारिक जीवन में मद, काम, क्रोध और मोह आदि से अनेक तरह के कष्ट होते हैं और उदात्त वृत्तियों के विकास में व्यवधान पड़ता है। रामचरितमानस में इन स्थितियों का वर्णन करते हुए गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं कि जब-जब धर्म का ह्रास होता है, नीच और अभिमानी राक्षस बढ़ जाते हैं और अन्याय करने लगते हैं, पृथ्वी और वहाँ के निवासी कष्ट पाते हैं तब-तब कृपानिधान प्रभु भाँति-भाँति के दिव्य शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं। एक भक्त के रूप में तुलसीदास जी का विश्वास है कि सारा जगत राममय है और उनके मन में बसा भक्त कह उठता है सीय राममय सब जग जानी करहुं प्रणाम जोरि जुग पानी। सारे जगत में चारों ओर राम को देखना भक्ति की पराकाष्ठा भी है और समदर्शी हो कर ऊपर से दिखने वाले विरोधों और उनसे उपजने वाली विपदाओं से उबरने का उपाय भी। आज के दौर में समानता से ज्यादा अनोखे, अद्वितीय, सबसे अलग, औरों से कुछ हट कर खुद को दिखने-दिखाने का रिवाज जोरों पर चल पड़ा है। वेश-भूषा, आचार-विचार, बात-व्यवहार सबमें अपने लिए आत्यंतिक फर्क साबित करना आज श्रेष्ठता का मानदंड होता जा रहा है। हम विविधता का उत्सव मनाने को सदैव व्याकुल रहने लगे हैं। औरों से अलग होना निश्चय ही बहुमूल्य होता है क्योंकि वह नवीनता लाता है। नवीनता मन के लिए रमणीय होती है और इसलिए वह प्रिय भी हो जाता है। नए, यानी जो पहले से भिन्न या अपूर्व है, उसे मौलिक कहा जाता है। उसे समाज में आदर मिलता है और पुरस्कृत भी किया जाता है। कहते हैं सृजनात्मक होने के लिए किसी

चीज़ को मौलिक, उपयोगी और प्रासंगिक होना चाहिए। अस्तित्व की मौलिक एकता से विविधता की ओर आगे बढ़ती मनुष्य की दिग्विजय यात्रा निश्चय ही मोहक और चित्ताकर्षक है। परंतु भिन्नता के अति आग्रह या दुराग्रह कुछ कठिन सवाल भी खड़ा करने लगता है क्योंकि सिर्फ़ विविधता और भिन्नता की सिद्धि के लिए विविधता को बढ़ाते जाने से जीवन-यात्रा नहीं सधती। धरती पर जिस भौतिक दुनिया में हम रहते हैं वहाँ बड़ी भारी मात्रा में नाना प्रकार के पदार्थ मौजूद हैं और वे सभी अपने गुण धर्म में एक दूसरे से अलग भी हैं। मनुष्य जीवन के स्तर पर भाषा, धार्मिक विश्वास, खान-पान आदि में भी यह विविधता व्याप्त है। यह विविधता जिस तरह बढती जा रही है उसका कोई ओर-छोर नहीं दिखता। इसलिए उसकी गणना करना आसान नहीं है। इंद्रियानुभव पर ज़ोर देने वाले वैज्ञानिक युग में इस तरह के विश्लेषण की अंतहीन सम्भावनाएँ हैं और उसके तरह-तरह के परिणाम भी होते हैं। हमारा शरीर भी अन्यान्य अंगों और उपांगों से बना है और वे सभी भिन्न-भिन्न कार्य करते हैं। हाथ, पैर, आँख, नाक और कान न केवल अपनी रचना में एक दूसरे से भिन्न हैं बल्कि इन सबका अलग-अलग उपयोग है और सामान्यतः एक दूसरे की जगह भी नहीं ले सकते। ये सभी स्वभावतः भौतिक जगत के भिन्न-भिन्न विषयों से जुड़े होते हैं। यह विविधता अनेक तरह के कार्यों को सम्पादित करना सम्भव बनाती है। निश्चय ही क्षमता का यह विस्तार जीवनी शक्ति या प्राणवत्ता से अनिवार्य रूप से जुड़ी होती है। इस तरह विविधता के अंतर्सम्बन्ध को पहचानना जीवन के अस्तित्व के लिए अनिवार्य है। भिन्नता पैदा करना या भेद देखना चीजों को एक को दूसरे के विपरीत खड़ा करता है। इससे उपजने वाला अलगाव दूरियाँ पैदा करता है और हम जो भिन्न है उसमें दोष-दर्शन करने लगते हैं। दूसरी ओर जो समान लगता है उससे स्नेह, निकटता और मित्रता का रिश्ता बनाने लगाते हैं। धीरे-धीरे समय के साथ भिन्न छिजें कब खिसक कर विरोध के ख़ेमे में पहुँच जाती हैं इसका अंदाज़ा ही नहीं लगता। आज की दुनिया की प्रमुख समस्याएँ भिन्नता और विरोधजनित असंतोष, तनाव और हिंसा के रूप में उभरती दिख रही हैं। अलग नाम का उपयोग पहचान के लिए होता है परंतु यदि वह किसी लाभ से जुड़ जाय तो वह अलगाव का आधार बन कर समानता पर छा जाता है। जब 'मैंपन' का अहसास तीव्र होता है और हम अपने अकेले मैं को सबसे परे और सबके ऊपर रखने के लिए उद्यत होते हैं तो समानता ढँकती और बिसरती जाती है। दूसरी ओर भिन्नता प्रखर होती जाती है। तब हम भिन्नता को बचाए और बनाए रखने की कोशिश में लग जाते हैं। मैं के अखंड विस्तार में जो मेरा है उससे जो भिन्न या ममेतर है उसके साथ टकराव खड़ा हो जाता है। मैं का अहंकार फुंफकार मारता है। उसे 'अन्य' फूटी आँख भी नहीं सुहाता और तब द्वंद्व का बीजारोपण होता है और कलह की पौध पनपती है। एक और अनेक के बीच के रिश्ते राचीन काल से मनुष्य की सोच के केंद्र में रही है। पुरा काल के सृष्टि के आख्यानों में एक यह भी है की ईश्वर या परमात्मा को अकेले अच्छा नहीं लग रहा था (स एकाकी न रमते) और तब उसने एक से अनेक होने की इच्छा की (एकोहं बहुस्याम्) और फिर जो भी दूसरा रचा गया उसमें वह स्वयं प्रवेश कर गया। इस आख्यान का एक आशय परमात्मा की उपस्थिति की व्याप्ति को दर्शाना है। ईशावास्योपनिषद भी यही कहता है – ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किंचित जगत्यां जगत्- अर्थात् यह दुनिया ईश्वर की वासस्थली है। इसलिए यहाँ हर जगह ईश्वर की उपस्थिति है। इस विचार की पराकाष्ठा शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत में हुई जिसमें यह प्रतिपादित किया गया- सर्वं खल्विदम् ब्रह्म – अर्थात् जो कुछ है वह ब्रह्म ही है। सर्वव्यापी ब्रह्म, ईश्वर या परमात्मा की संकल्पना जीवन जीने के लिए एक सुदृढ़ आधार प्रदान करती है। गोस्वामी तुलसीदास जी भी जगत को सीय-राममय कह कर भी सम्भवतः यही भाव व्यक्त कर रहे हैं। वे 'सारा जगत एक ही तत्व वाला है या एक ही तत्व का प्रकाश है' इस विचार की प्रतिष्ठा करते दिखते हैं। वस्तुतः यह मान कर ही सृष्टि मात्र में गुणवत्ता और शक्ति की प्रतिष्ठा हो सकेगी और हम उनका वास्तविक मूल्य समझ सकेंगे। आज हम पृथ्वी, जल, वायु आदि सभी को उपभोग्य वस्तु और खुद को उपभोक्ता मान कर बिना विचारे बहिचक उनका शोषण करते हैं। यह अलग बात है कि अब इस स्वार्थ वृत्ति का हानिकर पहलू उभर कर सामने आने लगा है। यदि पूरा जगत राममय है तो वह भी श्रीराम की ही तरह पूजनीय और वंदनीय हैं। श्रीराम सत्य, तप, तितिक्षा, संतोष, धैर्य, धर्मपरायणता की प्रतिमूर्ति है। श्रीराम का भाव परदुःखकातरता के साथ प्रतिष्ठित है। राममय होने के साथ यह आशा भी बलवती होती है कि राम के अनुगामियों में इन सब सद्गुणों की वृद्धि होगी। दायित्व आने के साथ शक्ति की उपस्थिति होगी। विरोध और वैमनस्य की जगह आदर और सम्मान ले लेते हैं।

नागरिक बोध

देश मे जलवायु परिवर्तन का अहसास करा रही है गर्मी

देश मे कई राज्यो में ओलावृष्टि, बारिश और अतिवृष्टि से किसानों की परेशानी बढ़ा दी है।बेमौसम बारिश से किसानों की फसले चौपट हो गई है।तापमान का उतार चढ़ाव लोगो के जीवन पर भारी पड़ने लगा है। अचानक बढ़ती गर्मी से बीमारियों की आशंका जताई जा रही है।कई राज्यो में कोरोना महामारी के केस बढ़ रहे है तो कई राज्यो में मौसम सर्द है। मार्च में बढ़ती गर्मी से जनजीवन पर असर हुआ है। हिमाचल में ओलावृष्टि से जनजीवन पर प्रभावित हुआ है। तापमान का बदलाव सामान्य नही है। भले ही इसी जलवायु परिवर्तन की आदतन माने लेकिन इसमें खतरे की दस्तक जरूर है। लोगो के स्वास्थ्य पर चिंता का सबब बनता जा रहा है। तापमान में आ रहे भारी बदलावों से लोगो के जीवन पर असर पड़ रहा है।कई सर्द तो कई गर्म हवाओं के थपेड़ों ने गीष्म ऋतु की शुरुआत मार्च में ही कहर बरपाना शुरू कर दिया है। अभी गर्मी के तेवर बाकी है लेकिन कई राज्यो में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। उतर, मध्य और पश्चिमी राज्यो में बारिश से फसलें नष्ट हुई है। वही मौसमी बीमारियों का भय भी बरकरार है। अभी कोरोना गया नही है। इस बार गर्मी मार्च में ही शुरू हो गई है। देश मे पहाड़ी राज्यो के मौसम में बारिश और ओलावृष्टि से नुकसान हुआ है। वहा तापमान निम्न स्तर पर है। इस बार उतर भारत मे बारिश की धीमी बूंदाबांदी से गर्मी से कुछ राहत मिली है। लेकिन गर्मी का भीषण दौर अभी बाकी है।इस वर्ष अनूमान लगाया जा रहा है कि गर्मी तेज थपेड़ो के साथ बढ़ती हुई प्रतीत हो रही है। जलवायु परिवर्तन और ग्लोबिंग वार्मिंग के जो खबरे पिछले ढाई दशक से चर्चाओं में रहे है। अब साफ दिखाई पड़ने लगे है। ग्लोबिंग वार्मिंग के लिए कोई देश गंभीर नही है ग्लेशियर के पिघलने की इस आपदा के लिए किसी को चिंता नही है। आफत सिर पर आने के बाद सरकारे जागेगी।तब बहुत देर हो चुकी होगी।

देश दुनीया से

आर्थिक असमानता की समस्या व समाधान

भारत में आर्थिक असमानता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इस समस्या ने कुछ वर्षों से धनी और निर्धन के बीच की खाई को और चौड़ा कर दिया है। सरकार और सियासी पार्टियों को इस समस्या को गंभीरता से लेने की जरूरत है ताकि संसाधनों और धन का न्यायपूर्ण बंटवारा हो सके। आर्थिक असमानता की समस्या की गंभीरता का पता हमें नेशनल काउंसिल फॉर अप्लाइड इकोनामिक रिसर्च की रिपोर्ट से चलता है कि देश के 20 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की कुल आय का 53.2 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि नीचे के 40 प्रतिशत लोगों के पास कुल आय का 5.3 प्रतिशत भाग है। एकाधिकार जांच आयोग के अनुसार देश की 1536 कंपनियां 75 परिवारों के नियंत्रण में हैं। अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण रिपोर्ट 2018 के अनुसार देश के 10 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की दौलत का 54.98 प्रतिशत था और नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास 5.65 प्रतिशत था। हाल ही में जारी की गई ऑक्सफैम अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट को देखें तो हमें वर्तमान समय में भारत में आर्थिक विषमता का पता चलता है। भारत की कुल दौलत का 40 प्रतिशत हिस्सा 1 प्रतिशत लोगों के पास है जबकि नीचे की 50 प्रतिशत जनता के पास कुल भारतीय दौलत का 3 प्रतिशत हिस्सा है। धनी वर्ग ने तो कोविड काल में भी पैसा ही अर्जित किया और अपेक्षाकृत कम विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की रोजी-रोटी चली गई और निर्धनता की ओर धकेल दिए गए। इससे अमीर और गरीब के बीच की खाई और चौड़ी हो गई। आय का असमान वितरण न केवल वर्तमान निर्धनता को प्रकट करता है, बल्कि धनी और निर्धन के बीच के अंतर को भी प्रकट करता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस समस्या की गंभीरता को देखकर वर्तमान वित्त मंत्री से आग्रह किया था कि भारत में बेरोजगारी, महंगाई और असमानता बढ़ी है, इसलिए 2023-24 के बजट में मध्यम वर्ग को रियायतें दी जाएं ताकि असमानता कम हो सके। जब संसाधनों और धन का न्याय पूर्ण बंटवारा न हो रहा हो तो सरकार और सियासी पार्टियों को इसके समाधान के लिए भारत के संविधान में दिए गए निर्देशक सिद्धांतों के अनुसार देश के आर्थिक नियोजन को मोड़ देकर, देश के धनी और गरीब के बीच की खाई को कम करना चाहिए। अनुच्छेद 37, 38, 39 में साफ लिखा है कि लोगों के लिए आर्थिक-सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है और भारत को कल्याणकारी राज्य के रूप में स्थापित करना है। आय, स्थिति, सुविधाओं तथा अवसरों में असमानता को कम करके सामाजिक व्यवस्था को सुरक्षित एवं संरक्षित कर लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने का प्रयास करना है। सभी नागरिकों को आजीविका के पर्याप्त साधन, भौतिक संसाधनों के स्वामित्व और नियंत्रण को सामान्य जन की भलाई के लिए व्यवस्थित करना है। कुछ व्यक्तियों के पास धन को संकेंद्रित होने से बचाना है। इन निर्देशक सिद्धांतों को किसी न्यायालय के जरिए लागू नहीं करवाया जा सकता, पर यह राजनीतिक स्वरूप रखते हैं तथा मात्र नैतिक अधिकार रखते हैं ताकि जनता का भला हो सके। जब ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है तो धन के वितरण को अधिक न्याय संगत बनाने के लिए हमें आर्थिक नियोजन को निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप करना है ताकि मुक्त बाजार व्यवस्था को सामाजिक लाभ के साथ मिश्रित कर, सरकार आर्थिक विकास और सामाजिक संतुष्टि के बीच आदर्श संतुलन बनाए। विकास में असमानताएं घटने की बजाय बढ़ ही रही हैं। अगर असमानता बढ़ती है तो गरीबी बढ़ती है, गरीबी का असमानता के साथ-साथ बेरोजग़ारी के साथ भी घनिष्ट संबंध है। अगर रोजगार का स्तर बढ़ाएंगे तो गरीबी तथा असमानता दूर की जा सकती है। भारत को लाभजनक कंपनियों को निजी हाथों में न देने की बजाय सार्वजनिक क्षेत्र में ही रखना चाहिए। भारत का मिश्रित अर्थव्यवस्था की तरफ मुडऩा अब जहां मुश्किल लगता है, पर इस ओर ध्यान देना आवश्यक है ताकि कल्याणकारी कार्यक्रमों से गरीबों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े लोगों और साथ में महिलाओं का आर्थिक व सामाजिक विकास किया जा सके।

आर्थिक असमानता की समस्या की गंभीरता का पता हमें नेशनल काउंसिल फॉर अप्लाइड इकोनामिक रिसर्च की रिपोर्ट से चलता है कि देश के 20 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की कुल आय का 53 .2 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि नीचे के 40 प्रतिशत लोगों के पास कुल आय का 5 .3 प्रतिशत भाग है। एकाधिकार जांच आयोग के अनुसार देश की 1536 कंपनियां 75 परिवारों के नियंत्रण में हैं। अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण रिपोर्ट 2018 के अनुसार देश के 10 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की दौलत का 54 .98 प्रतिशत था और नीचे के 50 प्रतिशत लोगों के पास 5 .65 प्रतिशत था।

पूर्व अमेरिकी राजनयिक की टिप्पणियों ने बढ़ा दिया है पाकिस्तान सरकार का सिरदर्द

इस्लामाबाद ।

शहबाज शरीफ सरकार अमेरिका से मिल रहे संकेतों से परेशान है। यहां आम धारणा बनी है कि अमेरिका सरकार परोक्ष रूप से पाकिस्तान सरकार को उसके भटकावों को लेकर आगाह कर रही है। कई पर्यवेक्षक इस घटनाक्रम को अमेरिका और चीन से साथ-साथ सौदेबाजी करने की शहबाज शरीफ सरकार के रुख से जोड़ कर देख रहे हैं।

पूर्व अमेरिकी राजनयिक जालमी खलीजाद दो बार ऐसी बातें कह चुके हैं, जिन्हें पाकिस्तान के अंदरूनी मामलों में दखल समझा गया है। बाइडन प्रशासन ने अपनी औपचारिक बयान में खलीजाद की इन टिप्पणियों को उनका निजी विचार बता कर खुद को अलग दिखाने की कोशिश की है। लेकिन पर्यवेक्षक पाकिस्तान की अंदरूनी घटनाओं पर खलीजाद की टिप्पणियां को सिर्फ इस रूप में देखने को तैयार नहीं हैं। खलीजाद अमेरिका के वरिष्ठ राजनयिक रह चुके हैं। वे उस समय अफगानिस्तान मामलों में अमेरिका सरकार के मुख्य सलाहकार थे, जब वहां अमेरिकी सेना बड़े युद्ध अभियानों में जुटी हुई थी। अपने ताजा बयान में खलीजाद ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में गृह मंत्री राना सलाउल्लाह की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की है। सनाउल्लाह ने कहा था कि अब 'या तो इमरान खान रहेंगे या मैं (यानी सनाउल्लाह)।' खलीजाद ने इस बयान को हिंसा भड़काने की कोशिश बताया है। उन्होंने कहा कि कानून का पालन करने वाले हर पाकिस्तानी को ऐसे बयानों को ठुकरा देना चाहिए। सनाउल्लाह ने कहा था कि अब देश में सियासी हालत उस मुकाम पर पहुंच गई है, जिसमें सत्ताधारी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) इमरान खान से अपना वजूद बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। इस बयान का उल्लेख करते हुए खलीजाद ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को सलाह दी है कि उन्हें ऐसी टिप्पणियों से खुद को अलग करने का सार्वजनिक एलान करना चाहिए। खलीजाद ने कहा- 'अगर ऐसे तौर-तरीके नहीं बदले, तो पाकिस्तान संकट में लगातार फंसा रहेगा।' इसके पहले भी खलीजाद ऐसी टिप्पणियां कर चुके हैं। इसे लेकर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने सार्वजनिक बयान जारी किया था। उसमें कहा गया था कि खलीजाद को पाकिस्तान के आंतरिक मामलों में दखल देने से बचना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

चीन की चुनौती से निपटने के लिए अमेरिका ने बढ़ाया रक्षा खर्च, 69 लाख करोड़ का बजट किया पेश

वॉशिंगटन । अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड जे ऑस्टिन का कहना है कि चीन की चुनौती को देखते हुए वित्तीय वर्ष 2024 के बजट में रक्षा मद में खर्च में बढ़ोतरी की गई है। बता दें कि अमेरिका ने अपने बजट में रक्षा क्षेत्र पर खर्च करने के लिए 69 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि चीन की चुनौती से निपटने के साथ ही हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में सैन्य ताकत बढ़ाने और अमेरिका के सहयोगियों के साथ ज्यादा युद्धाभ्यास करने पर भी फोकस रहेगा। वित्तीय वर्ष 2024 के बजट का फोकस हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा और चीन की चुनौती से निपटने पर है। बता दें कि इस क्षेत्र के लिए अमेरिका ने रक्षा बजट में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी करते हुए 9.1 बिलियन डॉलर तय किया है। यह इस क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अब तक का सबसे बड़ा बजट है। रक्षा मंत्री ने कहा कि इस बजट की तीन प्राथमिकताएं हैं, जिनमें राष्ट्र सुरक्षा, सैनिकों और उनके परिवारों की देखभाल और सहयोगी देशों के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर है। बता दें कि हिंद प्रशांत क्षेत्र में चुनौती बढ़ रही है। यही वजह है कि अमेरिका इस क्षेत्र में स्थित देशों से लगातार सहयोग बढ़ा रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि यह रणनीतिक बजट है और चीन की पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की चुनौती को ध्यान में रखकर इसे तैयार किया गया है। बीते साल के के मुकाबले अमेरिका ने अपने रक्षा बजट में 13.4 प्रतिशत का इजाफा किया है। वहीं साल 2023 के मुकाबले बजट में तीन फीसदी का इजाफा किया गया है।

रॉयल फैमिली को थी प्रिंस हैरी के फोन-हैकिंग की जानकारी: प्रिंस बोले- कोर्ट केस से बचने के लिए परिवार ने मीडिया ग्रुप्स से डील की

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने रॉयल फैमिली पर फोन हैकिंग छिपाने का आरोप लगाया है। हैरी समेत कई सेलेब्रिटीज ने डेली मेल और एसोसिएटेड न्यूजपेपर्स के प्रकाशकों के खिलाफ प्राइवेसी उल्लंघन मामले में केस दर्ज करवाया है। इसी केस की सुनवाई के दौरान हैरी ने कहा कि उनके परिवार को फोन टैपिंग की जानकारी थी। लेकिन कोर्ट केस से बचने के लिए उन्होंने इसे छिपाकर रखा। हैरी के मुताबिक इससे प्रशासन के गलत काम सामने आ जाते। हैरी ने आरोप लगाया कि उसके अपने परिवार ने उससे प्राइवेसी उल्लंघन की जानकारी छिपाई और ब्रिटिश न्यूजपेपर इंडस्ट्री से नहीं उलझने को कहा। रॉयल फैमिली ने हैरी के सामने परिवार के फैसले को मानने की शर्त रखी थी। हैरी के मुताबिक उन्हें इस बात कुछ सालों पहले पता चला जब उन्होंने मामले में दूसरी लीगल टीम से सलाह की। प्रिंस हैरी के अलावा ब्रिटिश-जमाइकन कैंपेनर डोरेन लॉरेंस, पॉपस्टार एल्टन जॉन, एक्ट्रेस एलिजाबेथ हर्ले सहित कई सेलेब्रिटीज ने भी मीडिया ग्रुप्स पर प्राइवेसी उल्लंघन मामले में केस दर्ज किया है।

ग्रीस में आतंकी हमले की साजिश रच रहे दो पाकिस्तानी गिरफ्तार, यहूदी रेस्तरां था निशाने पर

यरूशलम । ग्रीस में मंगलवार को दो पाकिस्तानियों को आतंकी हमले की साजिश रचने के मामले में गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक वे एक यहूदी रेस्तरां को निशाना बनाने की योजना बना रहे थे, उनका उद्देश्य बड़े पैमाने पर नागरिकों को निशाना बनाना था। इस्राइली जासूसी एजेंसी मोसाद और यूनानी पुलिस ने मिलकर काम करते हुए ग्रीस में इस्राइलियों और यहूदियों के खिलाफ एक आतंकी हमले की कथित साजिश को विफल कर दिया है। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि पकड़े गए दो पाकिस्तानी नागरिक ईरानी आतंकवादी नेटवर्क का हिस्सा थे। इस्राइल के पीएमओ ने कहा कि ग्रीस में उजागर हुआ मामला एक गंभीर मामला है जिसे ग्रीक सुरक्षा बलों ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया। यह ईरान द्वारा इस्राइल और विदेशों में यहूदी लक्ष्यों के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने का एक अतिरिक्त प्रयास था। वहीं ग्रीस में संदिग्धों की जांच शुरू होने के बाद, मोसाद ने बुनियादी ढांचे, उसके काम करने के तरीकों और ईरान से लिंक को उजागर करने में खुफिया सहायता प्रदान की। पीएमओ ने आगे बयान में कहा कि जांच से पता चला है कि ग्रीस में संचालित आतंकी ढांचा ईरान से चलने वाले और कई देशों में फैले एक व्यापक ईरानी नेटवर्क का हिस्सा है। 27 और 29 वर्ष की आयु के दो अज्ञात संदिग्धों को कथित तौर पर केंद्रीय एथेंस में पुलिस मुख्यालय में रखा गया है। एक तीसरा व्यक्ति ग्रीस में नहीं है।

चीनी थिंकटैंक की रिपोर्ट, दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन पर 'अधिकतम दबाव' डाल रहा है अमेरिका

हांगकांग ।

अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में अपने लड़ाकू जहाजों की गतिविधियां बढ़ा दी हैं। यह चीन पर 'अधिकतम दबाव' डालने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। यह बात बीजिंग स्थित थिंक टैंक साउथ चाइना स्ट्रेटेजिक प्रॉबिंग इनिशिएटिव (एससीएसपीआई) ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में कही है। थिंक टैंक ने कहा है कि अमेरिका के निशाने पर ताइवान जलडमरुमध्य है। उसने चेतावनी दी है कि अमेरिकी गतिविधियां बढ़ने से उस क्षेत्र की स्थिरता पर असर पड़ेगा। एससीएसपीआई दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी गतिविधियों पर अपनी सालाना रिपोर्ट जारी करती है। ताजा रिपोर्ट में उसन कहा है कि पिछले साल ऐसी गतिविधियों पर मीडिया ने ज्यादा ध्यान दिया, जिससे उनको लेकर राजनीतिक चर्चा अधिक गर्म हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है- पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) और अमेरिकी ने बार-बार ऐसी अटकलें लगाईं कि चीन की सेना अमेरिकी जहाजों को खतरनाक ढंग से रोकने की कोशिश और गैर-पेशेवर व्यवहार करेगी। इसके पीछे मकसद चीन पर कूटनीतिक और जनमत का दबाव डालना था।

अमेरिका दक्षिण चीन सागर में नियमित रूप से अपने जहाज भेज रहा है। इसे वह नौवहन स्वतंत्रता कहता है। अमेरिका का दावा है कि दक्षिण चीन सागर में अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर चीन की नजर है। लेकिन अमेरिका उन्हें अपने और अपने साथी देशों के जहाजों के लिए खुला रखना चाहता है। चीन ने ऐसे अमेरिकी बयानों की लगातार निंदा की है।

पेंटागन ने दक्षिण चीन सागर में किए गए अपनी एक ऐसी कार्रवाई का जिक्र अपनी एक रिपोर्ट में किया था। उसने इसे चाइना मिलिट्री पॉवर रिपोर्ट नाम से प्रकाशित किया था। इसमें कहा गया था कि चीन ने सैनिक ताकत के जरिए जोर-जबर्दस्ती बढ़ा दी है। साथ ही उसने ताइवान पर कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सैनिक दबाव बढ़ा दिया है। इस रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए चीन ने कहा था कि अमेरिका तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है, ताकि टकराव भड़काया जा सके।

अब जारी एससीएसपीआई की रिपोर्ट में उन अमेरिकी लड़ाकू जहाजों की पहचान बताई गई है, जिन्होंने ताइवान जलडमरूमध्य को पार किया। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका की ऐसी गतिविधियों के पीछे मकसद चीन पर 'अधिकतम राजनीतिक और रणनीतिक दबाव डालना' था।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका ने पिछले साल दक्षिण चीन सागर में 102 बड़े सैनिक अभ्यास किए। इनके अलावा उसने छोटे-मोटे हजारों अभ्यास किए। उदाहरण के तौर पर रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले 28 अगस्त को क्रूजर यूएसएस एंटीएटम और क्रूजर यूएसएस चांसलरर्सविले ने उत्तर से दक्षिण की तरफ जाते हुए ताइवान डलमडरूमध्य को पार किया। दोनों लड़ाकू जहाजों ने मीडिया को संकेत भेजे, जिससे उनकी यात्रा बहुप्रचारित हो और उसको लेकर माहौल गरमाए।

चीनी विश्लेषकों ने कहा है कि अमेरिका के ऐसे सैनिक अभ्यासों का मकसद दक्षिण चीन सागर में अपनी सैनिक उपस्थिति बढ़ाना और ताइवान जलडमरुमध्य क्षेत्र में हस्तक्षेप करना है। एससीएसपीआई ने कहा है कि अब निकट भविष्य में ऐसी अमेरिकी गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। अमेरिका ने ताइवान के पास फिलीपींस के एक द्वीप पर अड्डा बना रखा है। वहां से उसे अपनी नौसैनिक गतिविधियों को चलाने की सुविधा मिली हुई है।

भारतीय मूल के डेनियल मुखी बने एनएसडब्लू के कोषाध्यक्ष, श्रीमद्भगवद्गीता की शपथ लेकर रचा ये इतिहास

न्यू साउथ वेल्स ।

भारतीय मूल के डेनियल मुखी पहले ऐसे राजनेता बन गए हैं जो ऑस्ट्रेलिया के किसी भी राज्य के कोषाध्यक्ष बने हैं। उन्होंने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली। उन्होंने पवित्र श्रीमद्भगवद्गीता के प्रति पद की निष्ठा की ग्रहण की।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, डेनियल मुखी को न्यू साउथ वेल्स के प्रीमियर क्रिस मिन और छह अन्य मंत्रियों के साथ शपथ दिलाई गई। पद ग्रहण करने के बाद भारतीय मूल के डेनियल ने अपने बयान में बताया कि उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के महान राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली है। इस दौरान उन्होंने एनएसडब्ल्यू के लोगों को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हमें यह सम्मान और विशेषाधिकार सौंपने के लिए धन्यवाद। उन्होंने अपने बयान में आगे कहा कि मैं भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाला पहला ऑस्ट्रेलियाई मंत्री हूं। यह केवल इसलिए संभव है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया इतने खुले विचारों वाला देश हैं और मेरे माता-पिता जैसे लोगों के योगदान का स्वागत करता है। उन्होंने कहा आज जब मैं शपथ ले रहा तो ऐसे बहुत कुछ मेरे मन में चल रहा था।

गौरतलब है कि 2015 में मुखी को लेबर पार्टी ने न्यू साउथ वेल्स के ऊपरी सदन में स्टीव वॉन की जगह चुना था। मुखी न्यू साउथ वेल्स के भारतीय पृष्ठभूमि के पहले नेता है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया में भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाले पहले व्यक्ति भी हैं। बाद में उन्हें 2019 में वित्त और स्मॉल बिजनेस के शैडो मंत्री और गिग अर्थव्यवस्था का शेडो मंत्री भी बनाया गया था।

बता दें कि डेनियल मुखी के माता पिता 1973 में भारत के पंजाब से आकर ऑस्ट्रेलिया में बस गए थे। डेनियल मुखी का जन्म ब्लैकटाउन के उप नगर में हुआ था। उनका बचपन सिडनी में बीता यह उनके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण समय था।

गौरतलब है कि वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में 680,000 से अधिक हिंदू रहते हैं। साथ ही ऑस्ट्रेलिया में हिंदू धर्म देश का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है।

म्यांमार में जुंटा की कार्रवाई, सू-की के दल नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी को किया भंग

बैंकॉक ।

म्यांमार की पूर्व नेता आंग सान सू-की की अपदस्थ सत्ताधारी पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) सहित 40 राजनीतिक दलों को मंगलवार को भंग कर दिया गया। इन दलों ने सेना के राजनीतिक प्रभुत्व को बनाए रखने के लिए कराए जा रहे आम चुनाव के लिए तय समय सीमा के भीतर पंजीकरण नहीं कराया। इससे पहले जनवरी में, म्यांमार की सेना ने राजनीतिक दलों को आगामी चुनाव से पहले नए चुनावी कानून के तहत पंजीकरण कराने के लिए दो महीने का समय दिया था। हालांकि, सैन्य शासन का विरोध करने वालों का कहना है कि चुनाव न तो स्वतंत्र होंगे और न ही निष्पक्ष।

वहीं, सू-की की पार्टी एनएलडी ने चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। उसने चुनाव को अवैध करार दिया है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि हम यह चुनाव कतई स्वीकार नहीं है, जब कई राजनीतिक नेताओं और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। सेना द्वारा जनता को प्रताड़ित किया जा रहा है। बता दें, नवंबर 2020 में हुए म्यांमार के संसदीय चुनावों में एनएलडी ने जीत हासिल की थी। लेकिन तीन

महीने से भी कम समय के बाद म्यांमार की सेना ने तख्तापलट कर आंग सान सू की को कैद कर लिया था। म्यांमार की सेना ने तख्तापलट को सही ठहराते हुए कहा था कि चुनाव में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई थी। हालांकि, स्वतंत्र चुनाव पर्यवेक्षकों को कोई बड़ी अनियमितता नहीं मिली थी। एनएलडी उन दर्जनों पार्टियों में शामिल है, जिनके पास पिछले दशक में संसदीय सीटें थीं। सेना के 2021 के तख्तापलट और अपने विरोधियों पर कार्रवाई से ये दल बुरी तरह कमजोर हुए हैं। कई पार्टियां चुनाव लड़ने में असमर्थ या अनिच्छुक हैं। आलोचकों ने आगामी आम चुनाव को ढोंग करार दिया है।

तालिबान में पड़ गई है फूट, अखुंदजादा हैं कई नेताओं के निशाने पर

काबुल ।

अफगानिस्तान पर शासन कर रहे इस्लामी संगठन तालिबान के सर्वोच्च नेतृत्व में फूट पड़ जाने की खबरें चर्चा में हैं। हालांकि इससे तालिबान में विभाजन होने का अंदाजा अभी नहीं लगाया जा रहा है, फिर भी इस घटनाक्रम के दूरगामी प्रभाव होने के कयास यहां लगाए गए हैं। पिछले महीने गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने खोश्त स्थित एक मदरसे के एक समारोह को संबोधित करते हुए तालिबान सरकार के कामकाज को लेकर असंतोष जताया था। उन्होंने कहा था कि सत्ता पर एकाधिकार कायम किया जा रहा है और सरकार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाई जा रही है, जो तालिबान के हित में नहीं है। सिराजुद्दीन ने समारोह को पहले से रिकॉर्ड किए गए भाषण के जरिए संबोधित किया था। यह भाषण इंटरनेट पर वायरल हो गया। हालांकि हक्कानी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन अनुमान लगाया गया है कि उनके निशाने पर तालिबान के सर्वोच्च नेता मुल्ला हैबतुल्लाह अखुंदजादा थे। समझा जाता है कि अखुंदजादा और हक्कानी के बीच मतभेद गहरा गए हैं। वैसे तालिबान सरकार की नीतियों पर सवाल उठाने वाले वे इस संगठन के अकेले नेता नहीं हैं। कई अन्य नेताओं ने भी उन नीतियों पर सवाल खड़े किए हैं, जिनकी वजह से अफगान आवाम का

एक हिस्सा तालिबान से दूर हो गया है, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तालिबान लगातार अलग-थलग पड़ा हुआ है। कार्यवाहक रक्षा मंत्री मुल्ला याकूब ने फरवरी के मध्य में कहा था कि तालिबान को अक्खड़पन नहीं दिखाना चाहिए। उसे लोगों की वाजिब मांगों को मानने की कोशिश करनी चाहिए। याकूब तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे हैं। फूट की चर्चाओं के बारे में तालिबान का पक्ष जानने के लिए तालिबान प्रवक्ता जबिउल्लाह मुजाहिद से संपर्क किया। तब मुजाहिद ने इस कयासों का खंडन किया। उन्होंने कहा- 'मंत्रियों ने हाल जो सार्वजनिक भाषण दिए, उनमें उन्होंने सरकार की आलोचना नहीं की। उन्होंने सरकार को कुछ सुझाव भर दिए हैं। सभी मंत्री लोगों की बेहतरी ही चाहते हैं।' लेकिन विदेशी पर्यवेक्षकों के मुताबिक तालिबान चाहे जो कहे, सच यह है कि इस संगठन के भीतर अंदरूनी झगड़े लगातार हो रहे हैं। अमेरिकी थिंक टैंक साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कुगेलमैन के मुताबिक तालिबान अपने मतभेदों को आंतरिक रूप से सुलझाने की कला सीख गया है। इसलिए विवाद के बारे में बात बाहर नहीं आती है। उन्होंने कहा- इसलिए खुली बगावत की संभावना तो नहीं है, लेकिन हक्कानी का सार्वजनिक रूप से बयान देना विवाद को बढ़ाने की उनकी कोशिश का हिस्सा माना जाएगा। कुगेलमैन ने कहा- 'पहले वरिष्ठ नेतृत्व असहमति को दबा देता था और असहमत लोगों के साथ हिंसा की जाती थी। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। तभी सर्वोच्च नेता के आलोचक अभी तक सरकार में बने हुए हैं।' कई पर्यवेक्षकों ने हालिया बयानों को इस बात का संकेत माना है कि तालिबान के अंदर अपना तौर-तरीका बदलने की जरूरत महसूस की जाने लगी है। तालिबान का एक गुट यह समझ रहा है कि अखुंदजादा के कट्टरपंथी रवैये से तालिबान की अंतरराष्ट्रीय छवि बिगड़ी है। खास कर स्कूलों में लड़कियों की पढ़ाई रोकने को लेकर अफगानिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ी आलोचना हुई है। अब तालिबान के कुछ नेता ऐसे कदमों पर असंतोष जता रहे हैं।

16 केस में जमानत के बाद घिरे इमरान

महिला जज को धमकाने के मामले में गैर जमानती वारंट जारी, जज बोले- पेश होना ही पड़ेगा

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर अदालतों की मेहरबानी बुधवार को थम गई। इस्लामाबाद के सेशन्स कोर्ट ने महिला जज जेबा चौधरी को धमकाने के मामले में खान के खिलाफ फिर गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। इसके पहले 16 मामलों में इमरान को जमानत मिल चुकी है। 9 केस में उन्हें लाहौर हाईकोर्ट से बेल मिली, जबकि 7 मामलों में इस्लामाबाद कोर्ट ने बेल दी है। खान उनके खिलाफ मजबूत केसों में पेश होने से लगातार बच रहे हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि अगर वो गिरफ्तार हो जाते हैं तो उन्हें इन मामलों में भी पेश किया जाएगा। बुधवार को सेशन्स जज ने कहा- ये अदालत की तौहीन भी है, खान को पेश होना ही पड़ेगा।

18 अप्रैल तक का वक्त - इस्लामाबाद कोर्ट ने पुलिस से कहा है कि वो इमरान को गिरफ्तार करके 18 अप्रैल तक कोर्ट में पेश करे। इस मामले की पिछली सुनवाई 24 मार्च को हुई थी। तब हंगामे और मारपीट के हालात बन गए थे। जज गैर-जमानती वारंट को जमानती वारंट में तब्दील कर दिया था। इसके बावजूद इमरान न तो कोर्ट में पेश हुए और न ही जमानत की मियाद बढ़वाने की कोशिश की। बुधवार को सरकारी वकील रिजवान चौधरी ने सुनवाई के दौरान कहा- इमरान पर जज और पुलिस को धमकाने के गंभीर आरोप हैं। इसके बावजूद वो अदालत में पेश नहीं हो रहे हैं। क्या खान पाकिस्तान के कानून से भी बड़े हो गए हैं। अगर वो दूसरी अदालतों के सामने पेश हो सकते हैं, तो यहां आने में क्या परेशानी है। हर बार उन्हें पेश होने से राहत आखिर किस आधार पर दी जा रही है। वो जमानत पर दस्तखत के लिए भी कोर्ट में नहीं आते। इमरान के वकील फैसल चौधरी ने इस बार भी पुरानी दलील दी। कहा- मेरे मुवक्किल को यहां आने में जान का खतरा है। इस दलील को जज राणा मुजाहिद ने खारिज कर दिया।

कहा- जमानत रद्द की जाती है। पुलिस 18 अप्रैल तक इमरान को गिरफ्तार करके हमारे सामने पेश करे।

पिछली बार बच गए थे इमरान - इस मामले में पहले भी खान के खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी हुआ था। इसके बाद इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने इलेक्शन कैम्पेन शुरू करने का ऐलान कर दिया था। 16 मार्च को बचने के लिए आनन-फानन में एक रैली भी प्लान कर ली गई थी। इमरान काले रंग की बुलेट प्रूफ गाड़ी में घर से निकले और सैकड़ों लोग उनके साथ थे। इमरान भीड़ की आड़ में किसी भी तरह से गिरफ्तारी से बचने की कोशिश कर रहे थे। तब सिक्योरिटी फोर्सेस और पुलिस उनको गिरफ्तार करने में नाकाम रहे थे। तब डिस्ट्रिक्ट जज राणा मुजाहिद रहीम ने ऑर्डर में कहा था- मुल्क की ज्यूडिशियरी की इज्जत करना बेहद जरूरी है। कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो या वो किसी भी ओहदे पर हो, अगर वो खुलेआम जजों को धमकी देगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई जरूर होनी चाहिए। इमरान पर पिछले हफ्ते तोशाखाना (सरकारी खजाने) के गिफ्ट मामूली कीमत पर खरीदने और फिर उन्हें करोड़ों रुपए में बेचने के मामले में भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। इस मामले में उन्हें राहत मिल गई थी।

अब बहाने नहीं चलेंगे - सुनवाई के दौरान इमरान के वकील ने दलील में कहा- खान की उम्र 71 साल है। उनके पैर में प्लास्टर है। इसके अलावा अगर वो अदालत में पेश होते हैं तो उनकी सिक्योरिटी को भी खतरा है। इस पर जज राणा रहीम ने कहा- इस मुल्क में सिक्योरिटी की जिम्मेदारी पुलिस और दूसरे विभागों की है। आपको हर केस में राहत नहीं दी जा सकती। हम इमरान को गिरफ्तार करने का ऑर्डर जारी कर रहे हैं।

अब तक 80 केस दर्ज - खान पर अब तक कुल 80 केस दर्ज हो चुके हैं। खान पर तोशाखाना में जमा गिफ्ट्स को सस्ते में खरीदने और ज्यादा दामों में बेचने का आरोप है। इसे लेकर पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने उन्हें 5 साल के लिए अयोग्य घोषित किया है। उनकी संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई है।

राजस्थान : 19 देशों के प्रतिनिधियों ने हाउसिंग बोर्ड की परियोजनाओं का किया अध्ययन

जयपुर (हिंस)। विदेश मंत्रालय एवं मानव प्रबन्धन बसाव संस्थान (एचएसएमआई) नई दिल्ली द्वारा आईटीईसी पाठ्यक्रम योजना के तहत आयोजित ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर ओवरसीज प्रोफेशनल्स ऑन फॉर्मल सॉल्यूशंस टू इनफॉर्मल सेटेलमेंट्स के अंतर्गत 19 देशों के 25 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के प्रतिनिधिमण्डल ने बुधवार को आवासन मंडल के मुख्यालय आवास भवन पर मंडल की महत्वाकांक्षी योजनाओं का अध्ययन किया। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन के जरिए जयपुर के मशहूर सिटी पार्क, विधायक फ्लैट्स, अफॉर्डेबल हाउसिंग प्रोजक्ट (मुख्यमंत्री जन आवास योजना) सहित कई अन्य परियोजनाओं का विस्तार से परिचय दिया। प्रस्तुतिकरण को देखकर प्रतिनिधिगण हतप्रभ थे कि कोरोना में जब पूरी दुनिया त्रस्त थी, तब मंडल उसी गति से कैसे काम पर पाया। उन्होंने विधायक आवास योजना के निर्माण की गति पर भी हैरानी जाहिर करते हुए कहा कि मंडल ने किसी प्राइवेट बिल्डर से भी तेज गति से काम कर दिखा दिया कि बेहतर नेतृत्व के भी कुछ मायने होते हैं। प्रतिनिधि दल गुरुवार को सिटी पार्क, विधायक आवास परियोजना और अफॉर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट का भी दौरा करेगा। आयुक्त ने प्रजेंटेशन के दौरान बताया कि मंडल ने आवासों के अलावा लीक से हटकर भी कई नवाचार किए हैं। उन्होंने इस दौरान कोचिंग हब, सिटी पार्क, चौपाटियां, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब जैसी परियोजना के बारे में भी बताया। प्रतिनिधिमंडल ने सभी योजनाओं को दिलचस्पी से देखा और सराहा भी। उल्लेखनीय है कि दुनिया के 19 देशों के 25 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों का प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय जयपुर के स्टडी टूर पर है। प्रतिनिधिमंडल प्रदेश के अन्य विभागों की प्रमुख योजनाओं का भी अध्ययन करेगा। इस अवसर पर हडको से वर्षा पुनहानी, सुधीर भटनागर, मुख्य अभियंता प्रथम केसी मीणा, मुख्य अभियंता द्वितीय जीएस बाघेला, मुख्य अभियंता मुख्यालय मनोज गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गठबंधन को लेकर सीएम और मुझे कोई संशय नहीं : डिप्टी सीएम

पंचकूला/चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बीजेपी-जेजेपी गठबंधन को लेकर न तो मुझे संशय है और न ही सीएम मनोहर लाल को संशय है। उन्होंने कहा कि जहां बात किसी और के संशय की है तो वही बेहतर जवाब दे पाएंगे। वे बुधवार को पंचकूला में आबकारी एवं कराधान विभाग के लिए नई खरीदी गई अर्टिगा गाड़ियों को हरी झंडी दिखाने के बाद बातचीत कर रहे थे। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि गठबंधन की सरकार को साढ़े तीन साल होने वाले है। साढ़े तीन साल पहले लोग कहने लगे थे कि गठबंधन टूटेगा, गठबंधन टूटेगा लेकिन मुझे और सीएम को पूर्ण विश्व ास है कि प्रदेश को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए गठबंधन इसी मजबूती के साथ चलेगा और चलाएंगे। आगामी चुनावों के सवाल पर उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले लोकसभा, तीन नगरनिगमों, 10 ज्यादा नगरपालिकाओं और परिषदों के चुनाव होने है।

आम आदमी पार्टी की स्वास्थ्य योजनाओं की नकल से राइट टू हेल्थ नहीं दिया जा सकता : आप

जयपुर (हिंस)। आम आदमी पार्टी ने गहलोत सरकार को चेतावनी दी है वो वोटों के खतिर आम आदमी पार्टी की फ्री हेल्थ योजनाओं की तर्ज पर नकली राइट टू हैल्थ बिल लाकर जनता की सेहत के साथ मजाक नहीं करें। पिछले बार दिन से प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं ठप पड़ी हैं। मरीज अस्पतालों में इलाज के अभाव में परेशान है और लाखों की संख्या में डॉक्टर्स सड़क पर हैं। आप नेता देवेंद्र यादव देव और संयुक्त सचिव रमेश विश्नोई ने बुधवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए बताया कि राजस्थान की जनता को स्वास्थ्य का अधिकार देने की प्राथमिक जिम्मेदारी गहलोत और कांग्रेस सरकार की है। पर यह अधिकार कागजों में नहीं, अपने अस्पतालों, डिस्पेंसरियों, ऑपरेशन थियेटरों, स्वास्थ्य केंद्रों, जनता क्लीनिक के नेटवर्क को बड़ा कर और अत्याधुनिक कर के दे। कमी पड़ जाए तो निजी क्षेत्र पर बोझ डालें। देव ने कहा कि राजस्थान का आरटीएच बिल बिना तैयारी के 2023 के चुनावों के मद्देनजर जल्दबाजी में लाया गया है। मुख्यमंत्रीजी ने विज्ञापन दे कर कहा है कि बिल पर डॉक्टर्स के साथ चर्चा हुई है। हमने डॉक्टर्स की संस्थाओं से बात की तो पता चला कि प्रवर समिति के बुलावे पर निजी अस्पतालों की तीन संसताओं के प्रतिनिधि गए थे लेकिन किसी भी संगठन ने विधान सभा में पारित बिल पर सहमति नहीं दी। फिर भी इसे पारित कर लागू कर दिया गया। आम आदमी मांग करती है कि राज्य सरकार मौजूदा आरटीएच को निरस्त कर व्यवहारिक आरटीएच बिल लेकर आये। अगर इसमें आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार से कोई मदद चाहिए तो पार्टी उसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आंदोलन कर रहे डॉक्टर्स किसी भी राजनीति दल के चक्कर में नहीं पड़े। आपके ऊपर कोई कानून थोपा नहीं जा सकता लेकिन सोशल रिस्पॉसिबिलिटी के तहत आपको भी जनता के स्वस्थ्य का अधिकार दिलाने में सहयोग करना चाहिए। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि आरटीएच चुनावी पैंतरा है जो जल्दबाजी में विधानसभा से पारित कराया गया। जिस तरह नरेंद्र मोदी सरकार ने किसानों से चर्चा के बिना ही तीन कृषि कानून फर्जीवाड़ा कर के संसद में पारित कर लिए थे।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस 16 अप्रैल को

जयपुर (हिंस)। राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आगामी 16 व 17 अप्रैल को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। स्थापना दिवस के अवसर पर 16 अप्रैल को राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में सुबह साढ़े आठ बजे सेरेमोनियल परेड एवं अवार्ड समारोह का आयोजन किया जायेगा। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के अवसर पर राजस्थान पुलिस अकादमी एवं रेंज मुख्यालयों सहित विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु समन्वय समिति गठित की गई है। इस समिति में पुलिस महानिदेशक एवं निदेशक आरपीए राजीव शर्मा, महानिदेशक प्रशिक्षण जंगा श्रीनिवास राव एवं महानिदेशक सिविल राइट्स एवं साइबर क्राइम डॉ. रविप्रकाश मेहरडा सहित अतिरिक्त महानिदेशक शामिल किए गए हैं।

एफआईआर दर्ज होने के विरोध में पुलिस कमिश्नर से मिले बसपा नेता

फरीदाबाद (हिंस)। पृथला विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ बसपा नेता संदीप शर्मा पन्हेड़ा के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज किए झूठे मुकदमे को लेकर बुधवार को बसपा नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल फरीदाबाद के पुलिस कमिश्नर विकास कुमार अरोड़ा से मिलने उनके सेक्टर-21ए स्थित कार्यालय पहुंचा, जहां पुलिस कमिश्नर की अनुपस्थिति में प्रतिनिधिमंडल ने एसीपी हेडक्वार्टर अभिमन्यु गोयल से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंप उक्त मामले को खारिज करने की मांग की। बसपा नेताओं ने एसीपी गोयल को बताया कि उक्त मामला राजनीतिक द्वेष भावना के तहत दर्ज किया गया है। क्योंकि कुछ राजनीतिज्ञ लोग पृथला विधानसभा में संदीप शर्मा और बसपा पार्टी के बढ़ते जनाधार को देखकर बौखला गए हैं। इसलिए वह इस प्रकार के औछे हथकंडे अपनाकर झूठे मामले दर्ज करके कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने का प्रयास कर रहे हैं। बसपा का एक-एक कार्यकर्ता किसी भी कीमत पर संदीप शर्मा के खिलाफ अन्याय नहीं होने देंगे, इसके लिए चाहे उन्हें धरना प्रदर्शन करने जैसा कदम ही क्यों न उठाना पड़े। उन्होंने बताया कि संदीप शर्मा एक स्वच्छ राजनीतिक व्यक्ति है, जो हमेशा लोगों के सुख-दुख में अपनी भागेदारी निभाता है, ऐसे में बिना वजह उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करना पूरी तरह से आधारहीन और न्यायोचित नहीं है। एसीपी अभिमन्यु गोयल ने बसपा के प्रतिनिधिमंडल को निष्पक्ष जांच करने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि किसी के साथ अन्याय नहीं किया जाएगा, अगर मामला गलत दर्ज हुआ है तो उसे खारिज किया जाएगा। गौरतलब है कि 24 मार्च, 2023 को पन्हेड़ा रोड पर ईंटों से भरे ट्रक ने एक युवक को कुचल दिया था।

चिकित्सकों की हड़ताल : जिला कलक्टर ने निभाया फर्ज, गर्भवती महिलाओं का नापा बीपी

झालावाड़ (हिंस)। राइट टू हैल्थ बिल के विरोध में चिकित्सकों की हडताल से बिगड़ती चिकित्सा व्यवस्थाओं के मद्देनजर जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बुधवार को झालरापाटन स्थित सेटेलाइट चिकित्सालय में मोर्चा संभाला। जिला कलक्टर डॉ. दीक्षित ने एमबीबीएस चिकित्सक होने के नाते निरीक्षण के दौरान महिला वार्ड में भर्ती मरीजों का ब्लड प्रेशर चैक करते हुए उनकी व नवजात की जांच की। साथ ही प्रसूता महिलाओं को बालिका जन्म पर पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी। जिला कलक्टर ने इस दौरान आमजन को दी जाने वाली सुविधाओं के हालात की जानकारी लेकर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जरूरतमंद को समय पर इलाज मिलना चाहिए। स्टाफ को भी पाबंद करें कि ऐसे हालातों में लापरवाही नहीं करें।

जिला कलक्टर ने ओपीडी, आईपीडी, नि:शुल्क जांच योजना, नि:शुल्क दवा योजना, प्रसूता महिला वार्ड, चिकित्सालय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों से वार्ता कर उनसे सुविधाओं की जानकारी ली। जिला कलक्टर ने बताया कि जिले में राईट टू हैल्थ बिल के विरोध में जारी हड़ताल के मद्देनजर स्वास्थ्य सुविधाओं में व्यवधान ना हो और रोगियों को आसानी से स्वास्थ्य सेवाएं मिले इसके लिए जहां-जहां पर चिकित्सक हड़ताल पर है। उनके स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। सीएमएचओ डॉ. जीएम सैय्यद ने बताया कि जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों पर चिकित्सकों, नर्सिंग स्टॉफ व पेरामेडिकल स्टॉफ की माकूल व्यवस्था की गई है। साथ ही इमरजेन्सी व्यवस्था के लिए 108 व 104 एंबुलेंस को अपनी सेवायें सुचारु रूप से देने के लिए पाबंद किया है।

जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन-चार वर्षों में तेज गति से हुआ विकास : उप राज्यपाल

जम्मू (हिंस)। उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को कहा कि पिछले तीन से चार वर्षों में जम्मू-कश्मीर में तेज गति से विकास हुआ है। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बजट 2023-24 पर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीनों के दौरान अब तक का सबसे अधिक 1547.87 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है और पिछले तीन वर्षों के दौरान 500 स्टार्ट अप सामने आए हैं। सिन्हा ने कहा कि पिछले साल जम्मू-कश्मीर में 14.64 फीसदी की आर्थिक वृद्धि देखी गई है और कर राजस्व में 31 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में कानून-व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और इस साल सबसे ज्यादा 1.88 करोड़ पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई), अमृत सरोवर, स्वामित्व योजना, आजादी का अमृत महोत्सव, नशा मुक्ति अभियान और नवीकरणीय ऊर्जा विकास जैसी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए देश में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक है। ज्यादातर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को जम्मू-कश्मीर में लागू किया गया है। सिन्हा ने कहा कि *मेरी जवानी मेरी शान, हर दिन खेल, हर एक के लिए खेल* के तहत इस साल करीब 50 लाख युवाओं ने विभिन्न खेल गतिविधियों में हिस्सा लिया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल जम्मू-कश्मीर में ई-उन्नत पोर्टल के तहत 445 ऑनलाइन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। 225 ई-सेवाओं को सेवा वितरण की गुणवत्ता पर वास्तविक समय प्रतिक्रिया के लिए रैपिड असेसमेंट सिस्टम के साथ एकीकृत किया गया है। सभी ऑनलाइन सेवाओं को जम्मू-कश्मीर में लोक सेवा गारंटी अधिनियम से जोड़ा गया है। उप राज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर जिला स्तर पर सार्वजनिक सेवा वितरण का आकलन करने के लिए जिला सुशासन सूचकांक रखने वाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में पहला है। एस्पिरेशनल पंचायत डेवलपमेंट प्रोग्राम, एस्पिरेशनल ब्लॉक डेवलपमेंट प्रोग्राम और एस्पिरेशनल टाउन डेवलपमेंट प्रोग्राम जम्मू-कश्मीर में लागू की जा रही तीन नई पहलें हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 महीनों के दौरान अब तक का सर्वाधिक 1547.87 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हुआ है। पिछले तीन वर्षों के दौरान 500 स्टार्ट अप सामने आए हैं। उप राज्यपाल ने कहा कि बेरोजगारी दर में मामूली कमी आई है। 33426 पदों को भर्ती एजेंसियों को भेजा गया है। जे-के बैंक लिमिटेड के 2436 चयनों सहित 25450 चयन किए गए हैं। लगभग 2,02,749 युवाओं को विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं के तहत कवर किया गया है और चालू वर्ष के अंत तक 2,37,000 योजनाओं को कवर करने का लक्ष्य है। उपराज्यपाल ने कहा कि 2018-19 में 9228 कार्य पूरे किए गए, 2019-20 में 12637 काम, 2020-21 में 21943 और 2021-22 में 50627 काम पूरे हुए और इस साल हमें 70,000 काम पूरे होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह पिछले तीन से चार वर्षों में जम्मू-कश्मीर में विकास की गति में प्रतिमान बदलाव है। सड़क निर्माण 2018 में 1500-1600 किलोमीटर के मुकाबले लगभग दोगुना होकर 3200 किलोमीटर हो गया है।

PRESS NOTICE

The Superintending Engineer, P.W.D, Guwahat! Building Circle-II, Chandmari, Guwahati-3 on behalf of the Governor of Assam invites bids for the following works having experience of similar nature of work from APWD registered contractors. Details of the bids may be seen at e-procurement portal website: www.assamtenders.gov.in and also in the office of the undersigned during office hours. The bidders must be enrolled in www.assamtenders.gov.in for participating in the bidding process.

Name of work	Approx. Value of Work (Rs.)	Category of APWD (B) registered contractor
Construction of Ground floor of New Academic Buliding (Provision for Three Storied) for one Academic Department cum Library at Govt. College of Art & Crafts, Assam, Basistha, Guwahati-29	1,54,31,374/-	Class-I (A/B/C)

Notes :-
1. Any modification of tender may be seen in the portal *www.assamtenders.gov.in.*
2. The prospective bidder must visit the work site before submission of tender. The bidders have to submit evidence of site visit in the form of an undertaking with geo-tagged photographs.

Sd/-
Supenntending Engineer, P.W.D.
Guwahati Building Circle-II

-- Janasanyog /C/24094/22

सरपंचों ने रानी तालाब पर जताया विरोध, मांगों का किया समर्थन

जींद (हिंस)। ग्राम पंचायतों के 29 संपूर्ण अधिकार सरपंचों को दिए जाने की मांग को लेकर बुधवार को सरपंचों ने शहर में प्रदर्शन किया। इस दौरान सरपंचों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मांग की कि 50 लाख रुपए से ज्यादा काम ई-टेंडरिंग के जरिये हों। इससे कम बजट के कामों की पावर सरपंचों के पास मैनुअली होनी चाहिए। राइट टू रिकॉल को या तो रद्द किया जाए या फिर इसे विधायक और सांसदों पर भी लागू किया जाए। बुधवार सुबह 11 बजे जींद ब्लॉक के सरपंच प्रधान प्रीति मनोहरपुर, विनोद, निर्जन के सरपंच आजाद, पिंडारा सरपंच कुलदीप, जुलानी सरपंच नरेश आदि एकत्रित हुए।

पंजाब पुलिस ने हाईकोर्ट में दायर किया हलफनामा

कहा- अमृतपाल को नहीं किया गिरफ्तार

चंडीगढ़(हिंस)। अमृतपाल प्रकरण में पंजाब पुलिस ने हाई कोर्ट में हलफनामा देकर कहा है कि पुलिस ने अमृतपाल को अभी तक न तो गिरफ्तार किया है और न ही उसे डिटेन किया गया है। हाई कोर्ट में अमृतपाल के वकीलों द्वारा दायर की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर मंगलवार को भी सुनवाई हुई थी। मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने पंजाब पुलिस के आईजी तथा अमृतपाल के वकीलों को हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए थे। अमृतपाल के वकील पंजाब पुलिस पर लगातार उसे अवैध रूप से हिरासत में रखने का आरोप लगा रहे हैं। बुधवार को केस की सुनवाई के दौरान पंजाब पुलिस के आईजी ने एक हलफनामा दाखिल करके कहा कि पुलिस ने अभी तक अमृतपाल को न तो गिरफ्तार किया है और न ही उसे डिटेन किया गया है। दूसरी तरफ अदालत ने जब अमृतपाल के वकीलों से हलफनामा मांगा तो उन्होंने हलफनामा दाखिल करने को लेकर कुछ समय की मांग की। जिसके चलते अदालत ने इस केस की सुनवाई 11 अप्रैल तक स्थगित कर दी है।

गर्मी शुरू होने से पहले ही पानी को लेकर मचा हाहाकार

भिवानी (हिंस)। बचपन से हम सभी सुनते आ रहे हैं कि पानी जीवन के लिए अनमोल है। अगर पानी ना हो तो जीवन कैसे सुखमयी होगा। ऐसा ही हाल इन दिनों भिवानी के सेक्टर-23 में देखा जा सकता है। दरअसल इन दिनों भिवानी के सेक्टर-23 में पानी संकट गहराया हुआ है। नागरिकों का कहना है कि वे पानी की समस्या के समाधान के लिए कई बार जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें सिवाए आश्व ासन के कुछ नहीं मिला। लोगों ने कहा कि कहने को तो जलघर के पानी को शुद्ध करने के लिए वाटर फिल्टर भी बनाए गए हैं।

SHORT NOTICE INVITING TENDER

No. C/S. File No. 303 **of 2022-23/.....**

Sealed tenders eventually to be drawn in **F-2** form affixing not refundable Court Fee Stamps of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paisa twenty Five) only and with a validity period of 180 (One Hundred and Eighty) days are invited from the registered contractors of APWD Bidg. works for the work as detailed below and will be issued in the Office of the undersigned from **01-04-2023 to 03-04-2023** and received from **11.04.2023 to 12.04.2023** upto **2.00 pm** will be opened on **12.04.2023 at 2.30 pm** in the office of the undersigned. The tenderer or their representatives may present at the time of opening of Tender.

Gr. No.	Name or work	Approx Value of work (Exclusive of GST)	Bid security (in Rs.) (Bank (For Gen. category)	(For SC/ST/ OBC/ MOBC/UGE	Cost of Document IPO/D.D/ Banker Cheque	Time of Completion	Eligibility of Contractor
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Repairing & upgradation works of Unit No. I at Transit Camp Building at Senior Officer's Colony. Khanapara, Ghy-22(Providing new false celling and ply board partition, interior painting and sanitary watetr supply works)	Rs. 9,25,377.00	Rs. 18,508.00	Rs. 9,254.00	Rs. 1,000.00	30 Days	Class-I (A,B,C) Bldg. & Class-II & III Category Contractor Only
2	Repair & upgradatio works of Unit No. K at Transit Camp Bldg. at Senior Officers Colony, Khanapara, Guwahati-22 (Providing new floor tiles at bed room & bath room alongswith corridor, new false ceiling, cupboard, providing aluminium sliding window and flush door, providing new kitchen cabinet, interior painting and sanitary water supply works.)	Rs. 13,16,855.00	Rs. 26,337.00	Rs. 13,169.00	Rs. 1,000.00	30 Days	

1. Details particulars and tender papers will be issued to the eligible contractor or their authorized agents with attested signature in application from **01-04-2023 & 03-04-2023** up to **2.00 P.M.**
2. IPO and bid security must be payable in favour of the **"The Executive Engineer, PWD, Capital Construction Division, Dispur, Ghy-6".**
3. Contractor must have prequalification documents having similar nature of works executed for last 3 (Three) years.
4. The Contractor will have to submit up to date registration certificate for the year 2022-23, GST, Labour Licence, EPF, Partnership deed/Power of attorney in case of Proprietorship firm dully attested by Gazetted Officer.
5. If for any reason last date of receiving or issuing tender paper is a declared holiday/bandh, tender will received and opened on the next working day.
6. The undersigned will be the sole authority to cancel or accept any tender without showing any reason.
7. The short NIT will be a part of the contract agreement.
8. Other details can be seen in the tender document (Enclosed F-2 Form).

Sd/-
Executive Engineer, P.W.D.
Capital Construction Division
Dispur, Guwahati-6.

-- Janasanyog /C/24135/22

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास से नवीन जिंदल को लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड

हिसार (हिंस)। कुरुक्षेत्र के पूर्व सांसद, जाने-माने उद्योगपति एवं निशानेबाजी व पोलो के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी नवीन जिंदल को यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट डेलास (यूटीडी) ने लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया है। नवीन जिंदल यूनिवर्सिटी के इतिहास में दूसरे व्यक्ति हैं, जिन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है। इनसे पहले अमेरिकी-तुर्की जैव वैज्ञानिक अजीज सैंकर को यह सम्मान प्रदान किया गया है, जिन्होंने 1977 में इस यूनिवर्सिटी से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की थी। उन्हें 2015 में रसायन शास्त्र का नोबल पुरस्कार मिला है। वे डीएनए रिपेयर, सेल साइकल चेकप्वाइंट्स और सर्काडियन क्लॉक के विशेषज्ञ हैं। यहां के जिंदल हाऊस से मिली जानकारी के अनुसार नवीन जिंदल को सफल उद्योगपति, राजनेता और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया है। श्री जिंदल ने 1992 में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट डेलास से प्रबंधन में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की थी। उन्हें एक खास आयोजन में 25 मार्च 2023 को सम्मानित किया गया। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट डेलास में नवीन जिंदल का छात्र जीवन उपलब्धियों से भरा रहा। वे स्टुडेंट गवर्नमेंट के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, दोनों रहे और उन्हें वर्ष के छात्र नेता का सम्मान भी प्रदान किया गया। उन्हें 2010 में विश्वविद्यालय के खास पूर्व छात्र का भी सम्मान प्रदान किया गया। यही वह स्थान है, जहां नवीन जिंदल को भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा से इतना प्यार हुआ कि वे प्रतिदिन राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के माध्यम से देशप्रेम प्रदर्शित करने के लिए प्रेरित हुए। भारत आकर उन्होंने 10 साल कानूनी जंग लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप 23 जनवरी 2004 को सुप्रीम कोर्ट ने देशवासियों को पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराने का अधिकार दिया। अपने छात्र नवीन जिंदल की अनेक क्षेत्रों में सफलता से गर्वान्वित यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट डेलास ने 2011 में अपने प्रबंधन संस्थान का नाम नवीन जिन्दल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट करके एक बड़ा सम्मान दिया। लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड पूर्व छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट डेलास का सर्वोच्च सम्मान है। यह सम्मान उन्हें प्रदान किया जाता है, जिन्होंने सामाजिक परिवर्तन लाने एवं यूनिवर्सिटी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। जीवन की ऊंचाइयों को छूने के लिए लोगों की प्रेरणा का स्रोत बन गया हो।

ईवी स्टेशन के लिए तीन तेल कंपनियों को 800 करोड़ रुपये, जनता के लिए होंगे चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली ।

देश में 7,432 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय ने तीन सरकारी तेल कंपनियों को 800 करोड़ रुपये देने की मंजूरी दी है। मंत्रालय ने इसके तहत 560 करोड़ रुपये को जारी भी कर दिया है। मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को मंजूर रकम का 70 फीसदी हिस्सा पहले ही दे दिया है। यह चार्जिंग स्टेशन जनता के लिए होंगे। इसे मार्च, 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। फिलहाल देश में कुल 6,585 चार्जिंग स्टेशन हैं। नए 7,432 स्टेशनों से ईवी के चार्जिंग का नेटवर्क बढ़ेगा। भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे ने कहा कि इससे देश में ई-वाहन के परिवेश को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही लोगों को भी सुविधा मिलेगी।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉरपोरेशन, इसके प्रमुख सुब्रत रॉय और अन्य से 6.57 करोड़ का लंबित बकाया वसूल कर लिया है। नियामक ने मंगलवार को कहा, वैकल्पिक तौर पर पूर्ण रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर (ओएफसीडी) जारी करने के मामले में नियमों के उल्लंघन पर वसूली की गईहै। सेबी ने कहा, 6.57 करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान पूरा हो चुका है। इसमें ब्याज एवं अन्य शुल्क शामिल हैं। नियामक ने दिसंबर में उपरोक्त संस्थान एवं व्यक्तियों के बैंक एवं डीमैट खातों को जब्त कर दिया था। यह मामला सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉरपोरेशन और सहारा हाउसिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन की ओर से 2008-09 में ओएफसीडी जारी करने से संबंधित है। टाटा समूह की एअर इंडिया एक्सप्रेस और एयर एशिया इंडिया के टिकट की बुकिंग अब एक ही वेबसाइट से की जा सकेगी। इन दोनों के बुकिंग सिस्टम को एक ही जगह कर दिया गया है। यह कदम दोनों को एक साथ विलय करने की चल रही प्रक्रिया का हिस्सा है। एअर इंडिया ने मंगलवार को एक बयान में कहा, दोनों एयरलाइंस एक आरक्षण प्रणाली और वेबसाइट पर चली गईं हैं। यह माइग्रेशन एयरलाइन और यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण क्षमता और दक्षता लाभ प्रदान करता है।

न्यूज ब्रीफ

एनसीएलएटी ने गूगल पर लगे जुर्माने को बरकरार रखाः सीसीआई ने 1,337 करोड़ का जुर्माना लगाया था, 30 दिन में भरना होगा

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल ने बुधवार को गूगल पर लगाए 1337.76 करोड़ रुपए के जुर्माने के आदेश को बरकरार रखा है। कॉम्पिटिशन कमिशन ऑफ इंडिया ने 21 अक्टूबर को अनफेयर बिजनेस प्रैक्टिस के मामले में गूगल पर ये जुर्माना लगाया था। गूगल पर एंड्रॉइड मोबाइल इकोसिस्टम में अपनी पोजिशन का गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप था। एनसीएलएटी ने जुर्माना भरने और आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन का समय दिया है। एनसीएलएटी की दो मेंबर्स की बेंच ने कहा कि सीसीआई की जांच नेचुरल जस्टिस के प्रिंसिप्लस का उल्लंघन नहीं है। वह इस तर्क को नहीं मानेगी कि गूगल पर सीसीआई का आदेश बायस्ड है। 1) गूगल-पे को हर ऐप का डिफॉल्ट पेमेंट सिस्टम बनाने का दबाव गूगल ने अपने प्ले स्टोर पर पब्लिश होने वाले हर ऐप पर यह दबाव बनाया था कि वह ऐप से जुड़े हर पेमेंट को गूगल के पेमेंट प्लेटफॉर्म गूगल-पे के जरिये प्रोसेस करे। यह हर ऐप गूगल-पे के जरिये किया जाए। इस पर ऐप पब्लिशर्स ने आपत्ति जताई थी। सीसीआई ने भी माना कि यह दबाव गलत है। इससे ऐप पब्लिशर्स बेहतर डील मिलने के बावजूद बाकी पेमेंट प्लेटफॉर्म्स से टाई-अप नहीं कर पाते।

जरूरी दवाओं के दाम 12प्रतिशत बढ़ना तयः यह बढ़ोतरी अब तक की सबसे ज्यादा; महंगाई से 900 फॉर्मूलेशन की कीमतें बढ़ सकती हैं

मुंबई। दिल की बीमारियों और डायबिटीज सहित कई बीमारियों के इलाज से जुड़ी जरूरी दवाओं की

कीमतें इस साल 10प्रतिशत से ज्यादा बढ़ने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी अब तक की सबसे ज्यादा है। 2022 में थोक मूल्य सूचकांक में बदलाव के अनुरूप ही सरकार आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची के तहत दवाओं की कीमतों को 12.2प्रतिशत की बढ़ोतरी की इजाजत देने की तैयारी कर रही है। नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी की जॉइंट कमिश्नर रश्मि टहलियानी ने कहा कि 2021 की तुलना में थोक मूल्य सूचकांक में सालाना 12.12 फीसदी का बदलाव हुआ है। इससे 27 बीमारियों के इलाज के 900 फॉर्मूलेशन से संबंधित 384 मॉलेक्यूल की कीमतें 12प्रतिशत बढ़ने की संभावना है। गैर-जरूरी की सूची से बाहर की दवाओं की कीमतों में 10प्रतिशत की बढ़ोतरी की छूट दी जाएगी। पिछले साल फार्मा उद्योग को करीब 10 फीसदी दाम बढ़ाने की इजाजत दी थी। पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को अब दवा भी महंगी पड़ेगी। अप्रैल से पेनकिलर्स, ऐंटी-इन्फेक्टिव्स, ऐंटीबायोटिक्स और दिल की दवाएं महंगी होने जा रही हैं। सरकार ने इग कंपनियों को कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। कीमतें होलसेल प्राइस इंडेक्स में बदलाव के आधार पर बढ़ेंगी।

बीते साल 22 लाख करोड़ के डिजिटल लोन बंटेः 2030 तक 5 गुना होने का अनुमान, चार-पांच साल में 40प्रतिशत लोन डिजिटल

नई दिल्ली। देश में कंज्यूमर लोन कल्चर बदल रहा है। कभी वॉशिंग मशीन, फ्रिज, एसी के अलावा गाड़ियां

और घर के लिए शुरू हुआ कंज्यूमर लोन मार्केट अब बाय नाउ पे लेटर जैसे इनोवेशन तक पहुंच गया है। बड़े पैमाने पर डिजिटल लोन लिए जा रहे हैं। 2022 में 22.17 लाख करोड़ के डिजिटल लोन बंटे 2030 तक इसके 4.75 गुना बढ़कर 107 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। दरअसल देश में बढ़ती युवा आबादी, टेक्नोलॉजी का तेज विकास, स्मार्टफोन की बढ़ती तादाद और सस्ते डेटा जैसी सहूलियतों से देश के डिजिटल लोन और कंज्यूमर फाइनेंस मार्केट में अभूतपूर्व तेजी देखी जा रही है। स्टार्टअप प्लेटफॉर्म आईएनसी42 और ग्लोबल डेटा एनालिटिकल फर्म एक्सपेरियन की रिसर्च के मुताबिक, 4-5 साल में देश के फिनटेक मार्केट में डिजिटल चैनलों की हिस्सेदारी 40प्रतिशत हो जाएगी। 2030 तक ये आंकड़ा 60प्रतिशत तक पहुंचने के आसार हैं। टेक्नोलॉजी के लगातार विकास के साथ ही ग्राहकों की बदलती जरूरतों के चलते भी कर्ज देने के कॉन्सेप्ट में बदलाव आ रहा है। इसके अलावा ऑनलाइन लेंडिंग की लागत भी कम होती है। रिजर्व बैंक ने ऑनलाइन लोन को लेकर नए नियम जारी कर दिए हैं।

सरकार का दावा- देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर, 300 बढ़कर हुए 90 हजार

नई दिल्ली ।

भारत में स्टार्टअप की बहुत तेजी से रफ्तार बढ़ रही है। 2014 से 2022 तक में स्टार्टअप की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। इन आठ सालों में इनकी संख्या 300 से बढ़कर 90 हजार से ज्यादा हो चुकी है। जबकि देश में 100 से ज्यादा यूनिकार्न हैं। इनमें से 36 की संस्थापक या सह-संस्थापक महिलाएं हैं। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री और पीएमओ में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का भी कहना है कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में शीर्ष 50 देशों में शामिल है और दुनिया के सबसे स्टार्टअप फ्रेंडली देशों (एशिया में अग्रणी) में से एक है। जबकि भारत का उत्तर-पूर्व क्षेत्र स्टार्टअप के लिए अनछुए अवसर प्रदान कर रहा है।

मंगलवार को नॉर्थ ईस्ट रीज़नल रिसर्च एंड रिसोर्स सेंटर, मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित दो दिवसीय उत्तर-पूर्व भारत में स्टार्टअप, स्थिरता, नवाचार एवं उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश का उत्तर-पूर्व सहज रूप से नवाचार की भूमि है। उत्तर-पूर्व क्षेत्र की महिलाएं हमेशा से ही स्टार्टअप संस्कृति में सबसे आगे रही हैं और जब से इस क्षेत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने संस्थागत रूप प्रदान किया है, तब से वे स्टार्टअप इकोसिस्टम में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उत्तर-पूर्व स्टार्टअप और महिलाएं केंद्र की मोदी सरकार की हमेशा मुख्य प्राथमिकताएं रही हैं। एक क्षेत्र के रूप में पिछली सरकारों ने उत्तर-पूर्व की हमेशा उपेक्षा की, लेकिन अब इस क्षेत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अन्य क्षेत्रों के बराबर लाया गया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि 15 अगस्त पर लाल किला के प्राचीर से स्टार्टअप इंडिया स्टैंडअप इंडिया का आह्वान करने के साथ, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए प्रोत्साहनों के कारण भारत में स्टार्टअप की संख्या 2014 से 2022 तक पिछले आठ वर्षों में 300 से बढ़कर 90,000 से ज्यादा हो चुकी हैं और देश में 100 से ज्यादा यूनिकॉर्न हैं। भारत के 100 यूनिकॉर्न में से 36 की संस्थापक या सह-संस्थापक महिलाएं हैं। देश की महिलाएं अब भागीदारी से नेतृत्व वाली भूमिका में आ चुकी हैं। आज भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में शीर्ष 50 देशों में शामिल है और दुनिया के सबसे स्टार्टअप फ्रेंडली देशों (एशिया में अग्रणी) में से एक है। हाल के दिनों में उत्तर-पूर्व क्षेत्र में स्टार्टअप इकोसिस्टम में विभिन्न हितधारक जैसे इनक्यूबेटर, एक्सीलेटर और अन्य वेंचर फंड उभरकर सामने आए हैं, जिससे बड़ी संख्या में स्टार्टअप तैयार हुए हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया, सरकार ने 2014-15 से अब तक इस क्षेत्र का विकास करने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और कनेक्टिविटी में सुधार किया है। इससे इस क्षेत्र का विकास तेजी से हुआ है। उत्तर-पूर्व क्षेत्र में गैर छूट प्राप्त केंद्रीय मंत्रालयों-विभागों को केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं में अपने सकल बजटीय सहायता का कम से कम 10 फीसदी व्यय करना करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 से उत्तर-पूर्व का रूपांतरण करना शुरू कर दिया था और तब से लेकर अब तक उन्होंने उत्तर-पूर्व और दिल्ली के बीच की खाई को पाटने का काम किया है। उत्तर-पूर्व की स्वदेशी संस्कृतियों और भाषाओं की चिंता किसी ने नहीं की लेकिन पीएम मोदी ने इन्हें बहुत महत्व दिया है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा हाल में किए गए पहलों की बात की। जैसे किरण योजना, क्यूरी पहल, विज्ञान ज्योति कार्यक्रम, फैलोशिप और कई अन्य, हालांकि उत्तर-पूर्व की महिलाएं पहले से ही परंपरागत रूप से बहुत सशक्त और पेशेवर रूप से ज्यादा सक्रिय रही हैं। उन्होंने कहा कि अमृत काल के अगले 25 वर्षों में सबसे ज्यादा अवसर उत्तर पूर्वी, हिमालयी क्षेत्र और समुद्र आधारित संसाधनों को मिलने वाले हैं। सम्मेलन में कई महिला युवा उद्यमी शामिल हो रही हैं और अपने विचारों और अनुभवों को साझा कर रही हैं। मिरांडा हाउस एक महिला कॉलेज होने के कारण इसका नेतृत्व कर रहा है। हमारा उद्देश्य अंतर को पाटना है। सरकार में रहते हुए हम इन महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर हैं।

बीमा कंपनियां तय करेंगी कमीशन, इरडा ने खत्म की सीमा, एक अप्रैल 2023 से लागू होगा नियम

नई दिल्ली ।

बीमा कंपनियां अब पॉलिसीधारकों से लेने वाले कमीशन को खुद तय करेंगी। बीमा नियामक भारतीय बीमा विनियामक विकास प्राधिकरण (इरडा) ने बीमा उत्पादों की बिक्री के लिए भुगतान किए जाने वाले कमीशन की व्यक्तिगत सीमा को खत्म कर दिया है। कमीशन में इस बदलाव का उद्देश्य बीमा की पहुंच बढ़ाना है। हालांकि, साथ ही यह भी कहा है कि इसमें पॉलिसीधारकों के हितों से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। यह नियम एक अप्रैल, 2023 से लागू किया जाएगा। इरडा के मुताबिक, बीमा कंपनी का बोर्ड एजेंटों और पॉलिसीधारकों के हितों का ध्यान रखकर कमीशन की नीति के लिए एक ढांचा तैयार करेगा। बोर्ड को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रबंधन की जो खर्च सीमा (ईओएम) है, उसके दायरे में ही कमीशन रहे।इरडाई ने इसे पेमेंट ऑफ कमीशन रेगुलेशंस, 2023 का नाम दिया है। इसमें कहा गया है कि सामान्य बीमा और स्वास्थ्य बीमा उत्पादों के तहत दिए जाने वाले कुल कमीशन की रकम ईओएम की तय सीमा से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। इसे समय-समय पर सुधारा भी जाएगा। इसकी हर तीन साल में समीक्षा की जाएगी। हालांकि, जरूरत पड़ने पर पहले भी इसकी समीक्षा हो सकती है। इरडा अभी तक कमीशन तय करता था और यह पॉलिसी के आधार पर दिया जाता था। नियामक ने कहा, इससे बाजार खोजपरख के लिए विनियमन की जवाबदेही बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह बीमाकर्ताओं को नए व्यापार मॉडल, उत्पादों, रणनीतियों, आंतरिक प्रक्रियाओं के विकास में मदद करेगा और नियामक उद्देश्यों को पूरा करते हुए नियमों के अनुपालन को आसान बनाएगा। यह बीमाकर्ताओं को उनकी विकास उद्देश्यों और हमेशा बदलती बीमा जरूरतों के आधार पर अपने खर्चों का प्रबंधन करने के लिए लचीलापन प्रदान करेगा। बढ़ेगा बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक तपन सिंघल ने कहा, संशोधित ईओम और कमीशन की सीमा उद्योग के मुताबिक है। अधिकांश बीमा कंपनियां खर्च के निर्धारित मानदंडों से ऊपर हैं। ये ईओएम सीमाएं लागत अनुशासन लाने में मदद करेंगी।

सेबी-सहारा फंड से 5 हजार करोड़ रुपये जारी करने की मिली मंजूरी, ठगे गए निवेशकों को लौटायी जानी है राशि

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह की ओर से बाजार नियामक सेबी के पास जमा कराए गए 24,000 करोड़ रुपये में से 5,000 हजार करोड़ रुपये आवंटित करने की याचिका स्वीकार कर ली है। ये पैसे सहारा समूह के जमाकर्ताओं को लौटाए जाने हैं।

कोर्ट ने यह निर्देश पिनाक पानी मोहंती नामक एक व्यक्ति की जनहित याचिका पर केंद्र की ओर से दायर एक आवेदन पर दिया है। मोहंती ने चिट फंड कंपनियों और सहारा क्रेडिट फर्मों में निवेश करने वाले जमाकर्ताओं को राशि का भुगतान करने का निर्देश देने की मांग की थी।

न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि यह राशि सहारा समूह की सहकारी समितियों की ओर से ठगी के शिकार जमाकर्ताओं को लौटायी जाएगी। यह प्रक्रिया शीर्ष अदालत के पूर्व जज आर सुभाष रेड्डी की निगरानी में पूरी की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से अगस्त 2012 में सहारा समूह की दो कंपनियों सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉरपोरेशन और सहारा हाउसिंग इंडिया कॉरपोरेशन लिमिटेड को निवेशकों का

पैसा लौटाने का निर्देश देने के बाद सेबी सहारा-सहारा सेबी एसक्रो अकाउंट खोले गए थे जिसमें सहारा समूह की ओर से पैसे जमा करवाए गए थे। केंद्र सरकार ने उसी खाते से राशि जारी करने की सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई थी।

एच-1बी और एल-1 वीजा में बदलाव के लिए अमेरिकी सीनेट में विधेयक, इन सांसदों ने किया समर्थन

नई दिल्ली ।

प्रभावशाली सांसदों के एक समूह ने एच-1बी और एल-1 वीजा कार्यक्रमों में व्यापक बदलाव लाने और विदेशी कर्मचारियों की भर्ती में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए अमेरिकी सीनेट में द्विदलीय विधेयक पेश किया है। एच-1बी वीजा एक ऐसा वीजा है जो अमेरिकी कंपनियों को सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता वाले विशेष व्यवसायों में विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। प्रौद्योगिकी कंपनियां भारत और चीन जैसे देशों से हर साल हजारों कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए इस पर निर्भर करती हैं। वहीं एल -1 एक अन्य प्रकार का कार्य वीजा है जिसे अमेरिका में काम करने के इच्छुक पेशेवरों को जारी किया जाता है। एच -1 बी वीजा में जहां एक व्यक्ति अमेरिकी कंपनी से जुड़ता है वहीं, दूसरी ओर एल-1 वीजा उन लोगों को जारी किया जाता है जो पहले से ही किसी अन्य देश में कंपनी की ओर से कार्यरत हैं, और अमेरिका स्थित कार्यालय में स्थानांतरित हो रहे हैं।

अमेरिका के दो सीनेटरों डिक डर्बिन और चक ग्रैसले ने अमेरिकी सीनेट में यह विधेयक पेश किया है। वहीं सीनेटर टॉमी ट्यूबरविले, बर्नी सैंडर्स, शेरोड ब्राउन और रिचर्ड ब्लूमेंथल ने भी इसका समर्थन किया है। एक मीडिया विज्ञप्ति में मंगलवार को कहा गया कि एच-1बी और एल-1 वीजा सुधार अधिनियम आव्रजन (इमिग्रेशन) प्रणाली में धोखाधड़ी और दुरुपयोग को कम करेगा। यह अमेरिकी श्रमिकों और वीजा धारकों को सुरक्षा प्रदान करेगा। इससे विदेशी श्रमिकों की भर्ती में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकेगी।

बैंक टु बैंक यूपीआई ट्रांजैक्शन फ्री रहेंगे

एनपीसीआई बोला- केवल वॉलेट जैसे प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट से ट्रांजैक्शन पर 1.1प्रतिशत फीस लगेगी

नई दिल्ली ।

1 अप्रैल से वॉलेट या कार्ड जैसे प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए किए गए 2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर 1.1प्रतिशत तक की इंटरचेंज फीस लगेगी। यूपीआई को ऑपरेट करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट से किए ट्रांजैक्शन पर फीस चार्ज से जुड़ी जानकारी दी है। हालांकि आम लोग इससे प्रभावित नहीं होंगे। उन्हें कोई चार्ज नहीं देना होगा।

बैंक अकाउंट-टु-अकाउंट ट्रांजैक्शन फ्री रहेगा - एनपीसीआई ने कहा, हाल के दिनों में, यूपीआई फ्री, फास्ट, सिक्योर और सीमलेस एक्सपीरियंस देकर डिजिटल पेमेंट के पसंदीदा तरीके के रूप में उभरा है। ट्रेडिशनली यूपीआई ट्रांजैक्शन का सबसे पसंदीदा तरीका पेमेंट करने के लिए किसी भी यूपीआई इनेबल्ड ऐप में बैंक अकाउंट को ऐड करना है। ये टोटल यूपीआई ट्रांजैक्शन में 99.9प्रतिशत से ज्यादा का योगदान देता है। ये बैंक अकाउंट-टु-अकाउंट ट्रांजैक्शन ग्राहकों और मर्चेंट के लिए फ्री में जारी रहेगा।

एनपीसीआई ने अब पीपीआई वॉलेट को

इंटरऑपरेबल यूपीआई इकोसिस्टम का हिस्सा बनने की परमिशन दी है। इंट्रोड्यूज किए गए इंटरचेंज चार्ज केवल पीपीआई मर्चेंट ट्रांजैक्शन के लिए लागू हैं और ग्राहकों के लिए कोई चार्ज नहीं है। और यह भी स्पष्ट किया जाता है कि बैंक अकाउंट टु बैंक अकाउंट बेस्ड यूपीआई पेमेंट (यानी नॉर्मल यूपीआई पेमेंट) के लिए कोई चार्ज नहीं है। इसे एक उदाहरण से समझते हैं। मान लीजिए यदि कोई यूजर 2,000 रुपए से ज्यादा की राशि के लिए अपने पेटीएम वॉलेट को लोड करने के लिए यूपीआई का इस्तेमाल करता है। इस केस में पीपीआई इश्यूअर यानी पेटीएम को यूजर के बैंक को वैलेट-लोडिंग सर्विस चार्ज के रूप में 15 बेसिस पॉइंट की फीस पे करनी होगी। पेटीएम, फोनपे, अमेजन के पास अपने ऐप्स के भीतर वॉलेट सर्विसेज हैं, जैसे पेटीएम वॉलेट, फोनपे वॉलेट, अमेजन पे वॉलेट।

सभी ट्रांजैक्शन पर एक जैसा सरचार्ज नहीं लगेगा। एनपीसीआई ने मर्चेंट कैटेगरी और इंटरचेंज फीस की रेंज दी है। इंटरचेंज फीस का मतलब उस फीस से है जो रिसीवर बैंक/पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर मर्चेंट से लेता है। यह ट्रांजैक्शन को एक्सेप्ट करने, प्रोसेस करने और ऑथोराइज करने की कॉस्ट को कवर करने के लिए लगाया गया है। पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर और बैंक के रेवेन्यू को बढ़ाने के लिए ऐसा किया गया है।

इसी महीने 6 मार्च (सोमवार) को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जानकारी दी थी कि पिछले 1 साल में यूपीआई के जरिए किए जा रहे पेमेंट में 50प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं फरवरी 2022 में यूपीआई के जरिए 12.35 लाख करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन हुआ। अभी भारत के यूपीआई पेमेंट सिस्टम को सिंगापुर, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, हांगकांग, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और ब्रिटेन में यूज किया जा सकता है। इसके साथ ही लगातार एनपीसीआई इसकी कनेक्टविटी को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत के यूपीआई पेमेंट सिस्टम की चर्चा ग्लोबल स्तर पर हो रही है। 2016 में यूपीआई की लॉन्चिंग के साथ ही डिजिटल पेमेंट की दुनिया में एक क्रांति आ गई। यूपीआई ने सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता। भारत में पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। जैसे सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ऑपरेट करती हैं। यूपीआई सिस्टम रियल टाइम फंड ट्रांसफर करता है। एक एप्लीकेशन में कई बैंक अकाउंट लिंक किए जा सकते हैं। किसी को पैसा भेजने के लिए आपको सिर्फ उसके मोबाइल नंबर, अकाउंट नंबर या यूपीआई आईडी की जरूरत पड़ती है। यूपीआई को मॉडल पर डेवलप किया गया है। इसलिए यूपीआई ऐप के जरिए आप 24×7 बैंकिंग कर सकते हैं।

आरसी 15 के निर्माताओं ने की फिल्म के टाइटल की घोषणा

-दोहरी भूमिका में नजर आएंगे रामचरण

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म आरसी 15 के निमार्ताओं ने फिल्म के टाइटल की घोषणा की। यह ऐलान राम चरण के 38वां जन्मदिन के खास मौके पर किया गया। निर्देशक शंकर ने वीडियो शेयर कर राम चरण को जन्मदिन की बधाई दी। टाइटल अनाउंसमेंट वीडियो के अनुसार, आरसी15 अब गेम चेंजर है। बड़े बजट की इस फिल्म का निर्माण दिल राजू और सिरीश अपने बैनर श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के तहत कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग तेज गति से आगे बढ़ रही है। ऑस्कर जीत के बाद, राम चरण ने भारत में आरसी 15 की शूटिंग फिर से शुरू की। उन्होंने प्रभुदेवा द्वारा कोरियोग्राफ किए गए एक गाने के लिए शूटिंग की। शूटिंग से पूर्व उनकी टीम ने नातू नातू के हुक स्टेप का प्रदर्शन किया और उनका स्वागत किया। राम चरण के जन्मदिन पर, आरसी 15 के निमार्ताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा की। फिल्म का शीर्षक गेम चेंजर रखा गया है और निमार्ताओं ने आज, 27 मार्च को फिल्म के शीर्षक की घोषणा वीडियो का अनावरण किया। एस शंकर द्वारा लिखित और निर्देशित गेम चेंजर एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है गेम चेंजर इस साल के आखिर में या अगले साल की शुरूआत में रिलीज होने की संभावना है। जानकारी के मुताबिक, फिल्म में राम चरण दो किरदारों में नजर आएंगे। कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, नवीन चंद्रा, नासर, श्रीकांत, सुनील और समुथिरकानी सहायक कलाकारों का हिस्सा हैं। सिनेमैटोग्राफर टिरू, संपादक शमीर मुहम्मद और संगीतकार थमन तकनीकी दल का हिस्सा हैं।

पवनपुत्र भाईजान अब नजर आएगी पूजा हेगडे

-कट गया करीना कपूर का पत्ता

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह सलमान खान की चर्चा सिने गलियारों में उनकी फिल्म पवनपुत्र भाईजान को लेकर हो रही हैं, जो कि वर्ष 2015 में प्रदर्शित हुई फिल्म बजरंगी भाईजान का सीक्वल है। बजरंगी भाईजान में मूक पाकिस्तानी लडकी मुन्नी (हषार्ली मल्होत्रा) की कहानी दिखाई गई थी। वह अपनी मां के साथ भारत आती है और उनसे अलग हो जाती है। इसके बाद बजरंगी (सलमान खान) मुन्नी से मिलता और उसे पाकिस्तान में उसकी मां से मिलाने का मिशन बनाता है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने पाकिस्तानी पत्रकार चांद नवाब की भूमिका निभाई थी। फिल्म बजरंगी भाईजान को देखने के बाद लोग काफी ज्यादा भावुक हो गए थे। जानकारी के अनुसार पवनपुत्र भाईजान में सबसे बड़ा फेरबदल स्टार कास्ट को लेकर किया गया है। इस फिल्म में अब करीना कपूर की जगह पूजा हेगड़े नजर आएंगी। हालांकि अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आ पाई है कि पवनपुत्र भाईजान में पूजा उसी किरदार में नजर आएंगी जिसे करीना कपूर खान ने निभाया था या फिर फिल्म में उनका कोई नया किरदार सामने आएगा। गौरतलब है कि पूजा हेगड़े सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान में दिखाई देगी। बजरंगी भाई को ख्यातनाम निर्देशक एसएस राजामौली के पिता कथा पटकथाकार के.विजयेन्द्र प्रसाद ने लिखा था। सीक्वल का लेखन भी उन्होंने ही किया है। हालांकि अभी तक इस फिल्म के निर्देशक को लेकर भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। बजरंगी भाईजान को कबीर खान ने निर्देशित किया था। बता दें कि सलमान खान इन दिनों ईद पर प्रदर्शित होने वाली किसी का भाई किसी की जान को पूरा करने में लगे हुए हैं। इन दिनों यह फिल्म सम्पादन की टेबल है, जिसका कार्य सलमान खान अपनी देखरेख में करवा रहे हैं। इस वर्ष इस फिल्म के बाद वे दीवाली पर टाइगर-3 लेकर दर्शकों के सामने हाजिर होंगे।

कॉमेडियन सुनील ग्रोवर का झलका दर्द, मुझे बिना बताए शो से निकाल दिया

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेता और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर ने बताया कि उन्हें हाल ही में एक मुश्किल समय का सामना करना पड़ा, जब उन्हें एक शो में बिना बताए हटाया गया है। यह मुश्किल वक्त एक महीने तक चला। उन्होंने बताया कि शो में काम करने के तीन दिन बाद ही उन्हें हटा दिया गया। सुनील ग्रोवर को टीवी शो कॉमेडी नाइट्स विद कपिल में गुत्थी के नाम से जाना जाता है। वह शो में डॉ मशहूर गुलाटी और रिंकू देवी की भूमिका में नजर आए थे और वे भारत के हर घर में मशहूर थे। एक विवाद के बाद उन्होंने कपिल शर्मा का साथ छोड़ दिया। इसके साथ ही वे कई फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आ चुके हैं। सुनील ग्रोवर ने गब्बर इज बैक, द लीजेंड ऑफ भगत सिंह, बागी और भारत जैसी फिल्में की है। शो से निकालने के बुरे दौर को याद कर सुनील ग्रोवर ने बताया, एक शो था जिसमें मैं रिप्लेस हो गया था तीन दिन में ही और मुझे बताया भी नहीं था। किसी और से पता चला था मुझे। अपने पर संहेद होने लगा, मुझे नहीं लगता था कि मैं दोबारा जा पाउंगा या उन लोगों के साथ शूटिंग कर पाएंगे। तब मैं एक शेल में चला गया था करीब एक महीने के लिए। फिर मैंने सोचा कि शायद मैं इस आगे नहीं बढ़ पाऊंगा, लेकिन फिर मुझे नहीं पता कि क्या यह किस तरह की जिद थी, जिसने मुझे कहा, चल कोई नहीं ... एक बार और कोशिश करते हैं। सोशल मीडिया पर अपनी लोकप्रियता को लेकर सुनील कहते हैं, मैं सबसे रिक्वेस्ट करता हूं कि प्लीज अपने को कितने फॉलोवर्स हैं, कितने कमेंट्स है, इसतरह से जज मत करो। ये आपकी सेल्फ वर्थ डिसाइड करेगा। कृपया ऐसा न करें। मैंने इसकी वजह से कई लोगों को डिप्रेशन में जाते हुए देखा है।

मर्डर मिस्ट्री 2 में नजर आएगी शानदार भारतीय शादी

संगीतकार जोड़ी अविनाश-विश्वजीत ने मर्डर मिस्ट्री 2 में एक शानदार भारतीय शादी दिखाई है। इसके लिए एक नया पंजाबी डांस नंबर तैयार किया है। किंग दी वेडिंग है गाने को फरहाद भिवंडीवाला ने गाया है। संगीतकार जोड़ी 30 मार्च को पेरिस में प्रीव्यू में शामिल होगी। प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, अविनाश ने कहा, हम टीना टर्नर के सॉन्ग सहित 25 सालों से ज्यादा समय से सभी लैंग्वेज में भारतीय म्यूजिक पर काम कर रहे हैं। लेकिन ये एक अद्भुत अनुभव था। एडम सैंडलर और जेनिफर एनिस्टन को म्यूजिक पर डांस करने के लिए मजबूर करना यादगार अनुभव था। हमने हर पल का लुत्फ उठाया। यह याद करते हुए कि फिल्म के लिए गाने की पिच कैसे निकली, विश्वजीत ने कहा, हमने गाना बनाया और उन्होंने बताया कि इसमें डिज्नी जैसी फीलिंग है। हमें अच्छा लगा। आगे की बातचीत पर, हमने महसूस किया कि डिज्नी-फील द्वारा उनका मतलब गुडी गुडी और लवी डोवी है, और वे बिल्कुल विपरीत चाहते थे। इसलिए हमने एक ट्यूब पर काम किया जो मूड के अनुकूल हो।

अमेजिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर खुश है दीपिका

अभिनेत्री दीपिका अग्रवाल ने कहा कि पंजाबी फिल्म ऊंचा दर बाबे नानक दा में मेरा किरदार जब वी मेट में बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर द्वारा अभिनीत गीत जैसा ही किरदार है। उन्होंने जिमी शेरगिल के साथ एक पंजाबी फिल्म मिलने के बारे में जानकारी देते हुए कहा, मैं इतने प्रतिभाशाली अभिनेताओं के साथ काम करने और इस अमेजिंग प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का अवसर पाकर बेहद धन्य महसूस कर रही हूं। जब वी मेट में करीना कपूर के किरदार जैसी भूमिका निभाना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। अभिनेत्री ने कहा कि मैं अपने प्रशंसकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं, और इस किरदार के साथ न्याय करने की उम्मीद करती हूं। दीपिका इससे पहले साथ निभाना साथिया 2 में नजर आ चुकी हैं, जहां उन्होंने एक फैशन डिजाइनर की भूमिका निभाई थी। दीपिका ने पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में फिल्म जी वाइफ की मूवी से डेब्यू किया था।

ऋतिक ने गर्लफ्रेंड सबा के पोस्ट पर किया कमेंट

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन ने अपनी एक्ट्रेस-सिंगर गर्लफ्रेंड सबा आजाद की साड़ी पहने फोटो पर कमेंट की है। सबा ने इंस्टाग्राम पर मनीष मल्होत्रा की शिमरी ब्लू और गोल्डन साड़ी में अपनी कुछ फोटो शेयर की और कैप्शन में लिखाः मरमेड. बट मेक इट डिस्को इस पोस्ट पर ऋतिक ने कमेंट किखाः मैं तुमसे मिलता हूं, इसके साथ ही हार्ट इमोजी का भी इस्तेमाल किया। यह कपल कई महीनों से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और अक्सर फिल्म पार्टियों और इवेंट्स में साथ में देखे जाते हैं।

अपने पिता की सबसे बड़ी प्रशंसक है जूही बब्बर

अभिनेत्री जूही बब्बर का कहना है कि वह उनके पिता द्वारा निभाए गए नकारात्मक किरदारों की बहुत सराहना करती हैं। उन्होंने कहा कि उनकी कई फिल्मों में, उन्हें 1982 की रोमांटिक ड्रामा निकाह सबसे ज्यादा पसंद है। जूही ने साझा किया, मैं अपने पिता की सबसे बड़ी प्रशंसक हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं फिल्म निकाह में उन्हें पसंद करती हूं। मैं उनके नकारात्मक किरदारों की भी सराहना करती हूं, हालांकि मुझे इंसाफ का तराजू देखने का मौका नहीं मिला है। फिर भी, मुझे अपने पिता की इस तरह की भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने की क्षमता पर विश्वास है। जूही ने काश आप हमारे होते के साथ अपनी फिल्म की शुरूआत की और बाद में अय्यारी, फराज, एक मूक फिल्म रिफ्लेक्शंस, पंजाबी फिल्म यारां नाल बहारन और कई अन्य फिल्मों का हिस्सा बनीं। उनकी फिल्मों को याद करते हुए उन्होंने 1984 की फिल्म इंतेहा के बारे में बात की और साझा किया, उनकी फिल्मों में से एक, इंतेहा बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन मैंने कहीं एक कहानी पढ़ी, जिससे शाहरुख खान को प्रेरणा मिली।

बॉलीवुड के खिलाफ झंडा बुलंद करने पर प्रियंका चोपड़ा को मिला कंगना का साथ

बॉलीवुड के खिलाफ झंडा बुलंद करने पर प्रियंका चोपड़ा को कंगना रनौत का साथ मिला है। उन्होंने प्रियंका चोपड़ा के समर्थन में तीन ट्विट करके लिखा है कि "अपने दम पर सब कुछ हासिल करने वाली महिला को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। सभी जानते हैं कि करण जौहर ने उन्हें बैन किया था।" अब प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। 2018 में शादी करने के बाद वह अमेरिका में बस गई हैं। जब उन्होंने भारत छोड़ा, तब बॉलीवुड में उनका करियर अपने चरम पर था। अब एक इंटरव्यू में इसके पीछे की वजह बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां उन्हें साइडलाइन किया गया था। कुछ फिल्म निमार्ताओं ने उनके खिलाफ एक टीम बनाई थी, वह काम नहीं दे रहे थे और राजनीति कर रहे थे। इस खुलासे के बाद अब 'फैशन' की को-एक्ट्रेस कंगना रनौत उनके सपोर्ट में आ गई हैं। कंगना रनौत ने तीन ट्वीट किए हैं, जिनमें से पहले में लिखा है "प्रियंका बॉलीवुड के बारे में कहती हैं कि लोगों ने उनके खिलाफ गैंग बनाकर परेशान किया और फिल्म उद्योग से निकाल दिया गया। अपने दम पर सब कुछ हासिल करने वाली महिला को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। सभी जानते हैं कि करण जौहर ने उन्हें बैन किया था।" एक अन्य ट्वीट में लिखा था "मीडिया ने शाहरुख के साथ दोस्ती के कारण करण जौहर के साथ प्रियंका चोपड़ा की अनबन के बारे में बहुत कुछ लिखा। हमेशा ऐसे बाहरी लोगों की तलाश में रहने वाले मूवी माफिया को प्रियंका चोपड़ा के रूप में पंचिंग बैग मिल गया। इसने उन्हें इस हद तक नाराज कर दिया कि उन्हें भारत छोड़ना पड़ा। तीसरे ट्वीट में लिखा था, "इस अप्रिय, ईष्यार्लु, मतलबी और जहरीले व्यक्ति को फिल्म इंडस्ट्री के कल्चर और एनवायरमेंट को बर्बाद करने के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। जो एबी या एसआरके के दिनों में आउटसाइडर्स के लिए कभी ऐसी नहीं थी। उनकी गैंग और माफिया पीआर पर छापा मारा जाना चाहिए और आउटसाइडर्स को परेशान करने के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।" दरअसल, प्रियंका चोपड़ा ने पोडकास्ट शो 'आर्मचेयर एक्सपर्ट' में खुलासा किया है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में मुझे बाहर किया गया। लोग मुझे कास्ट नहीं कर रहे थे। मेरा लोगों से मतभेद होता था। मैं गेम खेलने में अच्छी नहीं हूं और इसलिए राजनीति से तंग आ गई थी। उस वक्त मुझे लगा कि मुझे एक ब्रेक की जरूरत है। संगीत ने मुझे दुनिया के दूसरे हिस्से में जाने का मौका दिया।" प्रियंका चोपड़ा ने 2015 में हॉलीवुड में डेब्यू किया था। प्रियंका ने खुद को एक अंतरराष्ट्रीय संगीत कलाकार के रूप में स्थापित करने के लिए कई संगीत वीडियो में काम करने से पहले 2015 में टीवी श्रृंखला 'क्वांटिको' के साथ हॉलीवुड में शुरूआत की।

अभिनेता राजकुमार राव की फिल्म का नाम 'भीड़' है, लेकिन थिएटर खाली

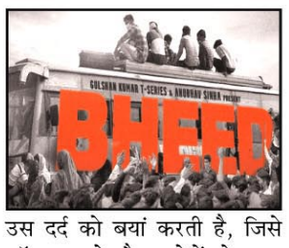

अभिनेता राजकुमार राव की फिल्म 'भीड़' को रिलीज हुए चार दिन हो चुके हैं, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती नजर आ रही है। बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री भूमि पेडनेकर की फिल्म 'भीड़' 24 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। कोरोना की पहली लहर में देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद पैदा हुई मुश्किल स्थिति को निर्देशक अनुभव सिन्हा ने फिल्म के जरिए पेश करने की कोशिश की है। फिल्म 'भीड़' की कहानी उस दर्द को बयां करती है, जिसे लॉकडाउन के दौरान लोगों को सहना पड़ा। फिल्म ने पहले दिन 40 लाख रुपये की कमाई की है। फिल्म ने वीकेंड पर सिर्फ 1 करोड़ 40 लाख रुपये बटोरे हैं। फिल्म का बजट 25 करोड़ है, लेकिन फिल्म भी बजट कमाने में नाकाम रही है। कुल मिलाकर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप होती नजर आ रही है। दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलने के कारण कई शो रद्द होते दिख रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर, आशुतोष राणा, आदित्य श्रीवास्तव, पंकज कपूर, दीया मिर्जा जैसे कलाकारों ने अहम भूमिका निभाई है। फिल्म 'भीड़' का निर्देशन इंडस्ट्री के जाने-माने डायरेक्टर अनुभव सिन्हा ने किया है।

राघव चड्ढा-परिणीति चोपड़ा को आप सांसद ने दी ट्विटर पर शुभकामनाएं

बीते कुछ दिनों से एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और सांसद राघव चड्ढा के अफेयर की बातें चल रही हैं। खबर थी कि उनके परिवार वाले भी उनके रिश्ते के बारे में बात कर रहे हैं। इसी तरह अब आम आदमी पार्टी के सांसद संजीव अरोड़ा ने ट्वीट कर दोनों के रिश्ते पर मुहर लगा दी है। आप सांसद संजीव अरोड़ा ने कहा, "राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा को मेरी शुभकामनाएं। आपका रिश्ता प्यार, खुशी और कम्पैनियनशिप से भरा रहे। मेरी शुभकामनाएं" राघव और परिणीति ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एक साथ पढ़ाई की और उनके कई कॉमन फ्रेंड हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के घरवालों ने शादी की बात शुरू कर दी है। परिणीति और राघव दोनों के परिवारों ने शादी को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। इसी तरह आप सांसदों ने भी दोनों को विश किया है।

सूडोकु नवताल- 6385

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6384 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल - 7132

भा	क	श	त	रं	ज	के	खि	ला	ड़ी	र
र	च	ल	प	व	जी	ग	द	इ	मा	ली
त	र	र्म	ल	र	छ	पु	रा	ट	ह	क
क	स	ज	कु	ह	व	न	लू	ल	म	क
क	क	दो	र्बा	म	लं	रि	तू	ग	कि	क
जी	क	ल	नी	कि	झ	पू	श	ण	सी	को
ती	ज	मा	न	त	प	दे	श	र	से	ल
क	ता	दा	ई	से	र	क	फ	लो	क	न
ने	बा	चे	न्न	प	जी	ल	री	ग	म	स्ता
द	पा	ल	श	व	दा	दा	ऐ	बें	न	शो
क	क	दे	प	ची	न	रा	बा	द	हीं	ले

शब्द जाल में अमजद खान की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शोले, चरस, शतरंज के खिलाड़ी, परवरिश, कुर्बानी, दादा, देश परदेश, हम किसी से कम नहीं, जमानत, लूटमार.

शब्दजाल - 7131 का हल

यु	क	दो	अ	ल्जी	रि	या	तू	ग	झ	क
ज	पा	ल	प	ह	भा	पू	ना	ट	र्की	को
अं	इ	कि	म	सं	र	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	स्ता	धा	त	क	फ	लो	श	या
क	मो	श	न्ने	न	क	ट	री	ग	रि	ता
द	र	ल	प	व	ज्पि	र्त	ऐ	जी	प	रु
ती	क्को	ल	श	इ	प	म	इ	कौ	ला	इ
क	इं	डे	ने	शि	या	ना	प्प	न	श	रा
क	स	बा	तें	व	न	ज	द	शा	जू	न
द	र	ल	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	प	रु
बां	ग	ला	दे	श	नी	हो	जा	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6085

1		3	7		2	
	29	4	36	6	29	
5				1	6	3
	33	6	33	7	32	
6			5			4
	32	5	29		34	7
7		2		3	1	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6084 का हल

2	1	3	7	6	5	4
1	26	7	40	5	32	3
5	3	4	7	1	2	6
7	36	6	32	3	26	2
6	3	2	5	4	1	7
4	28	5	28	2	33	1
3	4	1	2	7	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

आईपीएल में प्लेयर्स की थकान मापेगा बीसीसीआई : खिलाड़ियों को दी गई स्पेशल डिवाइस, डब्लूटीसी फाइनल से पहले वर्कलोड मैनेजमेंट पर नजर रखना मकसद

मुंबई।

भारतीय क्रिकेट में जीपीएस डिवाइस की मदद से खिलाड़ियों की फिटनेस पर नजर रखेगा। सभी खिलाड़ियों को प्रैक्टिस और खेलने के दौरान इसे पहनना होगा। यह डिवाइस खिलाड़ी की फिटनेस से जुड़ी करीब 500 अलग-अलग तरह की सूचनाएं देगा। इन सूचनाओं में खिलाड़ी का एनर्जी लेवल, तय की गई दूरी, स्पीड, ब्रेक डाउन के खतरे, हार्टबीट, ब्लड प्रेशर आदि शामिल हैं। यह डिवाइस उस लिमिट को बताने में भी सक्षम है कि जिसके आगे वर्कलोड मिलने पर खिलाड़ी चोटिल हो सकता है।

2018 से चल रहा है काम - बीसीसीआई की सूत्रों की मानें तो 2018 से वर्कलोड डिवाइस पर काम चल रहा था। बीसीसीआई ने ऐसे डिवाइस के इस्तेमाल के लिए साल 2018 से ही विचार करना शुरू दिया था। पहली बार इसे आईपीएल में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस डिवाइस का इस्तेमाल डब्लूटीसी में प्रयोग के तौर पर किया गया था। इसके काफी अच्छे रिजल्ट आए हैं। इससे फ्रेंचाइजीज को भी फायदा हुआ और उन्होंने अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों का इस्तेमाल जरूरत के हिसाब से किया। इसके बाद इसे आईपीएल में इस्तेमाल की हरी झंडी दे दी गई है।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया की टीमें करती हैं इस्तेमाल - वर्कलोड पर नजर रखने वाली डिवाइस का इस्तेमाल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीमें भी कर रही हैं। भारत में इसका इस्तेमाल देश की नेशनल हॉकी टीम के खिलाड़ी भी करते हैं।

3 महीने पहले वर्कलोर्ड मैनेजमेंट पर हुआ फैसला - आईपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस पर नजर रखने के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट का फैसला तीन महीने पहले बीसीसीआई में लिया गया था। आईपीएल खत्म होने के फौरन बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेला जाना है। साथ ही अक्टूबर-नवंबर में भारत में ही वनडे वर्ल्ड कप होना है। ऐसे में तय किया गया था कि सीनियर्स और महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को चोट से बचाने के लिए फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर वर्कलोड मैनेजमेंट पर काम किया जाएगा।

डब्लूटीसी फाइनल से पहले खिलाड़ियों को चोटिल होने से बचाया जाएगा - आईपीएल में वर्कलोड जीपीएस डिवाइस के इस्तेमाल करने की सबसे बड़ी वजह वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप से पहले अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों खास तौर से पेसर्स को बचाने के लिए लिहाज से किया जा रहा है। टीम इंडिया अभी अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के चोटिल से जूझ रही है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ सकते है ऋषभ पंतः हेड कोच रिकी पोंटिंग ने कहा - डगआउट में पंत की मौजूदगी टीम के लिए खास होगी

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग पिछले हफ्ते ही आईपीएल के लिए टीम के कैंप के साथ जुड़ गए है। पोंटिंग ने इस दौरान कहा कि, मैंने ऋषभ से बात की है। हमें उम्मीद है कि वह इस सीजन में शामिल होंगे। मैं उन्हें अपने साथ सभी घरेलू मैच साथ रखना पसंद करूंगा। हमारे डगआउट और चेंजिंग रूम में उनकी मौजूदगी टीम के लिए खास होगी। दिल्ली कैपिटल्स ने डेविड वार्नर को 6.25 करोड़ रुपए में खरीदा था और वो आईपीएल 2023 में टीम का नेतृत्व करेंगे। वहीं ऑलराउंडर अक्षर पटेल टीम के उप-कप्तान होंगे। पोंटिंग ने साफ किया कि पारी का आगाज वॉर्नर ही करेंगे। पोंटिंग ने कहा, मैं नहीं चाहता कि वॉर्नर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें। वह आईपीएल इतिहास का सबसे सफल सलामी बल्लेबाज है और पिछले साल दिल्ली के लिए उन्होंने जो मैच खेले थे उनमें भी हमने इसे देखा। वार्नर की कप्तानी पर पोंटिंग ने कहा कि, वार्नर एक सफल कप्तान है। वह टीम को लीड करने के लिए उत्सुक है। ऑस्ट्रेलिया के लीजेंड पोंटिंग ने कहा कि, तीन साल बाद हम होम और अवे गेम के लिए ट्रेवल करेंगे। आईपीएल के दौरान ट्रेवल कठिन होगा और उत्सुक हूं कि हमे अलग अलग वेन्यू पर खेलने का मौका मिलेगा। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ जाता है। पोंटिंग ने कहा कि, मेरी टीम डायरेक्टर सौरव गांगुली से बात हुई, हमने पॉसिबल लाइनअप और कीपर के बारे में बात की है।

आईपीएल 2016 में विराट कोहली ने टी20 बल्लेबाजी को परिभाषा बदल दीः आकाश चोपड़ा

मुम्बई। आईपीएल में विराट कोहली के लिए साल 2016 का सीजन सबसे खास था. उस सीजन उन्होंने इस लीग में बल्लेबाजी के नए कीर्तिमान अपने नाम किए थे. उस सीजन में विराट ने एक नहीं दो नहीं बल्कि 4 शतक जड़कर सीजन में 973 रन बनाए थे, जो आज भी इस टूर्नामेंट के एक सीजन में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड है. पूर्व भारतीय टेस्ट बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इस सीजन को याद करते हुए विराट कोहली की तारीफ की है. उन्होंने कहा कि तब विराट कोहली ने टी20 बल्लेबाज की परिभाषा बदल कर रख दी थी। चोपड़ा ने कहा कि उस सीजन विराट कोहली ने इस बेशुमार दौलत से भरपूर लीग के इतिहास में अपना नाम महानतम बल्लेबाजों में शुमार करा लिया. चोपड़ा जियो सिनेमा के शो इनसाइडर्स प्रिव्यू में आईपीएल पर चर्चा कर रहे थे. इस दौरान उन्होंने कहा, 'यदि आप उस सत्र से पहले बल्लेबाज विराट को देखें तो आपको लगेगा कि वह रन बना सकते हैं लेकिन किसी ने भी उनके रॉकस्टार टी20 बल्लेबाज होने की उम्मीद नहीं की थी.' पूर्व भारतीय ओपनर ने कहा, 'वह रन जुटाने वाले थे, वह बॉउंड्री लगा सकते थे लेकिन एरियल रूट पकड़ना और 10 गेंदों में पांच छक्के मारना बहुत कम देखा होगा. वह उस स्तर के खिलाड़ी नहीं हैं विराट ने उस सत्र में टी20 में बल्लेबाजी की परिभाषा को बदल डाला।

राजस्थान के करन सिंह ने सेबर में जीता स्वर्ण, महाराष्ट्र के अभय शिंदे को हराया

पुणे । 33वीं राष्टीय तरलवारबाजी चैंपियनशिप में राजस्थान के करन सिंह गुर्जर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेबर का स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। वहीं केरल ने महिला और सर्विसेज ने पुरुषों में ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महिला वर्ग में हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा। करन सिंह ने फाइनल में महाराष्ट्र के अभय शिंदे को एकतरफा मुकाबले में 15-9 से पराजित किया। इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में सर्विसेज के गिशोनिधि को कड़े मुकाबले में 15-14 से हराया था। सर्विसेज ने सेबर के फाइनल में पंजाब को 45-29 से हराकर स्वर्ण जीता। महिलाओं के टीम ईपी फाइनल में हरियाणा की शीतल दलाल, तनु गुलिया, तनीक्षा खत्री, प्राची लोहान ने केरल को 45-31 से हराकर स्वर्ण जीता।

5 स्टार जो 2024 आईपीएल में नहीं दिखेंगे

धोनी और अमित मिश्रा 40 पार, लगातार कम हो रहा डुप्लेसिस का स्ट्राइक रेट

मुंबई।

दो दिन बाद आईपीएल के 16वें सीजन की शुरुआत हो रही है। पहला मुकाबला 31 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। 59 दिन चलने वाली इस लीग से पहले हम आपको उन स्टार्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका यह आखिरी आईपीएल हो सकता है। ये सितारे अपनी बड़ी उम्र और फिटनेस के कारण आईपीएल से दूरी बना सकते हैं।

महेंद्र सिंह धोनी, कप्तान चेन्नई सुपरकिंग्स - धोनी लीग के सबसे उम्रदराज एक्टिव खिलाड़ी हैं। वे 40 साल की उम्र पार कर चुके हैं। पिछले सीजन के एक मुकाबले के दौरान उन्होंने संन्यास के संकेत भी दिए थे। पिछले सीजन में धोनी ने खुद कैप्टेंसी छोड़ी थी और जडेजा को कप्तान बनाया था। हालांकि, विवाद और टीम के खराब प्रदर्शन के कारण धोनी को फिर टीम की कमान संभालनी पड़ी।पिछले तीन सीजन में धोनी का स्ट्राइक रेट 130 से कम रहा है। उन्होंने 2020 में 116.27 के स्ट्राइक रेट से 200, 2021 में 106.54 के स्ट्राइक रेट से 114 और 2022 में 123.40 के स्ट्राइक रेट से 232 रन बनाए हैं। इस बार क्या रोल रहेगा: कप्तान के तौर पर टीम को एक और खिताब दिलाने की जिम्मेदारी होगी। साथ ही उन्हें द ग्रेट फिनिशर के टाइटल पर भी खरा उतरना होगा। वे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालते हैं। ऐसे में उन्हें स्टंप के पीछे चुस्त-दुरुस्त रहना होगा। धोनी ने टीम को चार खिताब दिलाए हैं। टीम ने आखिरी खिताब 2021 में जीता था।

अमित मिश्रा, लेग स्पिनर, लखनऊ सुपरजायंट्स - अमित भी 40 साल की उम्र पार कर चुके हैं। पिछले चार सीजन से कुल विकेटों की संख्या लगातार गिर रही है। पिछले सीजन में मिश्रा चार मैचों में कुल 6 विकेट ही ले सके थे। 2016 के बाद उनके विकेट सीजन दर सीजन कम हुए हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी पिछले तीन सीजन से कम हो रहा है। वे 7+ की इकोनॉमी से गेंदबाजी कर रहे हैं।

इस बार क्या रोल रहेगा: अनुभवी लेग स्पिनर हैं।

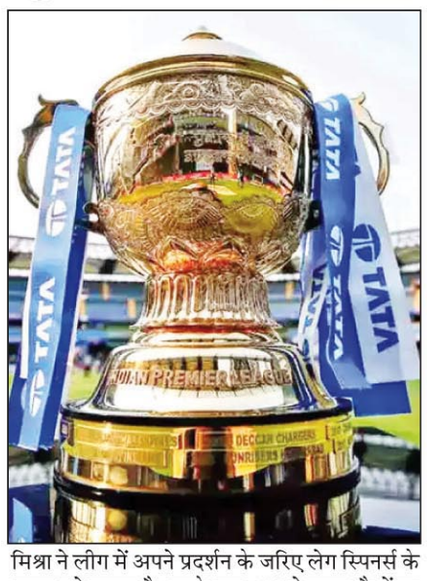

मिश्रा ने लीग में अपने प्रदर्शन के जरिए लेग स्पिनर्स के महत्व को बताया है। उनके नाम 150 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। ऐसे में युवाओं को गाइड कर सकते हैं और टीम के स्पिन डिपार्टमेंट में रणनीति के लिहाज से अहम योगदान दे सकते हैं।

फाफ डु प्लेसिस, कप्तान, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - पिछले तीन सीजन से फाफ डु प्लेसिस का स्ट्राइक रेट गिर रहा है, हालांकि उनके बल्ले से रन आ रहे हैं। प्लेसिस ने 2020 में 140.75 के स्ट्राइक रेट से 449 रन बनाए थे। उसके बाद 2021 में 138.20 के स्ट्राइक रेट से 633 रन और 2022 में 127.52 के स्ट्राइक रेट से 468 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज 38 की उम्र पार कर चुके हैं, ऐसे फ्रेंचाइजी को जल्द ही नया कप्तान तलाशना होगा। विराट ने पिछले साल टीम की कप्तानी छोड़ दी थी और फाफ कप्तान बने। पिछले सीजन में टीम क्वालिफायर-2 हारी थी।

इस बार क्या रोल रहेगा: विराट के कप्तानी छोड़ने के बाद डु प्लेसिस ने टीम की कमान संभाली थी। टीम पिछले दो सीजन से प्लेऑफ में प्रवेश कर रही है। ऐसे में फाफ के कंधों पर टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी होगी। वे पिछले चार सीजन से 350+ रन बना रहे हैं, ऐसे में रन बटोरने का जिम्मा भी उन्हीं के पास रहेगा। फाफ में टीम को अच्छा स्टार्ट दिलाने का माद्दा है।

रिद्धिमान साहा, विकेटकीपर बैटर, गुजरात टाइटंस - 38 साल की उम्र पार कर चुके हैं। एवरेज और स्ट्राइक रेट औसत दर्जे का है, विकेट के पीछे भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। स्टंपिंग और कैच के आंकड़े देखें तो साहा ने पिछले सीजन में महज 2 स्टंपिंग की हैं और 11 कैच पकड़े हैं। पिछले सीजन में उनके बल्ले से 122.39 के स्ट्राइक रेट और 31.70 के एवरेज से 317 रन आए हैं। उससे पहले 2021 में साहा ने 93.57 के स्ट्राइक रेट से 131 रन बनाए थे। उनके नाम महज 6 कैच थे।

इस बार क्या रोल रहेगा : पिछले सीजन में टीम चैंपियन बनी थी और साहा ने बैट से योगदान दिया था। उन्होंने 3 अर्धशतकों सहित 317 रन बनाए थे। ऐसे में उनसे इस सीजन में भी रनों की उम्मीद होगी।

दिनेश कार्तिक, विकेटकीपर बैटर, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु - टी-20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद वे टीम इंडिया से बाहर हो चुके हैं और इन दिनों कमेंट्री और एनालिसिस में अपना ध्यान लगा रहे हैं। कार्तिक 38 साल की उम्र पार कर चुके हैं। ऐसे में यदि आरसीबी इस सीजन में भी खिताब नहीं जीत पाती है, तो ऐसे में किसी और विकेटकीपर बल्लेबाज का रुख कर सकती है। ऐसा होने पर 38+ के होने के कारण उन्हें नया खरीदरार भी मिलना मुश्किल दिख रहा है।

इस बार क्या रोल रहेगा : पिछले सीजन में फिनिशर की भूमिका में नजर आए थे। कार्तिक ने 183.33 की स्ट्राइक रेट से 330 रन भी बनाए थे। ऐसे में टीम उनसे उसी प्रदर्शन को बरकरार रखने की उम्मीद करेगी। कार्तिक ने पिछले सीजन में दस कैच पकड़े और दो स्टंपिंग भी की।

ओय पुल्स आ गई पुल्स... डीएसपी बनने के बाद हारिस रउफ का उड़ा मजाक, हड़बड़ी में कर बैठे गलती

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के उभरते हुए स्टार हारिस रउफ को इस्लामाबाद पुलिस ने अपना गुडविल एम्बेडर बनाया है। इसे लेकर उन्होंने इस्लामाबाद पुलिस की वर्दी में इंस्टाग्राम पर हारिस अपनी एक तस्वीर शेयर कर पुलिस विभाग को अपना आभार जताया। हारिस रउफ के इस पोस्ट ने सबका ध्यान अपनी ओर खीचा लेकिन इस दौरान हड़बड़ी में उनसे एक ऐसी भूल हो गई जिसके कारण सोशल मीडिया पर यूजर्स हारिस रउफ के मजे लेने गए। हालांकि जब तक वह अपनी इस भूल को सुधारते हारिस रउफ का यह पोस्ट वायरल हो गया है। हारिस ने इंस्टाग्राम पर इस्लामाबाद पुलिस की ड्रेस में तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, इस्लामाबाद पुलिस के गुडविल एम्बेसडर बनने पर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इससे भी बड़ा सम्मान मेरे लिए यह है कि मुझे उस तरह की वर्दी पहनने का सौभाग्य मिला जो हमारे हीरोज पहनते हैं और देश की सेवा करते हैं।

इस दौरान हारिस रउफ ने अपने इस पोस्ट में इस्लामाबाद पुलिस को टैग करने के बजाय गलती से एक मीम पेज पुल्स आ गई पुल्स को टैग कर दिया। इंस्टाग्राम पर इस मीम पेज की आईडी है। हासिल राउफ ने जैसे ही इस आईडी को अपने पोस्ट में टैग किया इसके बाद देखते ही देखते हुए रिएक्शन की बाढ़ आ गई। हालांकि जब हारिस रउफ यह पता चला कि उन्होंने गलती से अपने पोस्ट में मीम पेज को टैग कर दिया। इसके बाद उन्होंने उसे अनटैग करके फिर इस्लामाबाद पुलिस को टैग किया। बता दें कि सोशल मीडिया पर पुल्स आ गई पुल्स मीम पेज काफी लोकप्रिय है। इस पेज की शुरुआत एक वायरल वीडियो से भी हुई थी, जिसमें कुछ युवक बाइक पर नीली और लाल चमकती रोशनी को पुलिस समझ लेते हैं। इस दौरान वह कहते हैं ओय पुल्स आ गई पुल्स। हारिस रउफ के द्वारा अपने पोस्ट में टैग किए जाने के बाद पुल्स आ गई पुल्स पेज के फॉलोअर्स में तेजी से वृद्धी हुई हो गई है। हारिस रउउ पाकिस्तान के लिए अब तक कुल 1 टेस्ट, 18 वनडे और 57 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं।

मुंबई इंडियंस ने मुझे खुद को एक अलग अवतार में दिखाने का मौका दिया : रोहित शर्मा

मुम्बई।

आईपीएल में मुम्बई इंडियंस को पांच खिताब जिताने वाले कप्तान रोहित शर्मा ने बुधवार को कहा कि फ्रेंचाइजी ने उन्हें खुद को एक अलग अवतार में दिखाने का मौका दिया। आईपीएल 2023 में रोहित को मुम्बई की कमान संभाले हुए 10 साल हो जाएंगे। पांच खिताबों के साथ वह टूर्नामेंट के सबसे सफल कप्तान हैं। टूर्नामेंट के 16वें संस्करण से पहले कप्तान ने फ्रेंचाइजी के साथ लम्बे जुड़ाव के बारे में बात की और कहा कि उन्हें इस सफर के हर लम्हे से प्यार है। रोहित ने सत्र पूर्व कॉन्फ्रेंस में कहा,10 वर्ष एक लम्बा समय होता है। इस अवधि में आपके साथ कई यादें जुड़ जाती हैं। मैंने इसके हर पल और हर लम्हे का आनंद लिया है। यदि आप मुझसे एक लम्हे के बारे में पूछेंगे तो मैं ऐसा कर नहीं पाऊंगा क्योंकि यह बहुत मुश्किल है।2011 सत्र में एक युवा खिलाड़ी के रूप में मुम्बई से जुड़ने के बाद रोहित ने टीम को अपनी कप्तानी में पांच खिताब दिलाये। उन्होंने 2013 में टीम की कप्तानी संभाली और अपने पहले वर्ष में ही टीम को खिताब दिलाया। रोहित ने कहा, हमने वर्षों अच्छी क्रिकेट खेली है। मेरा टीम के साथ अनुभव अद्भुत रहा है। इस टीम ने मुझे खुद को पहले एक खिलाड़ी और फिर एक कप्तान के रूप में व्यक्त करने का समय दिया। मुम्बई ने मुझे खुद को एक अलग अवतार के रूप में व्यक्त करने का मौका दिया।

अधिकतर घरेलू भारतीय खिलाड़ी सत्र पूर्व शिविर का हिस्सा हैं लेकिन विदेशी और भारतीय

राष्ट्रीय खिलाड़ी पिछले कुछ दिनों में टीम से जुड़े हैं। पहली बार टीम की कोचिंग संभाल रहे मार्क बाउचर ने कहा कि जब सभी खिलाड़ी टीम के साथ होंगे तो टीम एक-दो अभ्यास मैच खेलेगी। उन्होंने कहा कि टीम ने सत्र के लिए भरपूर तैयारी की है। बाउचर ने कहा, हम एक मैच खेलेंगे जिससे हमें पता चल जाएगा कि एक टीम के रूप में हम कहां हैं और हम क्या हासिल कर सकते हैं। मुंबई की टीम अपने पिछले साल के प्रदर्शन से आगे बढ़ने का प्रयास करेगी। 2022 के आईपीलएल सीजन में मुंबई अंक तालिका में अंतिम स्थान पर थी । आईपीएल 2023 में मुंबई अपना पहला मैच 2 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलेगी। सत्र में टीम के लक्ष्य के बारे में पूछने पर बाउचर ने कहा, ट्रॉफी जीतना।

लियोनल मेसी ने रचा इतिहास, अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 100वां गोल किया; 37 मिनट में ही दाग दी हैट्रिक

ब्यूनस आयर्स।

विश्व विजेता अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम ने इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में कोरासाओ को 7-0 से रौंद दिया। मैच में अर्जेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी ने तीन गोल दागे। उन्होंने इस दौरान अपनी हैट्रिक पूरी की। मेसी के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 100 गोल भी पूरे हो गए। अर्जेंटीना की विश्व जीतने के बाद यह लगातार दूसरे मैच में दूसरी जीत है। इससे पहले उसने फ्रेंडली मैच में ही पनामा को 2-0 से हराया था।

मेसी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 100 गोल पूरे करने वाले तीसरे फुटबॉलर हैं। उनके 174 मुकाबलों में 102 गोल हो गए हैं। इस दौरान मेसी ने 54 गोल असिस्ट किए। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं। उन्होंने 198 मैचों में 122 गोल

दागे हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर ईरान के अली दाएई हैं। अली ने 148 मैचों में 109 गोल किए थे।

मेसी ने रचा इतिहास - मेसी ने 100 गोल पूरे करते ही एक खास उपलब्धि हासिल कर ली। वह विश्व कप जीतने के साथ-साथ 100 गोल पूरे करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉल हैं। रोनाल्डो और अली दाएई ने 100 से ज्यादा गोल दागे हैं, लेकिन दोनों विश्व कप नहीं जीत सके हैं।

मेसी ने करियर की 57वीं हैट्रिक पूरी की - लियोनल मेसी ने मैच की शुरुआत तूफानी अंदाज में की। उन्होंने 37 मिनट में ही हैट्रिक पूरी कर ली। मेसी ने 20वें, 33वें और 37वें मिनट में गोल किया। यह उनके करियर की 57वीं हैट्रिक है। वहीं, अर्जेंटीना के लिए खेलते हुए नौवीं बार उन्होंने हैट्रिक गोल किया है। साथ ही मेसी ने इस साल पहली बार किसी मैच में तीन या उससे ज्यादा गोल दागे हैं।

मेसी ने एक गोल असिस्ट भी किया - मेसी ने सिर्फ तीन गोल ही नहीं दागे, बल्कि एक गोल में अपना योगदान दिया भी दिया। उन्होंने एंजो फर्नांडीज के लिए 35वें मिनट में गोल असिस्ट किया। मेसी ने इस सीजन में 22वीं बार गोल असिस्ट किया है। इसके अलावा अर्जेंटीना के लिए 54वीं बार और सीनियर स्तर पर कुल 354वीं बार उन्होंने गोल असिस्ट किया।

इन खिलाड़ियों ने भी दागे गोल - अर्जेंटीना के लिए सिर्फ मेसी ने ही नहीं बल्कि अन्य चार खिलाड़ियों ने भी गोल दागे। निकोलस गोंजालेज ने 23वें, एंजो फर्नांडीज ने 35वें, अनुभवी एंजेल डी मारिया ने 78वें और गोंजालो मोंटियाल ने 87वें मिनट में गोल किया।

वेस्टइंडीज तीसरा टी-20 जीता

साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया, सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमाया

जोहानसबर्ग।

वेस्टइंडीज और साउथ आफ्रिका के बीच तीन टी-20 मैच की सीरीज का आखिरी मैच जोहानसबर्ग में खेला गया। वेस्टइंडीज ने तीसरे और आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया। इसके साथ ही टीम ने 2-1 की बढ़त बनाते हुए ट्रॉफी पर भी कब्जा जमाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 220 रन बनाए / जवाब में साउथ अफ्रीका सिमित 20 ओवर में 213 रन ही बना सका।

अल्जारी जोसेफ को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। उन्होंने 5 विकेट लिए। वहीं, टीम के जॉनसन चार्ल्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

पूरन और रोमारियो की आक्रामक पारी

टॉस जीत कर साउथ अफ्रीका ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी की। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग 36 और काइल मेयर्स 17 रन बना कर आउट हो

गए। हालांकि, दोनों खिलाड़ी पॉवरप्ले में अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देने में कामयाब रहे। जॉनसन चार्ल्स पहली बॉल पर ही आउट हो गए। उन्हें राबाडा ने चलता किया।

इसके बाद टीम के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने पारी को गति दीऔर 19 बॉल में 41 रन जड़ दिए। कप्तान रोवमैन पॉवेल 11, रेमन रीफर 27 और जेसन होल्डर 13 रन बना कर आउट हुए। अंत में रोमारियो शेफर्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 बॉल में 44 रन की पारी खेली। टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट को कर 220 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की गेंदबाजी बढ़िया रही। लुंगी एंगिदी कागिसो रबाड़ा और नॉर्त्या 2-2 विकेट मिले। वहीं एडेन मारक्रम को 1 विकेट हासिल हुआ।

रीजा हैनरिक्स की हाफ सेंचुरी काम नहीं आई

220 रन के दिए टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका टीम के सलामी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक और रीजा हैनरिक्स ने टीम को शानदार शुरुआत दी। डी कॉक 21 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद हैनरिक्स और राइली रूसो ने पारी संभाली। हैनरिक्स ने 83 न्र की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, रूसो ने 21 गेंद पर 42 रन बनाए। लेकिन, यह पारी टीम के काम नहीं आई। मिलर 11 और कप्तान मारक्रम ने नाबाद 35 रन बनाए लेकिन 20 ओवर में साउथ अफ्रीका 213 रन ही बना सही और मैच हार गई।

वेस्टइंडीज ने 2-1 से सीरीज जीती

वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को तीन मैच की सीरीज में 2-1 से हराया। वेस्टइंडीज ने पहला और तीसरा मैच जीता। नए कप्तान रोवमैन पॉवेल के लिए यह पहला टूर्नामेंट था। उन्हें पिछले ही महीने टी-20 की कप्तानी सौपी गई।

ताजमहल भारत की शान और प्रेम का प्रतीक चिह्न...

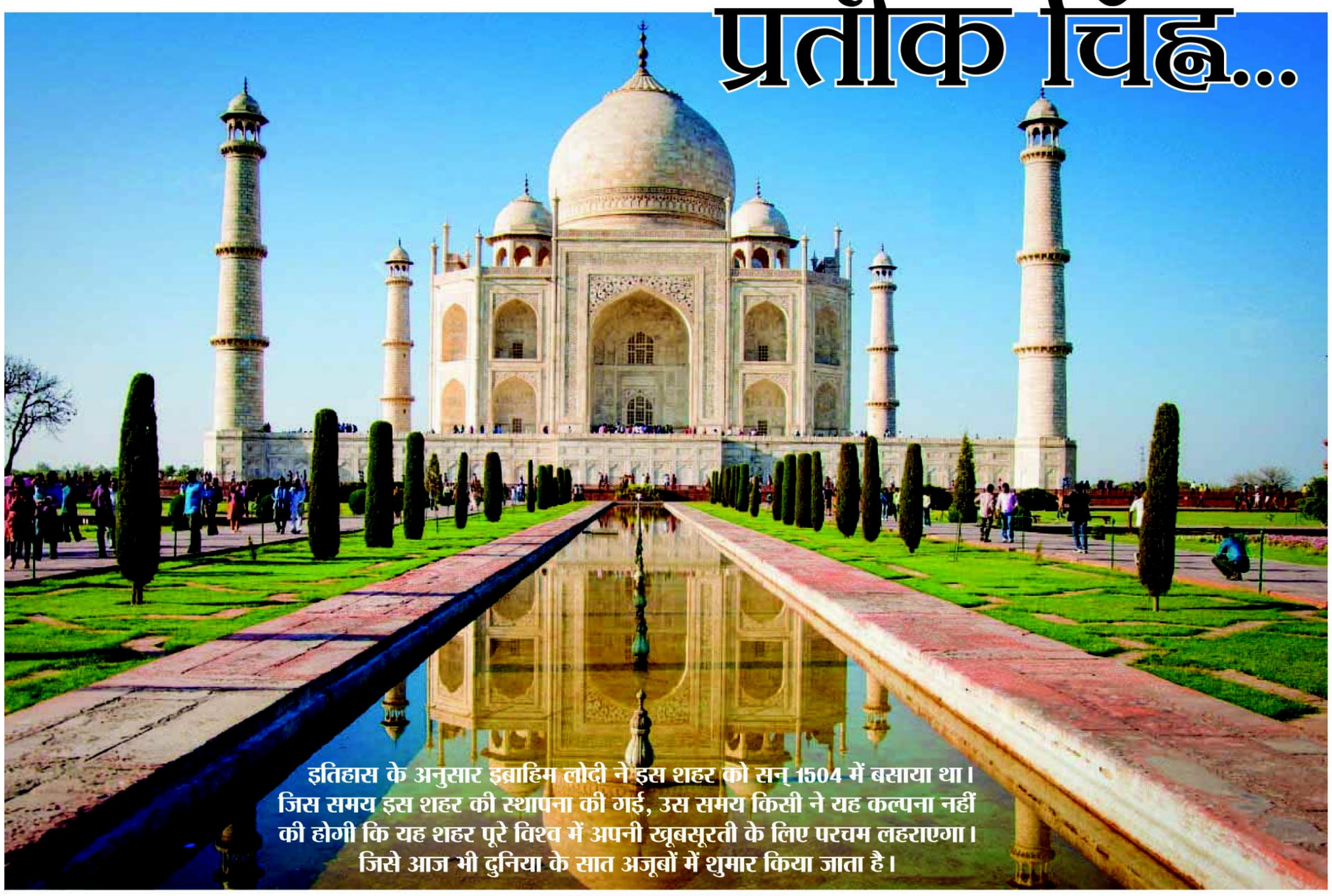

आगरा का ताजमहल भारत की शान और प्रेम का प्रतीक चिह्न माना जाता है। उत्तरप्रदेश का तीसरा बड़ा जिला आगरा ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। मुगलों का सबसे पसंदीदा शहर होने के कारण ही उन्होंने दिल्ली से पहले आगरा को अपनी राजधानी बनाया।

इतिहास के अनुसार इब्राहिम लोदी ने इस शहर को सन् 1504 में बसाया था। जिस समय इस शहर की स्थापना की गई, उस समय किसी ने यह कल्पना नहीं की होगी कि यह शहर पूरे विश्व में अपनी खूबसूरती के लिए परचम लहराएगा। जिसे आज भी दुनिया के सात अजूबों में शुमार किया जाता है।

स्थापत्य कला की जीती-जागती तस्वीर आगरा शहर दिल्ली से करीब 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जिसे बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था। इसी तरह बुखारा शहर, जो मध्य एशिया में स्थित हैं, वहां से जिस कारीगर को बुलवाया गया वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। विराट कद के गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर बुलाया गया तथा मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया।

इतिहास :

इस प्रकार ताजमहल के निर्माण से पूर्व छः महीनों में कुशल कारीगरों को तराश कर उनमें से 37 दक्ष कारीगर इकट्ठे किए गए, जिनके देखरेख में बीस हजार मजदूरों के साथ कार्य किया गया। इसी प्रकार ताज निर्माण में लगाई गई सामग्री संगमरमर पत्थर राजस्थान के मकराणा से, अन्य कई प्रकार के कीमती पत्थर एवं रत्न बगदाद, अफगानिस्तान, तिब्बत, इजिप्त, रूस, ईरान आदि कई देशों से इकट्ठा कर उन्हें भारी कीमतों पर खरीद कर ताजमहल का निर्माण करवाया गया। ई.1630 में शुरू हुआ इसका निर्माण कार्य करीब 22 वर्षों में पूर्ण हुआ, जिसमें लगभग बीस हजार मजदूरों का योगदान माना जाता है। इसका मुख्य गुंबद 60 फीट ऊंचा और 80 फीट चौड़ा है।

मुगल बादशाह की मुहब्बत और शिद्दत का परिणाम ही है, 'ताजमहल' जिसे खूबसूरती का नायाब हीरा कहा जाता है। गुंबदनुमा इस इमारत को जब आप सिर उठाकर ऊपर देखते हैं तो इसकी नक्काशीदार छतें और दीवारें किसी आश्चर्य से कम नहीं लगतीं।

इसका यह इतिहास तो बच्चे-बड़े सभी की जुबान पर है कि मुगल बादशाह शाहजहां ने अपनी दूसरी पत्नी मुमताज महल की याद में ताजमहल का निर्माण करवाया था। यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर 'ताजमहल' न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। दूधिया चांदनी में नहा रहे ताजमहल की खूबसूरती को निहारने के बाद आप कितनी भी उपमाएं दें, वह सारी फीकी लगती हैं।

आगरा में ताजमहल के अलावा भी कई चीजें देखने लायक हैं : जैसे...

◆ आगरा फोर्ट (रेड फोर्ट)-
आगरा फोर्ट यहां के महत्वपूर्ण इमारतों में से एक है। इसका निर्माण ई. 1565 में मुगल सम्राट अकबर ने करवाया था। स्थापत्य कला का यह बेजोड़ नमूना लाल पत्थरों से निर्मित हैं। इसमें जहांगीर महल (दीवाने-ए-खास) भी बना है, जो खूबसूरत शीशमहल के रूप में प्रचलित है।

◆ फतेहपुर सीकरी-
आगरा से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित इस स्थान को अकबर ने अपनी राजधानी बनाया था, जो स्थापत्य की बेजोड़ कलाओं से परिपूर्ण है।

◆ मेहताब बाग-
यमुना नदी की विपरीत दिशा में 'ताजमहल' के पास ही बना हुआ है मेहताब बाग। कई तरह के फूलों और अनेक पेड़-पौधों से सुसज्जित होने के कारण विदेशी सैलानियों को काफी लुभाता है।

◆ रामबाग-
_रामबाग को बाबर ने 1528 ई. में बनवाया था। यह ताजमहल के उत्तरी भाग में ढाई किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसे मुगलों द्वारा निर्मित सबसे पुराने बागों में से एक माना जाता है।

◆ जामा मस्जिद-
शाहजहां की बेटी जहांआरा बेगम की याद में सन् 1648 ई. में बनाई गई थी यह जामा मस्जिद।

बड़ी ही खूबसूरती से इसके गुंबद भी तराशे गए हैं। इतने वर्षों बाद भी इसकी खूबसूरती जस-की-तस बनी हुई है।

मुमताज महल और शाहजहां की कब्र ताजमहल के निचले हिस्से में आमने-सामने बनी हुई है।

आज भी आगरा शहर देशी-विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

पर्यटन विभाग की ओर से प्रतिवर्ष 'ताज महोत्सव' का आयोजन किया जाता है।

खूबसूरत स्थापत्य कला में निर्मित होने की वजह यहां गर्मी हो या ठंड, हर मौसम में पर्यटकों की भीड़ देखी जा सकती है।

कोणार्क के सूर्य मंदिर में उपलब्ध होंगी विश्वस्तरीय पर्यटक सुविधाएं

ओडिशा की स्थापना के दिन- उत्कल दिवस के साथ ही आज कोणार्क के सूर्य मंदिर में आगंतुकों के लिए एक विश्वस्तरीय अनुवाद केंद्र और पर्यटक सुविधाओं का उद्घाटन किया गया। सुविधाओं का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सूर्य मंदिर ओडिशा का गौरव है और यह जरूरी है कि विश्व को वास्तुशिल्प के इस अजूबे के बारे में जानकारी हो और इस दिशा में अनुवाद केंद्र एक कदम है।

इस मौके पर एक जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधान ने आगंतुकों के अनुकूल अवसंरचना और सुविधाएं विकसित करने के लिए इंडियन ऑयल फाउंडेशन की तारीफ की। साथ ही कोणार्क के सूर्य मंदिर की मूर्तिकला संबंधी समृद्धि को फिर से जीवंत बनाने के लिए उन्होंने प्रख्यात वास्तुकार रघुनाथ महापात्रा की भी प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में विकसित की गई आधुनिक सुविधाएं भविष्य में ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करेगी।

भारत का मिनी स्विट्जरलैंड है कौसानी, नेचर लवर्स इन जगहों को मिस न करें

सीढ़ीदार पहाड़ी धान के खेतों और हरे-भरे ऊंचे-ऊंचे देवदार के घने जंगलों के बीचों बीच रुद्रधारी फॉल्स कमाल की खूबसूरती संजोए है। भारत का मिनी स्विट्जरलैंड है कौसानी, नेचर लवर्स इन जगहों को मिस न करेंभारत में ऐसी कई जगह हैं, जो खूबसूरती में किसी विदेश की जगह से कम नहीं है। ऐसी ही एक जगह है कौसानी, जिसे मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है। उत्तराखंड के बागेश्वर जिले में 6075 फुट से ज्यादा की ऊंचाई पर बसा है खूबसूरत हिल स्टेशन कौसानी। दिलकश नजारों के चलते ही इस जगह को भारत का स्विट्जरलैंड कहा जाता है।

कहीं-कहीं इसे कुमाऊं का स्वर्ग भी कहते हैं। कौसानी पहुंचकर आपको हिमालय की चोटियों का 350 किलोमीटर फैला नजारा एक ही जगह से देखने का मौका मिलता है।

लीची के बगीचे से घिरा खूबसूरत शहर है तेजपुर

पूर्वोत्तर भारत की नायाब सुंदरता में 'तेज' भरता है असम स्थित तेजपुर। कभी 'मोहब्बत का शहर' तो अक्सर देश के 'सबसे उपयुक्त रहने लायक' शहरों में इसका नाम लिया जाता है। क्या है खास इस शहर में? जानते हैं उमेश पंत के साथ तेजपुर के इस खास सफर में..

गुवाहाटी से तकरीबन 180 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तेजपुर। कल-कल बहती और अपनी मौज में लहराती विशाल ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी किनारे पर बसे इस शहर को असम की सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जाता है। मंदिरों, घाटों और हजारों साल पुरानी स्थापत्य कला के अवशेषों के लिए मशहूर यह शहर असम का पांचवां सबसे बड़ा शहर है।

तेजपुर असम का वह छोर है, जिसके आगे से अरुणाचल प्रदेश आरंभ हो जाता है। अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ों की तलहटी पर बसा यह शहर अपनी भौगोलिक बसावट के कारण सामरिक दृष्टि से भी खासी अहमियत रखता है। इतना ही नहीं, यह शहर 'सिटी ऑफ रोमांस' के नाम से भी मशहूर है यानी यह है मोहब्बत का शहर भी।

जब खाली करना पड़ा पूरा शहर

वह 1962 के भारत-चीन युद्ध का दौर था और नवंबर का महीना था, जब भारत की सेना को कामेंग सेक्टर से पीछे हटना पड़ा था। कामेंग सेक्टर अब अरुणाचल प्रदेश में है पर तब इसे नॉर्थ-ईस्ट फ्रंटियर एजेंसी (नेफा) के नाम से जाना जाता था। भारत के पीछे हटने की खबर से नजदीकी शहर तेजपुर में यह बात फैल गयी कि चीन की सेना कभी भी यहां तक पहुंच सकती है। इस खबर से पूरा शहर दहशत में आ गया। जान-माल के नुकसान से बचने के लिए एहतियातन पूरे शहर को खाली करवा दिया गया। हजारों लोग बैलगाड़ियों में सामान लादकर ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे जमा होने लगे, ताकि स्टीमर की मदद से नदी पार करके सुरक्षित ठिकानों तक पहुंच सकें। तेजपुर में वरिष्ठ पर्यटन ऑफिसर बासब बोरा बताते हैं, 'मुझे वह दौर याद है। मैंने अपनी आंखों से वह दहशत देखी थी। तब कालिया भोमोरा पुल नहीं बना था। लोगों को फेरी से नदी पार करनी पड़ती थी। उस वक्त सभी लोग जान बचाने के लिए असम के ऊपरी इलाकों की तरफ भाग रहे थे।' बोरा के मुताबिक, लोग शहर छोड़ने से पहले अपनी धन-संपत्ति को बचाने के लिए उसे शहर के बीचों-बीच बनी झील में डाल दिया। कुछ लोग जो शहर में सुरक्षित बचे रह गए, लड़ाई खत्म हो जाने के बाद वे इस धन-संपत्ति की बदौलत मालामाल हो गए।

सांस्कृतिक धरोहरों का ठिकाना

असम की तीन मशहूर सांस्कृतिक हस्तियां तेजपुर की ही देन हैं। ज्योति प्रसाद अग्रवाल, बिष्णु प्रसाद राभा और भूपेन हजारिका। बिष्णु राभा असम के संगीत जगत का एक बड़ा नाम हैं और भूपेन हजारिका को देश में कौन नहीं जानता। 'आमी एक जाजाबर' और 'दिल हूम-हूम कर' जैसे मशहूर गीत लिखने और गाने वाले भूपेन हजारिका का बचपन यहीं बीता था।

भूपेन हजारिका की याद में यहां 'भूपेन हजारिका कला भूमि' नाम से एक ओपन एयर थिएटर भी बना है। यहां भूपेन हजारिका की एक विशाल प्रतिमा भी लगाई गई है। ज्योति प्रसाद अग्रवाल भी असम के संगीत और साहित्य जगत में एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने 1935 में असम के सिनेमा जगत की पहली फिल्म 'जौयमती' बनाई थी। शहर के बीचों-बीच बने उनके पुरखों के घर 'पोकी' को अब एक संग्रहालय में तब्दील कर दिया गया है।

मनोरम है पदुम पोखरी झील

पदुम पोखरी नाम की खूबसूरत झील भी यहां है जिस पर एक खूबसूरत टापू बना है। इस टापू को अब एक पार्क में तब्दील कर दिया गया है। पदुम यानी कमल और पोखरी यानी तालाब। कुछ लोग इसे 'कमल तालाब' भी कहते हैं। इसके अलावा, शहर के बीचों-बीच 'बोर पोखरी' नाम का एक तालाब भी है। कहा जाता है कि ये दोनों जुड़वा तालाब यहां के बाण राजा और उनकी बेटी उषा की स्मृति-चिह्न हैं। पदुम पोखरी में लोहे का एक पुल इस टापू से जमीन के मुख्य भाग को जोड़ता है। और हां, यदि आप यहां आएं तो झील के किनारे टॉय ट्रेन की यात्रा और पैडलिंग का भी आनंद लेना न भूलें। यह झील बच्चों के लिए आम आकर्षण है। यहां द्वीप पर एक म्यूजिकल फाउंटेन भी है। यहां बजने वाले संगीत और चलने वाली ठंडी हवाओं के कारण यहां का वातावरण मनोरम हो जाता है। स्थानीय भाषा में पदुम पुखुरी तक पहुंचना मुश्किल नहीं है। यह स्थल राज्य परिवहन बस स्टेशन के बहुत करीब है।

खास है इस लीची की मिठास

अगर आपने तेजपुर की लीची नहीं चखी, तो क्या चखा! अपने अलग आकार और गहरे लाल रंग की वजह से अलग से पहचान में आने वाली इस लीची को मुंह में डालते ही इसकी मिठास जीभ में घुल जाती है। तेजपुर के पोरोवा गांव में 'लीची पुखुरी' नामक जगह पर पैदा होने वाली इस लीची की देश ही नहीं, विदेश में भी मांग है। तेजपुर की लीची को ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग भी मिल चुका है। इस टैग के मिलने के बाद किसी भी उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल जाती है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि उस उत्पाद को उसी जगह पर उगाया जाए, जहां वह मूल रूप से पैदा होता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)